



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

सोमवार, 14 सितम्बर, 2015 / 23 भाद्रपद, 1937

हिमाचल प्रदेश सरकार

शहरी विकास विभाग

अधिसूचना

शिमला—2, 2 सितम्बर, 2015

संख्या: यू0डी0—ए(3)—7/20011—1.—हिमाचल प्रदेश नगरपालिका निर्वाचन नियम, 2015 का प्रारूप, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम संख्यांक 13) की धारा 279 के उपबन्धों के अधीन यथा अपेक्षित के अनुसार, इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना तारीख 27 जुलाई, 2015

द्वारा राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में 29 जुलाई, 2015 को जन साधारण से आक्षेप(पों) और सुझाव(वों) को आमंत्रित करने के लिए प्रकाशित किया गया था ;

और नियत अवधि के भीतर इस निमित्त कोई आक्षेप(पों) और सुझाव(वों) प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, राज्य आयोग के परामर्श से हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम संख्यांक 13) की धारा 279 और 304 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:-

अध्याय-1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम.—इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश नगरपालिका निर्वाचन नियम, 2015 है।

2. परिभाषाएं.—(1) इन नियमों में, जब तक कि कोई बात विषय या संदर्भ में विरुद्ध न हो,—

(क) “अधिनियम” से हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 (1994 का अधिनियम संख्यांक 13) अभिप्रेत है ;

(ख) “अभिकर्ता” से किसी निर्वाचन में, अभ्यर्थी द्वारा, लिखित में, इन नियमों के प्रयोजन के लिए अभिकर्ता बनने के लिए नियुक्त कोई व्यक्ति अभिप्रेत है;

(ग) “मतपेटी” से निर्वाचकों द्वारा मतपत्र रखने के लिए प्रयुक्त कोई पेटी, बैग या अन्य पात्र अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन भी होगी ;

(घ) “अध्यक्ष” से निर्वाचित सदस्यों द्वारा अध्यक्ष का पद धारण करने और अध्यक्ष के कृत्यों का पालन करने के लिए अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित नगरपालिका का कोई सदस्य अभिप्रेत है;

(ङ) “आयोग ” से अधिनियम की धारा 2 के खण्ड (37) के अधीन परिभाषित राज्य निर्वाचन आयोग अभिप्रेत है;

(च) “परिसीमन” से इन नियमों के अधीन किया गया वार्डों का परिसीमन अभिप्रेत है ;

(छ) “जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिकाएँ)” से नियम 32 के अधीन नगरपालिकाओं का निर्वाचन संचालित करवाने हेतु राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त किया गया अधिकारी अभिप्रेत है ;

(ज) “राजनैतिक दल” से लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अधीन भारत निर्वाचन आयोग के पास राजनैतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकृत भारत के नागरिकों का संगम या व्यष्टि निकाय अभिप्रेत है ;

(झ) “मण्डलायुक्त ” से संबद्ध मण्डल का आयुक्त अभिप्रेत है;

(ज) “मतदाता” से नगरपालिका के सदस्य या पदाधिकारी के निर्वाचन में मतदान करने का हकदार कोई व्यक्ति अभिप्रेत है;

(ट) “निर्वाचक नामावली” से इन नियमों के अधीन किसी निर्वाचन में मतदान करने के हकदार वार्ड के व्यक्तियों की निर्वाचक नामावली अभिप्रेत है;

(ठ) “निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत)” से इन नियमों के अनुसार निर्वाचक नामावलियां तैयार करने के प्रयोजन के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कोई अधिकारी अभिप्रेत है;

(ड) “प्ररूप” से इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है;

(ढ) “शपथ या प्रतिज्ञान” से अधिनियम की धारा 27 की उपधारा (1) के अधीन विनिर्दिष्ट निष्ठा की शपथ या प्रतिज्ञान अभिप्रेत है;

(ण) “मतदान केन्द्र” से नगरपालिका के निर्वाचन के संचालन हेतु रिटर्निंग अधिकारी द्वारा नियत स्थान अभिप्रेत है;

(त) “रिटर्निंग अधिकारी” से नियम 32 के अधीन आयोग द्वारा नियुक्त अधिकारी अभिप्रेत है और सहायक रिटर्निंग अधिकारी भी इसके अन्तर्गत हैं।

(थ) “पुनरीक्षण प्राधिकारी” से राजपत्रित अधिकारी या कार्यकारी मजिस्ट्रेट अभिप्रेत है जिसे निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (नगरपालिका परिषद्/ नगर पंचायत) द्वारा वार्ड या उसके किसी भाग की निर्वाचक नामावली की बाबत, पुनरीक्षण अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाए;

(द) “राज्य” से हिमाचल प्रदेश राज्य अभिप्रेत हैं;

(ध) “राज्य सरकार” से हिमाचल प्रदेश सरकार अभिप्रेत हैं;

(न) “प्रतीक (चिन्ह)” से कोई प्रतीक (चिन्ह) अभिप्रेत है जिसे इन नियमों के अधीन किसी अभ्यर्थी को निर्वाचन लड़ने के लिए आवंटित किया जाए;

(प) “खजाना (कोष)” से राज्य सरकार का खजाना या उपखजाना अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत ऐसा बैंक भी है, जिसके माध्यम से ऐसे खजाना या उपखजाना का कारबाह किया जाता है; और

(फ) “वार्ड” से ऐसा वार्ड अभिप्रेत है, जिसके प्रतिनिधित्व के लिए इन नियमों के अधीन कोई पदाधिकारी निर्वाचित किया जाना है या निर्वाचित किया गया है।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में क्रमशः उनके हैं।

अध्याय—2

वार्डों का परिसीमन और आरक्षण

- 1. नगरपालिका का वार्डों में विभाजित किया जाना।**—नगरपालिका का निर्वाचन आयोजित करने हेतु सम्पूर्ण नगरपालिका क्षेत्र को वार्डों में विभाजित किया जाएगा।
- 2. वार्डों की सीमा।**—(1) जहां तक साध्य हो सम्पूर्ण नगरपालिका क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड की जनसंख्या समान होगी और प्रत्येक वार्ड क्षेत्रों में भौगोलिक रूप से संहत और समीपस्थ होगा और उसकी पहचान योग्य सीमाएं जैसे सड़कें, पथ, गलियाँ, मार्ग, सरिता (जलधारा), नहरें, नालियां, पुल, रेलवे लाईनें या ऐसे अन्य चिन्ह अथवा सीमाएं, जिन्हें आसानी से भिन्न किया जा सके, होंगी।

(2) प्रत्येक वार्ड सदैव ऐसी रीति में वर्णित और अधिसूचित किया जाएगा, जिससे इसकी सीमाएं धरातल पर स्पष्टतया अभिज्ञेय हों।

3. वार्डों का नाम और संख्या।—प्रत्येक वार्ड क्रमानुसार इसे दी गई क्रम संख्या से जाना जाएगा और इसे कोई नाम भी दिया जाएगा।

4. वार्डों का परिसीमन।—(1) जब राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अधिनियम की धारा 281 के अधीन कोई निदेश दिया गया हो, तो उपायुक्त, अधिनियम की धारा 10 के उपबन्धों के अनुसार नगरपालिका क्षेत्र को परिसीमन के लिए वार्डों में विभाजित करते हुए एक प्रस्ताव तैयार करेगा और ऐसे प्रत्येक वार्ड की सीमाएं परिभाषित करेगा तथा उसे अपने कार्यालय तथा नगरपालिका के कार्यालय में निरीक्षण के लिए रखेगा और ऐसे प्रस्ताव के सम्बन्ध में प्ररूप—1 में नोटिस जारी करेगा और ऐसी नोटिस को अपने कार्यालय और नगरपालिका के कार्यालय में चिपका कर निवासियों से लोक आक्षेप (पों) या सुझाव (वों) आंमन्त्रित करेगा।

(2) उपायुक्त, नोटिस जारी करते समय नगरपालिका क्षेत्र के निवासियों से दस दिन की अवधि के भीतर प्ररूप—2 में वार्ड के किसी भी निवासी से ऐसे प्ररूप परिसीमन प्रस्ताव के विषय में लिखित में आक्षेप या सुझाव मंगवाएगा।

5. आक्षेपों का निपटान।—उपायुक्त नियम 6 के अधीन आक्षेप (पों) या सुझाव (वों) यदि कोई हैं/हों, की प्राप्ति पर उसकी (उनकी) जांच करेगा और ऐसे आक्षेप या सुझाव करने वाले व्यक्ति को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात्, दस दिन की अवधि के भीतर उन्हें विनिश्चत करेगा।

6. अपील।—उपायुक्त के आदेश से व्यक्ति कोई व्यक्ति मण्डलायुक्त को ऐसे आदेश के पारित होने के दस दिन की अवधि के भीतर मण्डलायुक्त को अपील दायर कर सकेगा, जो अपील कर्ता (आवेदक) को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात्, दस दिन की अवधि के भीतर इसे विनिश्चत करेगा, और आदेश की संसूचना उपायुक्त द्वारा पारित आदेश अन्तिम होगा।

7. अन्तिम प्रकाशन।—(1) आक्षेप (आक्षेपों) या सुझाव (सुझावों) की सुनवाई करने और अन्तिम रूप से विनिश्चय करने के पश्चात्, इस प्रकार किए गए परिसीमन को, परिसीमन हेतु प्रस्ताव के प्रारंभिक प्रकाशन की तारीख से पैन्तालीस दिन की अवधि के भीतर इसकी एक प्रति उपायुक्त के कार्यालय, नगरपालिका के कार्यालय और ऐसे अन्य स्थानों पर, जैसे उपायुक्त विनिश्चत करे, चिपका कर, अन्तिम रूप दिया जाएगा तथा उसकी एक प्रति सरकार को भेजी जाएगी।

(2) उपायुक्त से अन्तिम परिसीमन आदेश की प्राप्ति पर, राज्य निर्वाचन आयोग, नगरपालिका के वार्डों का परिसीमन राजपत्र में अधिसूचित करेगा।

(3) अन्तिम रूप से परिसीमित इस आदेश की प्रतियाँ उपायुक्त और नगरपालिका के कार्यालय में निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगी। कोई भी मतदाता, उपायुक्त या नगरपालिका को उचित रसीद पर पचास रुपये का संदाय करने पर परिसीमन आदेश की प्रति प्राप्त कर सकता है और वह उसे तत्काल उपलब्ध करवाई जाएगी।

8. सदस्यों के स्थानों (सीट) का आरक्षण और चक्रानुक्रम।—(1) सदस्यों के लिए स्थानों (सीटों) के आरक्षण और चक्रानुक्रम के लिए प्रक्रिया, अधिनियम की धारा 281 के अधीन राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा इस निमित्त विहित की जाने वाली समय अनुसूची के अनुसार अपनाई जाएगी।

(2) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए, उनकी जन संख्या के अनुपात में स्थान आरक्षित किए जाएंगे। अनुसूचित जातियों की जन संख्या के अधिकतम प्रतिशतता वाले वार्ड में स्थान को अनुसूचित जातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित किया जाएगा और अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या के अधिकतम प्रतिशतता वाले वार्ड को अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित किया जाएगा।

(3) यदि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित किए जाने वाले स्थानों की संख्या एक से अधिक हो, तो अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की अगली अधिकतम जनसंख्या की प्रतिशतता वाले वार्ड को यथास्थिति, अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित किया जाएगा और इसी प्रकार क्रम चलता रहेगा :

परन्तु यदि नगरपालिका क्षेत्र में, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या का प्रतिशत, कुल जनसंख्या के पांच प्रतिशत से कम हो, तो उनके लिए कोई स्थान आरक्षित नहीं होगा।

(4) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित स्थानों में से आधे स्थान, यथास्थिति, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित महिला सदस्यों के लिए आरक्षित होंगे। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं के लिए, यथास्थिति, स्थानों का आरक्षण, लॉट निकाल कर किया जाएगा :

परन्तु यदि आरक्षित स्थानों की संख्या एक से अधिक नहीं है, तो यथास्थिति, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित पुरुषों और महिलाओं के लिए आरक्षण, प्रत्येक पांच वर्ष के पश्चात् अनुकल्पतः (बारी-बारी से) होगा :

परन्तु यह और कि यदि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों के लिए, यथास्थिति, आरक्षित स्थान दो हों, तो कम से कम एक वार्ड, यथास्थिति, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित महिला सदस्यों के लिए आरक्षित होगा।

(5) नगरपालिका में, नियम 3 के अधीन बनाए गए कुल वार्डों में से उप-नियम (4) के अधीन किए गए आरक्षण सहित, आधे स्थानों को महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा और इन स्थानों की संगणना करते समय विभाजन करने के पश्चात् यदि अतिशेष एक रह जाता है, तो प्रथम निर्वाचन में महिलाओं के लिए आरक्षित स्थानों को एक से बढ़ाया जाएगा तथा अगले निर्वाचन में इसे जोड़ा नहीं जाएगा और इसी प्रकार क्रम चलता रहेगा।

(6) जनसंख्या की प्रतिशतता के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित महिलाओं के लिए आरक्षित स्थान (सीट) आगामी निर्वाचन में परिवर्तित कर दिए जाएंगे और ऐसे अगले निर्वाचन के समय आगामी उच्चतम प्रतिशतता की जनसंख्या वाले वार्ड/वार्डों के स्थान (सीट) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों, जिसमें अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की महिलाएं भी सम्मिलित हैं, के लिए आरक्षित होंगे और पहले वाला आरक्षित स्थान, सामान्य वर्ग के सदस्यों के लिए अनारक्षित रखा जाएगा और पश्चात्वर्ती निर्वाचन के लिए यही कम चलता रहेगा।

स्पष्टीकरण:-इन नियमों के प्रयोजन के लिए सामान्य वर्ग से इस वर्ग से सम्बन्धित पुरुष या महिलाएं या दोनों अभिप्रेत होंगे।

(7) महिलाओं के लिए स्थानों का आरक्षण, यथास्थिति, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों, जिनमें अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित महिलाएं भी सम्मिलित हैं, के लिए आरक्षित स्थानों (सीटों) को अपवर्जित करने के पश्चात्, लॉट निकाल कर किया जाएगा।

(8) उपायुक्त, लॉट निकालने की तारीख, स्थान और समय को विनिर्दिष्ट करते हुए, तीन दिन का सुस्पष्ट नोटिस जारी करेगा और ऐसा नोटिस वह अपने कार्यालय और नगरपालिका के सूचना पट्ट पर विपक्षवाएगा और वह इसको नगरपालिका क्षेत्र में डोंडी पिटवा कर भी घोषित करवाएगा। लॉट, विनिर्दिष्ट तारीख, स्थान और समय को नगरपालिका क्षेत्र के कम से कम तीन विशिष्ट व्यक्तियों और सरकार के तीन राजपत्रित अधिकारियों की उपस्थिति में निकाला जाएगा।

(9) कोई भी वार्ड, दो क्रमवर्ती निर्वाचनों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित नहीं होगा।

(10) इन नियमों में अन्त्तिविष्ट किसी बात के होते हुए भी, स्थानों (सीटों) के आरक्षण का रोस्टर, इन नियमों के प्रारम्भ के पश्चात् आयोजित किए जाने वाले निर्वाचनों के लिए आरम्भिक प्रक्रम से ऐसे प्रवर्तित होगा, मानों उक्त निर्वाचन प्रथम बार संचालित किए जा रहे हों, इसके पश्चात् इस नियम के अधीन स्थानों का आरक्षण नगरपालिका के विभिन्न वार्डों को चक्रानुक्रमित किया जाएगा।

(11) उपायुक्त द्वारा किए गए आरक्षण का, ऐसे आरक्षण के आदेश की प्रति अपने और नगरपालिका के कार्यालय के सूचना पट्ट में चिपकाते हुए, व्यापक प्रचार किया जाएगा और वह उसकी एक प्रति सरकार को भी भेजेगा।

9. आयोग को रिपोर्ट देना।—सरकार, इसके द्वारा किए गए अंतिम आरक्षण आदेश की प्रति, निर्वाचन आयोग को तुरंत परिदत्त करवाएगी।

अध्याय—3

नगरपालिकाओं में अध्यक्षों के पद का आरक्षण और चक्रानुक्रम

1. नगरपालिकाओं में अध्यक्षों के पद का आरक्षण और चक्रानुक्रम।—(1) राज्य सरकार या इस निमित्त इसके द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी, नगरपालिका के प्रत्येक निर्वाचन से पूर्व अधिनियम की धारा 12 के उपबन्धों के अनुसार, राज्य में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाने वाले नगरपालिकाओं के अध्यक्षों के पदों की संख्या अवधारित करेगी।

(2) अध्यक्षों के पदों के आरक्षण के प्रयोजन के लिए सामान्य वर्ग (प्रवर्ग), अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं की जनसंख्या गणना में ली जाएगी।

(3) राज्य में नगरपालिका के अध्यक्षों के पद अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए, राज्य में उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षित किए जाएंगे। अनुसूचित जातियों की जनसंख्या के अधिकतम प्रतिशतता वाली नगरपालिका को अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित किया जाएगा और अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या के अधिकतम प्रतिशतता वाली नगरपालिका को अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित किया जाएगा।

(4) यदि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित किए जाने वाले पदों की संख्या एक से अधिक है, तो अगली अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की अधिकतम जनसंख्या की प्रतिशतता वाली नगरपालिका को, यथास्थिति, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित किया जाएगा और इसी प्रकार क्रम चलता रहेगा।

(5) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित पदों में से आधे पद, यथास्थिति, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे और राज्य में यथास्थिति, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित महिलाओं की अधिकतम जनसंख्या की प्रतिशतता वाली नगरपालिका को ऐसी महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा।

(6) यदि, यथास्थिति, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित महिलाओं के लिए आरक्षित पदों की संख्या एक से अधिक है तो, यथास्थिति, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित महिलाओं की अगली अधिकतम जनसंख्या की प्रतिशतता वाली नगरपालिका को, ऐसी महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाएगा और इसी प्रकार क्रम चलता रहेगा।

(7) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों (अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति से सम्बन्धित महिलाओं सहित) के लिए आरक्षित पदों को अपवर्जित करके कुल पदों में से आधे पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए जाएंगे और अगली अधिकतम महिला जनसंख्या की प्रतिशतता वाली नगरपालिका को, इसी प्रकार सामान्य वर्ग (प्रवर्ग) से सम्बन्धित महिलाओं के लिए आरक्षित रखा जाएगा और इसी प्रकार क्रम चलता रहेगा।

(8) जनसंख्या की प्रतिशतता के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों और सामान्य वर्ग से सम्बन्धित महिलाओं के लिए आरक्षित पद प्रथम निर्वाचन की तारीख से प्रत्येक पाँच वर्ष के पश्चात चक्रानुचक्रित किए जाएंगे। ठीक तत्काल आगामी निर्वाचन के समय अगली अधिकतम जनसंख्या की प्रतिशतता वाली नगरपालिका को अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की महिलाओं और सामान्य वर्ग की महिलाओं सहित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों के लिए आरक्षित किया जाएगा और इसी प्रकार आगामी निर्वाचन के लिए पूर्वतर में आरक्षित पद को सामान्य (वर्ग) प्रवर्ग के सदस्यों के लिए खुला रखा जाएगा :

परन्तु किसी विशिष्ट वर्ग के लिए किसी पद के आरक्षण को तब तक दोहराया नहीं जाएगा, जब तक कि समस्त अन्य पद चक्रानुक्रम द्वारा भरे नहीं जाते।

(9) अधिनियम की धारा 12 की उप धारा (4) के अधीन जहाँ नगरपालिकाओं में अध्यक्ष के पद पिछड़े वर्गों से सम्बन्धित व्यक्ति या पिछड़े वर्गों के सम्बन्धित महिलाओं के लिए आरक्षित हैं वहाँ इस नियम के पूर्वगामी उप-नियम के उपबंध, जहाँ तक कि यह धारा 12 की उपधारा (4) के उपबंधों से असंगत नहीं हैं, यथावश्यक परिवर्तनों सहित, वैसे ही लागू होंगे जैसे यह पदों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं के लिए आरक्षण और चक्रानुक्रम के सम्बन्ध में लागू होते हैं।

(10) इस नियम के अधीन किए गए आरक्षण को राज्य सरकार द्वारा या इस निमित्त उस द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा अन्तिम रूप दिया जाएगा और ऐसे आरक्षण के आदेश की एक प्रति को अपने नगरपालिका, जिला और तहसील कार्यालय के सूचना पट्ट पर चिपका कर इसका व्यापक प्रचार किया जाएगा।

(11) जहाँ राज्य सरकार द्वारा आरक्षण का आदेश जारी नहीं किया गया है, वहाँ अधिकारी, जिसने आदेश जारी किया है, उसकी प्रति राज्य सरकार को भेजेगा। राज्य सरकार, चाहे आदेश इस द्वारा जारी किया है या ऐसे अधिकारी द्वारा जारी आदेश की प्रति की प्राप्ति पर, आरक्षण के आदेश को राजपत्र में प्रकाशित करवाएगी और इस प्रकार जारी अधिसूचना, राज्य में अध्यक्षों के पदों के आरक्षण का निश्चायक साक्ष्य होगी।

2. आयोग को रिपोर्ट।—राज्य सरकार, इसके द्वारा किए गए अध्यक्ष के पद के अंतिम आरक्षण और चक्रानुक्रम की बावत आदेश की प्रति, आयोग को तत्काल उपलब्ध करवाएगी।

अध्याय—4

निर्वाचक नामावलियाँ

1. प्रत्येक वार्ड के लिए निर्वाचक नामावली।—(1) नगरपालिका के प्रत्येक वार्ड या मतदान केन्द्र के लिए निर्वाचक नामावली होगी, जो निर्वाचक रजिस्टीकरण प्राधिकारी द्वारा, आयोग के अधीक्षण, निर्देश और नियन्त्रण के अधीन नियम 15 से 28 में विनिर्दिष्ट रीति में तैयार की जाएगी:

परन्तु इस नियम की कोई भी बात, इन नियमों के अधीन निर्वाचन के लिए प्रारूप नामावली तैयार करने के लिए विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की चालू निर्वाचक नामावली के किसी सुसंगत भाग के प्रयोग को निवारित नहीं करेगी :

परन्तु यह और कि राज्य निर्वाचन आयोग, अपने स्वविवेकानुसार इन नियमों के अधीन निर्वाचन हेतु प्रारूप निर्वाचन नामावली तैयार करने के लिए, भारत निर्वाचन आयोग के डाटा बेस का उपयोग कर सकेगा।

(2) निर्वाचक नामावली हिन्दी देवनागरी लिपि में, ऐसे प्रारूप में और ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की जाएगी, जैसा राज्य आयोग द्वारा निर्देशित किया जाए।

2. निर्वाचक नामावली का तैयार किया जाना।—जब आयोग द्वारा नियम 14 के अधीन निर्देश किया गया हो, तो निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, इन नियमों के अनुसार नगरपालिका के प्रत्येक वार्ड या उसके भाग के लिए निर्वाचक नामावली तैयार करेगा।

3. निर्वाचक नामावलियों में रजिस्ट्रीकरण के लिए निरहता।—(1) कोई व्यक्ति निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकरण के लिए निरहित होगा, यदि वह :—

(क) भारत का नागरिक नहीं है ; या

(ख) विकृत चित है और सक्षम न्यायालय द्वारा इस रूप में घोषित किया गया है ; या

(ग) नगरपालिकायों या विधान सभा या संसद के निर्वाचनों के सम्बन्ध में भ्रष्ट आचरण या अन्य अपराध के लिए विधि के अधीन इस सम्बन्ध में कुछ समय के लिए मतदान के लिए निरहित किया गया हो ; या

(घ) यथास्थिति, किसी अन्य नगरपालिका या ग्राम सभा में निर्वाचक के रूप में पहले से ही रजिस्ट्रीकृत है।

4. रजिस्ट्रीकरण के लिए शर्त।—प्रत्येक व्यक्ति जो,—

(क) अर्हता की तारीख को अठारह वर्ष की आयु से कम का न हों, और

(ख) साधारणतया किसी वार्ड का निवासी हो, उस वार्ड की निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए हकदार होगा :

परन्तु कोई व्यक्ति नगरपालिका के केवल एक वार्ड के लिए निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए हकदार होगा।

स्पष्टीकरण।—इस नियम के प्रयोजन के लिए :—

(i) कोई व्यक्ति, केवल इस आधार पर किसी वार्ड का “साधारणतया निवासी” नहीं समझा जाएगा कि इस वार्ड में उसके स्वामित्व और कब्जे में रिहायशी मकान है ; और

(ii) किसी व्यक्ति का साधारणतया निवासी बने रहना केवल इस कारण समाप्त नहीं समझा जाएगा, कि वह अस्थायी रूप से अपने साधारण निवास के स्थान से अनुपस्थित है।

5. मिथ्या घोषणा करना।—यदि कोई व्यक्ति,—

(क) किसी निर्वाचक नामावली को तैयार करने, पुनरीक्षण करने या ठीक करने, के सम्बन्ध में;

(ख) किसी निर्वाचक नामावली में या से किसी प्रविष्टि को सम्मिलित करने या अपवर्जित करने के सम्बन्ध में, या

(ग) लिखित में किसी कथन या घोषणा के सम्बन्ध में जो मिथ्या है और जो या तो उसकी जानकारी में मिथ्या है या जिसके मिथ्या होने का उसे विश्वास है या जिसके सही होने पर, उसे विश्वास नहीं है, के सम्बन्ध में मिथ्या घोषणा करता है,

तो वह कारावास से जिसकी अवधि एक वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से दण्डनीय होगा।

6. निर्वाचक नामावली प्रारूप का प्रकाशन।—(1) जैसे ही किसी वार्ड की निर्वाचक नामावली का प्रारूप तैयार हो जाता है, तो निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी इसके प्रारूप को आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार प्ररूप-3 में नोटिस के साथ प्रकाशित करेगा और इसकी प्रतियां अपने कार्यालय की कार्यालय बैबसाइट में, सम्बद्ध नगरपालिका और तहसील के कार्यालय में निरीक्षण के लिए उपलब्ध करवाएगा।

(2) उप नियम (1) के अधीन नोटिस का आफिशियल बैबसाइट द्वारा उस क्षेत्र में अधिक परिचालन वाले समाचार पत्रों द्वारा, आल इण्डियां रेडियो द्वारा, नगर में डोडी पिटवाकर और ऐसे नोटिस की प्रतियां अपने कार्यालय में और नगरपालिका और सम्बद्ध तहसील के कार्यालय में तथा ऐसे अन्य सहज दृष्ट रथानों पर, जहां सर्व साधारण की पहुँच हो, चिपकाकर व्यापक प्रचार किया जाएगा। नोटिस में ऐसी तारीख, जब तक आक्षेप या दावे दायर किए जा सकेंगे और वे प्राधिकारी या प्राधिकारियों जिन्हें आक्षेप और दावे प्रस्तुत किए जा सकेंगे, अन्तर्विष्ट होंगे।

7. दावों और आक्षेपों को दाखिल करने की अवधि।—निर्वाचक नामावली में नाम शामिल करने के लिए प्रत्येक दावा और उसमें प्रविष्टि के विषय में प्रत्येक आक्षेप, नियम 19 के अधीन प्रारूप निर्वाचक नामावली के प्रकाशन की तारीख से दस दिन की अवधि के भीतर या ऐसी अवधि के भीतर, जैसी आयोग द्वारा नियत की जाए, दाखिल किया जाएगा।

8. पुनरीक्षण प्राधिकारियों की नियुक्ति।—निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, वार्ड या वार्डों की निर्वाचन नामावलियों के सम्बन्ध में दावों और आक्षेपों की सुनवाई के प्रयोजन के लिए एक या एक से अधिक पुनरीक्षण प्राधिकारी (प्राधिकारियों) को नियुक्त कर सकेगा। इन नियुक्तियों का, जब भी यह की जाएं, व्यापक प्रचार किया जाएगा और इन्हें आफिशियल बैबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

9. दावों और आक्षेपों को दाखिल करने की रीति।—(1) दावा या आक्षेप, नियम 21 में निर्दिष्ट नोटिस मे विनिर्दिष्ट पुनरीक्षण प्राधिकारी को सम्बोधित किया जाएगा और व्यक्तिगत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा या रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा। निर्वाचक नामावली में, नाम शामिल करने के लिए प्रत्येक दावा, नाम शामिल करने की बाबत आक्षेप या किसी प्रविष्टि की विशिष्टियों के बारे में आक्षेप, यथास्थिति, क्रमशः प्ररूप 4, 5 या 6 में किया जाएगा।

(2) निर्वाचन नामावली में अपना नाम शामिल करवाने के इच्छुक व्यक्ति द्वारा दावा हस्ताक्षरित किया जाएगा और ऐसे अन्य व्यक्ति द्वारा, जिसका नाम उस निर्वाचक नामावली में पहले से ही शामिल है जिसमें दावेदार अपना नाम शामिल करवाने का इच्छुक है, प्रतिहस्ताक्षरित किया जाएगा और यदि उसे डाक द्वारा नहीं भेजा जाता, तो दावेदार स्वयं या उसके द्वारा इस निमित्त लिखित में प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) कोई भी व्यक्ति निर्वाचक नामावली में कोई नाम शामिल करने बारे में तब तक आक्षेप नहीं करेगा, जब तक कि उसका नाम पहले से ही नगरपालिका की निर्वाचक नामावली में शामिल न हो।

(4) पुनरीक्षण प्राधिकारी दावों का प्ररूप-7 में, नाम शामिल करने के प्रति आक्षेपों का प्ररूप-8 में, और किसी प्रविष्टि के विशिष्टियों के प्रति आक्षेपों का प्ररूप-9 में रजिस्टर रखेगा और उसमें, यथास्थिति, उनकी प्राप्ति का समय, प्रत्येक दावे या आक्षेप की विशिष्टिया दर्ज करेगा।

(5) कोई दावा या आक्षेप, जो विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर या इसमें विनिर्दिष्ट रीति में दाखिल नहीं किया जाता है, अस्वीकृत किया जाएगा और विनिश्चय, यथास्थिति, प्ररूप-7, 8 और 9 में तैयार किए गए रजिस्टर में अभिलिखित किया जाएगा।

10. दावों और आक्षेपों का नोटिस।—(1) जहां नियम 22 के उपनियम (5) के अधीन किसी दावे या आक्षेप को अस्वीकृत नहीं किया गया है, वहां पुनरीक्षण प्राधिकारी दावों और आक्षेपों को प्रस्तुत करने और आक्षेप (आक्षेपों) को करने की विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के पश्चात् अपने कार्यालय के सूचना पट्ट पर, समस्त दावों या आक्षेपों की सूची, यथास्थिति, प्ररूप-10, 11 और 12 में प्रदर्शित करेगा।

(2) प्रत्येक दावेदार और आक्षेप कर्ता को ऐसे दावे या आक्षेप की सुनवाई के स्थान, तारीख और समय के विषय में सूचना (नोटिस) दी जाएगी और उसे, यथास्थिति, प्ररूप-13, 14 और 16 में ऐसे साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा जाएगा, जिन्हें वह प्रस्तुत करना चाहता हो।

(3) कोई व्यक्ति जिसके विरुद्ध निर्वाचन नामावली में उसका नाम शामिल किए जाने या उससे नाम हटाए जाने के विषय में पुनरीक्षण प्राधिकारी द्वारा आक्षेप प्राप्त किया गया है, को प्ररूप-15 में, उसके अन्तिम ज्ञात निवास स्थान पर, आक्षेप की सुनवाई के लिए नियत तारीख स्थान और समय के विषय में नोटिस दिया जाएगा और उसे ऐसा साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा जाएगा, जो वह अपने प्रतिवाद में प्रस्तुत करना चाहता है।

11. दावों और आक्षेपों का निपटान।—(1) पुनरीक्षण प्राधिकारी, नियम 22 के उपबन्धों के अधीन नियत तारीख, समय और स्थान पर, इन नियमों के उपबन्धों के अधीन दावों और आक्षेपों की सुनवाई और विनिश्चय, दस दिन के भीतर करेगा, और वह अपने विनिश्चय को रजिस्टरों में, यथास्थिति, प्ररूप-7, 8 या 9 में अभिलिखित करेगा।

(2) आक्षेप से सम्बन्धित आदेश की प्रति, दावेदार को 25/-रुपए के संदाय पर, उचित रसीद पर, दी जाएगी।

(3) उपनियम (1) के उपबन्धों के अधीन पारित आदेश से व्यक्ति कोई व्यक्ति, आदेश की तारीख से सात दिन के भीतर, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को अपील कर सकेगा, जो उसे सात दिन के भीतर विनिश्चित करेगा।

(4) यदि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को ऐसा प्रतीत होता है कि प्रारूप निर्वाचक नामावली की तैयारी के दौरान, अनजाने में या त्रुटि से निर्वाचकों के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल करने से छूट गए हैं, या मृत व्यक्ति या व्यक्तियों के नाम या उन व्यक्तियों के नाम, जो वार्ड या उसके भाग के प्रायः निवासी नहीं रहे हैं या निवासी नहीं हैं, निर्वाचक नामावली में शामिल कर लिए गए हैं या कतिपय निर्वाचक गलत वार्ड या मतदान केन्द्र में दर्शाए गए हैं, और इस उप नियम के अधीन उपचारी कार्वाई की जानी अपेक्षित है, तो वह प्रारूप निर्वाचक नामावली के प्रकाशन की तारीख से तीन दिन के भीतर,—

(क) ऐसे निर्वाचकों के नाम और अन्य विशिष्टियों की सूची तैयार करेगा और जहां कहीं भी शुद्धि कार्यान्वयित करना अपेक्षित हो, प्रस्ताव को अनुज्ञा प्राप्त करने हेतु उसी दिन आयोग को प्रस्तुत करेगा;

(ख) आयोग से अनुज्ञा प्राप्त करने के पश्चात, अपने कार्यालय के सूचना पट्ट पर, निर्वाचक नामावली में नाम शामिल करने या निर्वाचक नामावली से नाम हटाए जाने पर विचार करने की तारीख (तारीखें) और स्थान (स्थानों) का नोटिस सूची की प्रति सहित प्रदर्शित करेगा; और

(ग) प्रस्तुत किए जाने वाले किसी मौखिक या लिखित आक्षेप पर विचार करने के पश्चात् सभी या किन्हीं नामों को निर्वाचक नामावली में शामिल करने या उस में से हटाने का विनिश्चय करेगा।

12. निर्वाचक नामावली का अन्तिम प्रकाशन।—(1) पुनरीक्षण प्राधिकारी जैसे ही उसे प्रस्तुत किए गए सभी दावों या आक्षेपों का निपटान कर देता है, तो वह ऐसे दावों या आक्षेपों के रजिस्टर और उसके द्वारा उन पर पारित आदेशों सहित, उन्हें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को अग्रेषित करेगा, जो, यथास्थिति, ऐसे आदेशों या नियम 24 के उप-नियम (3) के अधीन, उस द्वारा अपील में पारित आदेशों और नियम 24 के उप-नियम (4) के परिणामस्वरूप शुद्धियों के अनुसार निर्वाचक नामावली को सही करेगा, और अन्तिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन आयोग द्वारा नियत तारीख को, निरीक्षण के लिए उनकी पूर्ण प्रति उपलब्ध करते हुए, प्रकाशित करेगा और उसका नोटिस प्ररूप-17 में अपने कार्यालय और नगरपालिका के और सम्बद्ध तहसील के कार्यालय में भी प्रदर्शित करेगा। अन्तिम रूप से प्रकाशित की गई निर्वाचक नामावली कार्यालय बैबसाइट पर अपलोड की जाएगी।

(2) ऐसे प्रकाशन पर, संशोधित निर्वाचक नामावली, वार्ड या उसके भाग की निर्वाचक नामावली होगी और इस नियम के अधीन इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगी।

(3) निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, उसके पश्चात, ऐसे साधारण या विशेष निदेशों, जैसे आयोग द्वारा दिए जाएं, के अध्यधीन, अन्तिम रूप से प्रकाशित, नामावली की एक प्रति निशुल्क, प्रत्येक राजनैतिक दल को देगा, जिसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा, कोई चिन्ह (प्रतीक) अनन्यतः आरक्षित रखा गया है।

13. निर्वाचक नामावलियों का विशेष पुनरीक्षण।—नियम 25 में किसी बात के होते हुए भी, आयोग, किसी भी समय, ऐसी रीति में, जैसी वह उचित समझे, कारणों को लिखित में अभिलिखित करके, किसी नगरपालिका के लिए विशेष पुनरीक्षण का निदेश दे सकेगा:

परन्तु इन नियमों के अन्य उपबन्धों के अध्यधीन, ऐसे किसी निदेश के जारी होने के समय, नगरपालिका के लिए प्रवृत्त निर्वाचक नामावलियां, ऐसे निदेश के अधीन विशेष पुनरीक्षण के पूरा होने तक प्रवृत्त रहेंगी।

14. निर्वाचन नामावली में प्रविष्टियों को ठीक करना।—(1) यदि किसी स्तर पर, प्ररूप-18 में किए गए किसी आवेदन पर, आयोग को प्रतीत होता है या उसके ध्यान में लाया जाता है, कि अनवधानता या गलती से निर्वाचन नामावली तैयार करने के दौरान पात्र व्यक्तियों के नाम निर्वाचक नामावली से छूट गए हैं या मृत व्यक्तियों के नाम या उन व्यक्तियों, जो वार्ड या उसके किसी भाग में निवासी नहीं रह गए हैं या साधारणतयः निवासी नहीं हैं, के नाम भी निर्वाचन नामावली में सम्मिलित किए गए हैं अथवा कतिपय मतदाता गलत वार्ड या मतदान केन्द्र में दर्शाए गए हैं और इस उप नियम के अधीन उपचारी कार्रवाई की जानी अपेक्षित है तो वह निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को निम्नलिखित करने के लिए निदेशित करेगा :

- (क) ऐसे निर्वाचकों के नाम और अन्य विशिष्टियों की सूची तैयार करना ;
- (ख) उसके कार्यालय के सूचना पट्ट और कार्यालय आफिशियल बैबसाइट पर उस तारीख(ों) और स्थान (नों) जिन पर निर्वाचन नामावली में नामों को सम्मिलित किए जाने या निर्वाचन नामावली से नामों को हटाए जाने के मामले पर विचार किया जाएगा, के नोटिस के साथ-साथ सूची की प्रति प्रदर्शित करना, और
- (ग) किसी मौखिक या लिखित आक्षेप, जो प्रस्तावित किया जाए, पर विचार करने के पश्चात, यह विनिश्चित करना कि निर्वाचन नामावली में से किसी नाम को सम्मिलित किया जाए या हटाया जाए:

परन्तु नियम 35 के अधीन निर्वाचन कार्यक्रम के प्रकाशन के पश्चात् आयोग को ऐसा आवेदन नामांकन पत्र दाखिल करने की अन्तिम तारीख से आठ दिन पूर्व तक किया जाएगा।

(2) नामांकन करने की अन्तिम तारीख को या पश्चात् किसी प्रविष्टि में कोई संशोधन, क्रम परिवर्तन या लोप नहीं किया जाएगा, जब तक निर्वाचन प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती।

15. अन्तिम रूप से प्रकाशित निर्वाचक नामावली में नामों का सम्मिलित करना।—(1) कोई भी व्यक्ति, जिसका नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित नहीं है, निर्वाचक नामावली में अपना नाम सम्मिलित करवाने के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्ररूप—4 (द्विप्रतिक में) में आवेदन करेगा और ऐसा आवेदन पचास रूपए की नकद में फीस सदत्त किए जाने की रसीद के साथ किया जाएगा:

परन्तु ऐसा आवेदन, नियम 35 के अधीन निर्वाचन कार्यक्रम प्रकाशित हो जाने के पश्चात्, नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए अन्तिम तारीख से आठ दिन अपश्चात् तक किया जाएगा।

(2) निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, उप नियम (1) के अधीन आवेदन की प्राप्ति पर तुरन्त उसकी एक प्रति अपने कार्यालय में सहज दृश्य स्थान पर चिपकाएगा और ऐसे चिपकाए जाने की तारीख से चार दिन की अवधि के भीतर इससे सम्बन्धित आक्षेप आमन्त्रित करेगा।

(3) निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, उप नियम (2) के अधीन नोटिस में विनिर्दिष्ट अवधि के अवसान के पश्चात् यथाशक्य शीघ्र, उस द्वारा प्राप्त हुए आक्षेपों पर, यदि कोई हों, विचार करेगा, और यदि उसका समाधान हो जाता है कि आवेदक निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत (दर्ज) किए जाने का हकदार है, तो वह तदनुसार ऐसे नाम को उसमें सम्मिलित करने का निदेश देगा :

परन्तु यदि आवेदक, जिसका नाम सम्मिलित करने का आदेश दिया गया है, पहले से ही किसी अन्य नगरपालिका या ग्राम सभा के वार्ड या उसके भाग की निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत (दर्ज) है, तो ऐसा नाम उस निर्वाचक नामावली से हटा दिया जाएगा।

(4) जहां उप नियम (1) के अधीन किया गया आवेदन अस्वीकृत कर दिया जाता है, तो व्यक्ति नाम सम्मिलित करने या हटाने के लिए किए गए आवेदन की अस्वीकृति की तारीख से दस दिन की अवधि के भीतर, मण्डलायुक्त को अपील कर सकेगा और अपील पचास रूपए की नकद के फीस सदत्त किए जाने की रसीद के साथ की जाएगी। मण्डलायुक्त, सम्बद्ध पक्ष को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात्, सात दिन की अवधि के भीतर अपील का विनिश्चय करेगा और ऐसी अपील में पारित आदेश अन्तिम होगा।

(5) निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक, नामांकन करने के लिए अन्तिम तारीख को या तत्पश्चात्, किसी प्रविष्टि का संशोधन, क्रम परिवर्तन या लोप नहीं किया जाएगा।

16. निर्वाचक नामावली और उससे सम्बन्धित कागजातों की अभिरक्षा और परिरक्षण।—(1) किसी वार्ड के लिए निर्वाचक नामावली अन्तिम रूप से प्रकाशित हो जाने के पश्चात् निम्नलिखित कागजपत्र, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय या आयोग के आदेश द्वारा विनिर्दिष्ट ऐसे अन्य स्थान पर निर्वाचक नामावलियों के आगामी पुनरीक्षण के अन्तिम प्रकाशन के पश्चात् एक वर्ष के अवसान तक रखे जाएंगे :

- (क) निर्वाचक नामावली की पूर्ण अतिरिक्त प्रतियां ;
- (ख) नियम 24 के अधीन दावों और आक्षेपों तथा आदेशों से सम्बन्धित कागजात;
- (ग) नियम 27 तथा 28 के अधीन आवेदन तथा उन पर विनिश्चय;
- (घ) नियम 28 के उप—नियम (4) के अधीन अपील सम्बन्धी कागजात ; और
- (ङ) प्रगणना अभिकरणों द्वारा तैयार की गई पाण्डुलिपियां और अन्य कागजात, यदि कोई हों, और निर्वाचक नामावली का संकलन करने के लिए प्रयुक्त।

(2) निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा सम्यक् रूप से अधि-प्रमाणित, प्रत्येक वार्ड की निर्वाचक नामावली की एक पूर्ण प्रति, जिला के उपायुक्त की अभिरक्षा में भी रखी जाएगी, जब तक नई निर्वाचक नामावली अन्तिम रूप से प्रकाशित नहीं कर दी जाती।

17. निर्वाचक नामावलियों और उनसे सम्बन्धित कागज-पत्रों का निरीक्षण—प्रत्येक व्यक्ति को, नियम 29 के अधीन निर्वाचक नामावली का निरीक्षण करने और नकद में, उचित रसीद पर, दस रुपए प्रतिपृष्ठ या उसके किसी भाग के लिए संदर्भ किए जाने पर, अनुप्रमाणित प्रति प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त होगा।

18. निर्वाचक नामावलियों और सम्बन्धित कागजातों का निपटारा—नियम 29 के अधीन कागजात का, उनमें विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पश्चात्, ऐसी रीति में निपटान किया जाएगा, जैसा आयोग निर्देश दे।

अध्याय—5

अधिकारी और उनके कर्तव्य

1. अधिकारी और उनके कर्तव्य—(1) आयोग, जिला के उपायुक्त या ऐसे अन्य अधिकारी को, जैसा वह उचित समझे, जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरपालिकाएं) नियुक्त करेगा।

(2) आयोग, नगरपालिकाओं के निर्वाचनों की बाबत रिटर्निंग अधिकारी की नियुक्ति करेगा :

परन्तु आयोग, प्रत्येक नगरपालिका की बाबत उतने सहायक रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति कर सकेगा जितने रिटर्निंग अधिकारी के समस्त या किन्हीं कर्तव्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक हो।

(3) इन नियमों या तद्धीन किए गए आदेशों में उपबन्धित रीति में निर्वाचन को प्रभावशाली ढग से संचालित करने के लिए यथा आवश्यक ऐसे समस्त कार्य तथा कार्रवाई करना रिटर्निंग अधिकारी का कर्तव्य होगा।

(4) रिटर्निंग अधिकारी, प्रत्येक वार्ड के लिए मतदान केन्द्रों की इतनी संख्या नियत करेगा, जितने वह आवश्यक समझें और इस निर्मित नियम 35 के उप-नियम (2) के खण्ड (ट) के अधीन आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट तारीख को अपने कार्यालय में तथा नगरपालिका के कार्यालय में उसकी सूची की एक प्रति चिपकाएगा, जिसमें मदतदान क्षेत्र स्पष्ट रूप में दर्शाए गए हों :

परन्तु कोई भी मतदान केन्द्र, पुलिस स्टेशन, अस्पताल या सम्प्रदाय अथवा धार्मिक महत्व के स्थान पर स्थित नहीं होगा:

परन्तु यह और कि जहां तक सम्भव हों, मतदान केन्द्र सरकारी या अर्धसरकारी या नगरपालिका भवनों में स्थित होगा और यदि ऐसा कोई भवन उपलब्ध न हो, तो मतदान केन्द्र किसी अस्थायी निर्मिति में स्थित होगा।

2. मतदान कर्मियों की नियुक्ति—(1) रिटर्निंग अधिकारी, प्रत्येक मतदान केन्द्र की बाबत पीठासीन अधिकारी और उतनी संख्या में मतदान अधिकारी नियुक्त करेगा, जितने वह इसके लिए आवश्यक समझे :

परन्तु यदि मतदान अधिकारी मतदान केन्द्र से अनुपस्थित हो, तो पीठासीन अधिकारी किसी भी सरकारी या अर्धसरकारी या नगरपालिका कर्मचारी को, जो मतदान केन्द्र में उपस्थित है, पूर्ववर्ती मतदान अधिकारी की अनुपस्थिति की अवधि के दौरान, मतदान अधिकारी नियुक्त कर सकेगा और तब तदानुसार रिटर्निंग अधिकारी को सूचित करेगा।

(2) यदि पीठासीन अधिकारी, अस्वस्थता या किसी अन्य अपरिहार्य हेतुक से मतदान केन्द्र से अनुपस्थित हो, तो उसका कार्य ऐसे मतदान अधिकारी द्वारा निष्पादित किया जाएगा, जिसे रिटर्निंग अधिकारी ने ऐसी अनुपस्थिति में कार्य करने के लिए प्राधिकृत किया हो।

3. उपायुक्त और अन्य अधिकारियों/कर्मचारिवृन्द के कर्तव्य।—(1) उपायुक्त/जिला मजिस्ट्रेट और अन्य अधिकारी/कर्मचारिवृन्द, इन नियमों या तद्धीन किए गए आदेशों में उपबंधित रीति में, आयोग के पर्यवेक्षण और नियन्त्रण के अध्यधीन, समस्त ऐसे कृत्य या बात करेंगे जो निर्वाचनों को प्रभावशाली ढंग से संचालित करने के आवश्यक हों।

(2) निर्वाचनों के लिए निर्वाचन नामावलियों की तैयारी, पुनरीक्षण और शुद्धि करने और ऐसे निर्वाचनों का संचालन करने के सम्बन्ध में नियोजित जिला निर्वाचन अधिकारी, (नगरपालिकाएं) रिटर्निंग अधिकारी और अधिकारी या कर्मचारिवृन्द, उस अवधि में जिसके दौरान उन्हें इस प्रकार नियोजित किया जाता है, आयोग में प्रतिनियुक्ति पर समझे जाएंगे और ऐसे अधिकारी और कर्मचारिवृन्द, उस अवधि के दौरान आयोग के नियन्त्रण, अधीक्षण और अनुशासन के अध्यधीन होंगे।

(3) आयोग, नगरपालिका या नगरपालिकाओं के किसी समूह में निर्वाचन के संचालन का निरीक्षण करने और ऐसे अन्य कृत्यों, जो राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा उसे सौंपे जाएं, का अनुपालन करने के लिए सरकार के किसी अधिकारी को प्रेक्षक के रूप में नामनिर्दिष्ट कर सकेगा।

(4) उप नियम (3) के अधीन नामनिर्दिष्ट प्रेक्षक को नगरपालिका या नगरपालिकाओं के समूह जिस के लिए उसे नाम निर्दिष्ट किया गया है, के रिटर्निंग अधिकारी को किसी भी समय परिणाम की घोषणा करने से पूर्व मतगणना को रोकने या परिणाम घोषित न करने के निवेश देने की शक्ति होगी यदि प्रेक्षक की राय में बड़ी संख्या में मतदान केन्द्रों पर या मतदान या मतगणना के लिए नियत स्थानों पर बूथ हथियाने की घटना हुई है, या मतगणना केन्द्र या मतगणना के लिए नियत किसी अन्य स्थान पर प्रयुक्त मतपत्र को, रिटर्निंग अधिकारी की अभिरक्षा से विधि विरुद्ध ले जाया गया है या जानबूझ कर या गलती से नष्ट कर दिया है या गुम हो गए है या उन्हें उस विस्तार तक नुकसान पहुंचाया गया है या छेड़छाड़ कर दी है कि उस मतदान केन्द्र या स्थान पर मतों का परिणाम प्राप्त नहीं किया जा सकता :

परन्तु जहां इस उप नियम के अधीन प्रेक्षक ने, मतों की गणना को रोकने या परिणाम को घोषित न करने के लिए रिटर्निंग अधिकारी को निवेशित किया है, वहां प्रेक्षक आयोग को तत्काल मामले की रिपोर्ट करेगा और उस पर आयोग, समस्त तात्विक परिस्थितियों को ध्यान में लेते हुए उचित निवेश जारी करेगा।

अध्याय—6

निर्वाचनों का संचालन

1. निर्वाचन कार्यक्रम।—(1) आयुक्त नगरपालिका के साधारण निर्वाचनों के लिए कार्यक्रम या किसी नगरपालिका में किसी आकर्षिक रिक्ति को भरने के लिए या ऐसी नगरपालिका के निर्वाचन के लिए जो विधित कर दी गई हो, के लिए कार्यक्रम (जिसे इसमें इसके पश्चात् “निर्वाचन कार्यक्रम” कहा गया है) तैयार करेगा।

(2) निर्वाचन कार्यक्रम में ऐसी तारीख/तारीखों विनिर्दिष्ट होंगी जिनमें या जिनके भीतर :—

- (i) नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे ;
- (ii) नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी ;
- (iii) अभ्यर्थी अपनी अभ्यर्थिता वापिस ले सकेगा ;

- (iv) निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची लगाई जाएगी ;
- (v) मतदान केन्द्रों की सूची चिपकाई जाएगी ;
- (vi) मदतान, यदि आवश्यक हो,.....बजे पूर्वाहन से.....बजे अपराह्न तक होगा (मतदान का समय छह घण्टे से कम नहीं होगा) ;
- (vii) मतदान की स्थिति में गणना.....पर (उसका स्थान, तारीख और समय विनिर्दिष्ट करें); और
- (viii) निर्वाचन का परिणाम घोषित किया जाएगा।

(3) निर्वाचन कार्यक्रम, नामांकन पत्रों को दाखिल करने की तारीख से सात दिन पूर्व उपायुक्त, तहसील और नगरपालिका के कार्यालय और नगरपालिका में ऐसे अन्य सहजदृष्ट्य स्थानों में, जो उपायुक्त द्वारा इस निमित्त अवधारित किए जाएं, प्रतिलिपि चिपका कर प्रकाशित किया जाएगा।

(4) नामांकन पत्र दायर करने की अवधि तीन कार्य दिवस होगी और संवीक्षा की तारीख नामांकन पत्र दायर करने की अन्तिम तारीख से अगले कार्य दिवस तक होगी। नाम वापस लेने की तारीख, संवीक्षा की तारीख से तीसरे दिन तक होगी। निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थियों की सूची लगाए जाने की तारीख वही होगी, जो अभियर्थिता वापस लेने के लिए नियत की गई हो। मतदान केन्द्रों की सूची, आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट तारीख को प्रकाशित की जाएगी। नाम वापस लेने की तारीख और मतदान होने की तारीख के बीच कम से कम दस दिन का अन्तर होगा और मतदान का दिन अधिमानतः रविवार या कोई राजपत्रित अवकाश होगा।

(5) आयोग, आदेश द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम को विखंडित या उपान्तरित कर सकेगा:

परन्तु जब तक आयोग अन्यथा निदेश न दे, तब तक ऐसा कोई आदेश, आदेश की तारीख से पूर्व की गई किसी भी कार्यवाही को अविधिमान्य करने वाला नहीं समझा जाएगा।

2. निर्वाचन का नोटिस- (1) रिटर्निंग अधिकारी, उस तारीख को, जिसको आयोग द्वारा नियम 35 के अधीन निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है, अपने कार्यालय और उपमण्डलाधिकारी (नागरिक), रिटर्निंग अधिकारी और तहसील तथा नगरपालिका के कार्यालय या ऐसे अन्य स्थान जो रिटर्निंग अधिकारी अवधारित करें, निम्नलिखित के लिए प्ररूप-19 में नोटिस चिपकाएगा –

- (क) निर्वाचन के लिए अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र आमन्त्रित करना ;
- (ख) नामांकन पत्र प्रस्तुत करने हेतु समय और स्थान नियत करना ;
- (ग) प्राधिकारी विनिर्दिष्ट करना जिसको नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे ;
- (घ) नामांकन पत्रों की संवीक्षा के लिए समय और स्थान नियत करना ;
- (ङ) नाम वापिस लेने की नोटिस की प्राप्ति के लिए समय और स्थान और प्राधिकारी नियत करना ;
- (च) निर्वाचन चिन्हों (प्रतीकों) के आबंटन के लिए तारीख, समय और स्थान नियत करना; और
- (छ) मतदान समय नियत करना, यदि आवश्यक हो।

परन्तु खण्ड (ख), (घ), (ड) और (छ) के अन्तर्गत नियत तारीखें वही होंगी, जो इस निमित्त नियम 35 के अधीन विनिर्दिष्ट हैं।

(2) निर्वाचन के प्रयोजन के लिए आयोग या रिटर्निंग अधिकारी किसी परिसर, यान, जलयान या पशु का, उसके स्वामी या उस पर कब्जा या नियन्त्रण रखने वाले व्यक्ति को प्रतिकर के संदाय पर, अधिग्रहण कर सकेगा और निर्वाचन के पश्चात् इसे अधिग्रहण से निर्मुक्त कर देगा:

स्पष्टीकरण.—इस नियम में यान से ऐसा यान अभिप्रेत है जिसका सङ्क या आकाशी परिवहन (एरियल ट्रांसपोर्ट) के प्रयोजन के लिए उपयोग किया गया हो या उपयोग के योग्य हो, चाहे यांत्रिक शक्ति द्वारा या अन्यथा चालित हो।

3. चिन्हों (प्रतीकों) की अधिसूचना.—आयोग, नगरपालिका के निर्वाचन में अभ्यर्थियों को आबंटित किए जाने वाले चिन्हों (प्रतीकों) को विनिर्दिष्ट कर के, अधिसूचना द्वारा, राजपत्र में, प्रकाशित करवाएगा और समय—समय पर चिन्हों (प्रतीकों) की सूची में संशोधन या फेरबदल कर सकेगा।

4. निर्वाचन हेतु अभ्यर्थियों का नामांकन.—(1) नगरपालिका के भीतर मतदाता के रूप में रजिस्ट्रीकृत किसी व्यक्ति को, अन्य व्यक्ति, जो नगरपालिका के उस वार्ड की निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत मतदाता है, द्वारा, वार्ड के सदस्य के पद के लिए अभ्यर्थी के रूप में नामांकित किया जा सकेगा।

(2) अभ्यर्थी और प्रस्तावक द्वारा, प्ररूप-20 में सम्यक् रूप से भरा और हस्ताक्षरित नामांकन पत्र, प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा या तो स्वयं या उसके प्रस्तावक द्वारा, नामांकन पत्र भरने के लिए विनिर्दिष्ट तारीख को 11 बजे पूर्वाहन और 3 बजे अपराहन के मध्य, नियम 36 के उप-नियम (1) के खण्ड (ग) के अधीन विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को दिया जाएगा।

(3) किसी भी वार्ड, जो अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित है, में, नामांकन पत्र तब तक विधिमान्य नहीं समझा जाएगा, जब तक उसमें अभ्यर्थी द्वारा विनिर्दिष्ट रूप से यह घोषणा अन्तर्विष्ट न हो कि, विशिष्टतः वह किस जाति अथवा जनजाति का सदस्य है और अभ्यर्थी, राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत सक्षम प्राधिकारी द्वारा, यह प्रमाणित करते हुए, जारी प्रमाण-पत्र, कि अभ्यर्थी यथास्थिति, ऐसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति से सम्बन्ध रखता है, प्रस्तुत नहीं कर देता।

(4) रिटर्निंग अधिकारी, नामांकन पत्रों के प्रस्तुत किए जाने पर, अभ्यर्थी और उसके प्रस्तावक का नामांकन पत्र में यथाप्रविष्ट नाम और क्रम संख्या वही है, जैसी वे निर्वाचक नामावली में प्रविष्ट हैं, के विषय में अपना समाधान करेगा :

परन्तु उसी वार्ड में निर्वाचन के लिए, किसी अभ्यर्थी या उसके निमित्त द्वारा तीन नामांकन पत्रों से अनधिक नामांकन पत्र प्रस्तुत नहीं किए जाएंगे या रिटर्निंग अधिकारी द्वारा स्वीकृत नहीं किए जाएंगे:

परन्तु यह और कि रिटर्निंग अधिकारी, उक्त नामांकन पत्रों की बाबत, या उक्त नामों या संख्याओं की बाबत किसी लिपिकीय या तकनीकी त्रुटि को, निर्वाचक नामावली में तत्स्थानी प्रविष्टियों के अनुसार, उसमें अनुरूपता लाने के लिए, शुद्धि करने की अनुज्ञा देगा और जहां आवश्यक समझे, यह निदेश दे सकेगा कि उक्त प्रविष्टियों में किसी लिपिकीय या टंकण सम्बन्धी त्रुटि पर ध्यान नहीं दिया जाए।

5. प्रतिभूति निष्केप.—(1) कोई भी अभ्यर्थी किसी वार्ड के निर्वाचन के लिए तब तक सदस्य नामांकित किया गया नहीं समझा जाएगा, जब तक वह, केवल 2500/- (दो हजार पाँच सौ रुपए) की प्रतिभूति के रूप में रिटर्निंग अधिकारी के पास, उचित रसीद पर, नगद में जमा नहीं कर देता और अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों से सम्बन्धित अभ्यर्थी की दशा में प्रतिभूति की रकम केवल 1250/- (एक हजार दो सौ पचास रुपए) होगी :

परन्तु जहां अभ्यर्थी को उसी वार्ड में निर्वाचन के लिए एक से अधिक नामांकन पत्र द्वारा नामांकित किया गया है, वहां प्रत्येक नामांकन के लिए पृथक प्रतिभूति रकम जमा नहीं की जाएगी।

(2) यदि कोई अभ्यर्थी, जिस द्वारा या जिसके निमित्त प्रतिभूति जमा की गई है, नियम 35 और 36 में विनिर्दिष्ट समय के भीतर अपनी अभ्यर्थिता वापस ले लेता है, या किसी अभ्यर्थी का नामांकन रद्द किया जाता है, तो जमा प्रतिभूति, उस व्यक्ति को जिस द्वारा जमा की गई थी, या यदि ऐसे व्यक्ति की मृत्यु हो गई हो, तो उसके विधिक प्रतिनिधि को, निर्वाचन के परिणाम की घोषणा की तारीख के पश्चात् वापस कर दी जाएगी।

(3) यदि निर्वाचन लड़ने वाला अभ्यर्थी निर्वाचित नहीं होता है और यदि उसके पक्ष में डाले गए विधिमान्य मत डाले गए कुल विधिमान्य मतों के 1/6 से कम हैं, तो जमा-प्रतिभूति राज्य सरकार को समर्पहृत हो जाएगी।

(4) यदि उप नियम (3) के अधीन जमा की गई प्रतिभूति समर्पहृत नहीं की गई है, तो वह, ऐसे अभ्यर्थी, जिस द्वारा जमा की गई थी, को, या, यदि उसकी मृत्यु हो गई है तो उसके विधिक प्रतिनिधि को, निर्वाचन के परिणाम की अधिसूचना जारी होने और राजपत्र में उसके प्रकाशित होने के पश्चात्, वापस कर दी जाएगी।

6. नामांकनों का नोटिस।—नियम 38 के उप-नियम (2) के अधीन नामांकन-पत्र प्राप्त करने पर, रिटर्निंग अधिकारी, नामांकन पत्र पर इसकी क्रम संख्या दर्ज करेगा और उस पर, वह तारीख जिसको, और वह समय, जब नामांकन पत्र उसे परिदृत किया गया था, को दर्शाते हुए एक प्रमाण पत्र हस्ताक्षरित करेगा। प्ररूप-21 में नामांकन पत्रों का नोटिस, जिसमें उसी प्रकार के विवरण अन्तर्विष्ट हों जो, अभ्यर्थी और उसके प्रस्तावक, दोनों के नामांकन पत्रों में अन्तर्विष्ट विवरण के अनुरूप हों, अपने कार्यालय के किसी सहजदृश्य स्थान पर चिपकाएगा।

7. नामांकन पत्रों की संवीक्षा।—(1) नियम 36 के अधीन नामांकन पत्रों की संवीक्षा के लिए नियत तारीख पर, अभ्यर्थी या उसका प्रस्तावक और प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा सम्यक रूप से लिखित में प्राधिकृत एक अन्य व्यक्ति संवीक्षा की प्रक्रिया देख सकेगा और रिटर्निंग अधिकारी उन्हें, समस्त अभ्यर्थियों के नामांकन पत्रों, जो उसने नियम 38 में अधिकथित समयावधि के भीतर और रीति में प्राप्त किए हैं, की परीक्षा हेतु समस्त उचित सुविधाएं देगा।

(2) रिटर्निंग अधिकारी नामांकन पत्रों का परीक्षण करेगा और किसी भी नामांकन पत्र पर किए गए सभी आक्षेपों का विनिश्चय करेगा और ऐसे आक्षेप, पर, या स्वप्रेरणा से, ऐसी संक्षिप्त जांच के पश्चात्, यदि कोई हो, जैसी वह आवश्यक समझे, निम्नलिखित आधारों पर किसी नामांकन को रद्द कर सकेगा;

अर्थात् :—

(क) नामांकन की संवीक्षा के लिए नियत तारीख को अर्हित नहीं है या इन नियमों या अधिनियम या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के उपबन्धों के अधीन पद को भरने के लिए चुने जाने के लिए निरर्हित है ; या

(ख) नियम 38 या नियम 39 के किसी भी उपबन्ध का अनुपालन करने में असफल रहा है; या

(ग) नामांकन पत्र पर अभ्यर्थी या प्रस्तावक के हस्ताक्षर असली नहीं है।

(3) उप नियम (2) के खण्ड (ख) या खण्ड (ग) की कोई भी बात उसी, अभ्यर्थी के अन्य नामांकन को अस्वीकृत करने का प्राधिकार देने वाली नहीं समझी जाएगी जहां ऐसी अस्वीकृति का कोई समुचित आधार न हो।

(4) रिटर्निंग अधिकारी नियम 36 के उप नियम (1) के खण्ड (घ) के अधीन इस निमित्त नियम तारीख और समय पर संवीक्षा करेगा। एक बार प्रारम्भ की गई संवीक्षा की प्रक्रिया को, सिवाय जब ऐसी कार्यवाहियां, बलवे, खुली हिंसा या रिटर्निंग अधिकारी के नियन्त्रण से बाहर के कारणों द्वारा, अवरोधित या बाधित हैं, स्थगित नहीं किया जाएगा :

परन्तु यदि कोई आक्षेप, रिटर्निंग अधिकारी द्वारा उठाया गया है या अभ्यर्थी द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा लिखित में किया गया है, तो सम्बद्ध अभ्यर्थी को इसका खंडन करने का समय, संवीक्षा के दिन के अगले दिन के बाद अनुज्ञात नहीं किया जाएगा और रिटर्निंग अधिकारी अपना विनिश्चय उस तारीख को अभिलिखित करेगा जिस दिन को कार्यवाहियां स्थगित की गई हैं।

(5) रिटर्निंग अधिकारी प्रत्येक नामांकन पत्र पर, उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का अपना विनिश्चय अभिलिखित करेगा और यदि नामांकन पत्र अस्वीकृत हो जाता है, तो ऐसी अस्वीकृति के लिए कारणों का संक्षिप्त कथन, लिखित में अभिलिखित करेगा।

(6) इस नियम के प्रयोजन के लिए, वार्ड की तत्समय प्रवृत्त निर्वाचक नामावली में प्रविष्टि, इस तथ्य का निश्चायक साक्ष्य होगी कि उस प्रविष्टि में निर्दिष्ट व्यक्ति उस वार्ड का मतदाता है।

(7) समस्त नामांकन पत्रों की संवीक्षा करने और उन्हें स्वीकार करने या अस्वीकार करने के विनिश्चय को अभिलिखित करने के तुरन्त पश्चात्, रिटर्निंग अधिकारी, विधिमान्य रूप से नामांकित अभ्यर्थियों, अर्थात् अभ्यर्थी जिनका नामांकन विधिमान्य पाया गया है, की सूची प्ररूप 22 पर तैयार करेगा और रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय के सूचना पट्ट पर चिपकाएगा।

8. अभ्यर्थिता वापस लेना।—(1) कोई भी अभ्यर्थी प्ररूप—23 में अपने हस्ताक्षर द्वारा लिखित में नोटिस द्वारा या उक्त नियम में विनिर्दिष्ट तारीख को अपराहन 3.00 बजे से पूर्व, रिटर्निंग अधिकारी या नियम 36 के उप नियम (1) के खण्ड (ड) के अधीन इस निमित्त विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को, प्रदत्त करके अभ्यर्थिता वापस ले सकेगा और ऐसे व्यक्ति को, जिसने इस प्रकार अपनी अभ्यर्थिता वापस ली है, ऐसे अभ्यर्थिता लिए जाने की नोटिस को रद्द करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(2) अभ्यर्थिता को वापस लेने के नोटिस की प्राप्ति पर, रिटर्निंग अधिकारी या विनिर्दिष्ट प्राधिकारी प्ररूप—24 में इस प्रभाव के नोटिस को अपने कार्यालय में किसी सहजदृश्य स्थान पर चिपकवाएगा।

9. निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची।—(1) नामांकन पत्रों की संवीक्षा पूर्ण होने पर और नियम 42 के अधीन अवधि, जिसके भीतर अभ्यर्थिता वापस ली जा सकेगी, के अवसान के पश्चात् रिटर्निंग अधिकारी, प्ररूप—25 में हिन्दी में, निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की एक सूची तत्काल तैयार करेगा और इसे अपने कार्यालय के सूचना पट्ट पर चिपकवाएगा तथा उसकी एक प्रति निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को तथा उसके निर्वाचक अभिकर्ता को मांग पर देगा।

(2) उक्त सूची में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों के वर्णक्रम में देवनागरी लिपि में हिन्दी में नाम और पता, जैसे नामांकन पत्र में दिए गए हैं, अन्तर्विष्ट होंगे।

10. अभ्यर्थियों को चुनाव चिन्हों (प्रतीकों) का आबंटन।—(1) निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करने के पश्चात्, यदि अभ्यर्थियों की संख्या एक से अधिक है, तो रिटर्निंग अधिकारी प्रत्येक निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी को निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची में क्रम संख्या के अनुसार, और नियम 37 के अधीन अधिसूचना में विनिर्दिष्ट चुनाव चिन्ह (प्रतीक) की क्रम संख्या के अनुसार अनुमोदित चिन्ह (प्रतीक) में से चिन्ह (प्रतीक) आबंटित करेगा :

परन्तु यह कि किसी अभ्यर्थी के लिए चिन्ह (प्रतीक) के चुनाव के लिए कोई विकल्प नहीं होगा।

(2) प्रत्येक मामले में जहां उप नियम (1) के अधीन अभ्यर्थी को चुनाव चिन्ह (प्रतीक) दे दिया गया है, वहां ऐसे अभ्यर्थी को तत्काल उसे दिए गए चुनाव चिन्ह (प्रतीक) के बारे में सूचित किया जाएगा और उसे रिटर्निंग अधिकारी द्वारा इसका नमूना प्रदान किया जाएगा। ऐसी दशा में निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची में प्रत्येक अभ्यर्थी को आबंटित चुनाव चिन्ह (प्रतीक) भी अन्तर्विष्ट होगा।

11. निर्वाचक अभिकर्ता की नियुक्ति।—यदि कोई अभ्यर्थी निर्वाचक अभिकर्ता नियुक्त करना चाहता है, तो ऐसी नियुक्ति, या तो नामांकन पत्र को परिदत्त करते समय या चुनाव से पूर्व किसी भी समय प्ररूप—26 में की जाएगी।

12. मतदान अभिकर्ता की नियुक्ति।—(1) मतदान अभिकर्ताओं की संख्या, जो अभ्यर्थी द्वारा नियुक्त किए जाएंगे, प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिए एक होगी।

(2) प्रत्येक ऐसी नियुक्ति प्ररूप—27 में की जाएगी और इसे मतदान अभिकर्ता को मतदान केन्द्र में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

(3) किसी भी मतदान अभिकर्ता को, किसी मतदान केन्द्र में तब तक प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा, जब तक कि वह उप—नियम (2) के अधीन, पीठासीन अधिकारी के समक्ष उसमें अन्तर्विष्ट घोषणा को सम्यक् रूप से पूर्ण करने और हस्ताक्षर करने के पश्चात्, अपनी नियुक्ति के दस्तावेजों को, पीठासीन अधिकारी को परिदत्त नहीं कर देता।

13. अभिकर्ता की अनुपस्थिति।—जहां कोई कार्य या बात, इन नियमों द्वारा अपेक्षित या प्राधिकृत, अभिकर्ताओं की उपस्थिति में की जानी है, वह प्रयोजन के लिए नियत स्थान और समय पर किसी ऐसे अभिकर्ता या अभिकर्ताओं की अनुपस्थिति में किए गए कार्य या बात को अविधिमान्य नहीं बनाएगी।

14. निर्वाचन का अधिकतम खर्च और उसका लेखा।—(1) निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी या और उसके प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा निर्वाचन पर उपगत किए जाने वाले व्यय की अधिकतम सीमा।—

(क) नगर परिषद् के सदस्य के लिए
(ख) नगर पंचायत के सदस्य के लिए

पचहत्तर हजार रूपए और
पचास हजार रूपए

से अधिक नहीं होगी :

परन्तु राज्य सरकार, आयोग के परामर्श से, निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी या उसके प्राधिकृत अभिकर्ता, द्वारा की गई निर्वाचन व्यय की वर्धित अधिकतम सीमा को अधिसूचित कर सकेगी।

(2) वार्ड का निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अभ्यर्थी प्ररूप—28 में निर्वाचन व्यय रजिस्टर के नाम से ज्ञात रजिस्टर में निर्वाचन के व्यय का लेखा रखेगा।

(3) उप—नियम (2) के अधीन लेखा, अधिनियम की धारा 17—के अनुसार रखा जाएगा।

(4) लेखा, नामांकन दाखिल करने की तारीख से परिणाम की घोषणा के पश्चात् की तारीख तक, दिन प्रतिदिन के आधार पर, व्यय की प्रत्येक मद की बाबत सही रूप में और वास्तव में रखा जाएगा।

(5) प्ररूप 29 में रखी गई व्यय की समस्त मदों पर, अभ्यर्थी या उसके प्राधिकृत निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा किया गया समस्त व्यय, उप नियम ;2द्व में रखे निर्वाचन व्यय लेखे में सम्मिलित किया जाएगा।

(6) उपगत व्यय के समर्थन में समस्त दस्तावेज जैसे कि वाऊचर, रसीदें, अभिस्वीकृतियां आदि रजिस्टर में अभिलिखित किए जाएं और सही रूप में रखे जाएंगे।

(7) रखा जाने वाला दिन प्रति दिन का लेखा, निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी भी समय रिटर्निंग अधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी या आयोग द्वारा निरीक्षण किए जाने के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा।

(8) अधिनियम और इन नियमों द्वारा अपेक्षित रीति में और समय के भीतर, निर्वाचन व्यय के लेखे प्रस्तुत करने में या ऐसा करने के लिए प्राधिकृत अधिकारी द्वारा निर्वाचन व्यय की सही प्रति की मांग पर उसे प्रस्तुत करने में, असफलता को अधिनियम की धारा 301 के अधीन भ्रष्ट आचरण समझा जाएगा।

(9) अधिनियम की धारा 17—ख के अधीन आयोग द्वारा यथानिदेशित रखे गए कुल निर्वाचन व्यय के लेखा का विवरण, परिणाम की घोषणा के तीस दिन के भीतर रिटर्निंग अधिकारी या आयोग द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी या दोनों को प्रस्तुत किया जाएगा।

(10) प्ररूप 31 में अभ्यर्थी के शपथ पत्र सहित, लेखे का विवरण प्ररूप 29 और 30 में प्रस्तुत किया जाएगा।

(1) लेखा विवरण की प्राप्ति पर रिटर्निंग अधिकारी, प्ररूप 32 में अभिस्वीकृति जारी करेगा।

अध्याय 7

निर्वाचन की सामान्य प्रक्रिया

1. मतदान से पूर्व अभ्यर्थी की मृत्यु.—यदि किसी अभ्यर्थी, जिसका नामांकन संवीक्षा करने पर विधिमान्य पाया गया है और जिसने अपनी अभ्यर्थिता प्रत्याहृत नहीं की है, की मृत्यु हो जाती है और उसकी मृत्यु की सूचना (रिपोर्ट) मतदान के प्रारम्भ होने से पूर्व प्राप्त हो गई है और शेष निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की संख्या एक से अधिक है, तो निर्वाचन प्रत्यादिष्ट नहीं किया जाएगा किन्तु क्षेत्र (फील्ड) में केवल एक ही अभ्यर्थी के रह जाने की दशा में, निर्वाचन आयोग के निदेशों के अनुसार निर्वाचन नए सिरे से होगा :

परन्तु उस अभ्यर्थी, जो निर्वाचन के प्रत्यादेशन के समय पर निर्वाचन लड़ने वाला अभ्यर्थी था, के लिए कोई भी नया नामांकन आवश्यक नहीं होगा।

2. सविरोध और अविरोध निर्वाचन.—(1) नियम 49 के उपबन्धों के अधीन फील्ड में निर्वाचन लड़ने वाला यदि केवल एक अभ्यर्थी हो, तो रिटर्निंग अधिकारी पद भरने के लिए तुरन्त ऐसे अभ्यर्थी को सम्यक् रूप से निर्वाचित घोषित करेगा और प्ररूप 33 में घोषणा जारी करेगा। यदि फील्ड में कोई निर्वाचन लड़ने वाला अभ्यर्थी नहीं है, तो रिटर्निंग अधिकारी मामले की रिपोर्ट, आयोग को तदानुसार आगामी कार्रवाई करने के उद्देश्य से करेगा।

(2) यदि फील्ड में निर्वाचन लड़ने वालों की संख्या एक से अधिक है, तो नियम 35 के अधीन विनिर्दिष्ट तारीख को मतदान करवाया जाएगा।

3. आपात स्थितियों में मतदान का स्थगन.—(1) यदि किसी निर्वाचन में किसी मतदान केन्द्र की कार्यवाहियों में बलवे या खुली हिंसा द्वारा व्यवधान या बाधा पहुंचाई जाए या उस मतदान केन्द्र में किसी प्राकृतिक विपत्ति के कारण या किसी अन्य पर्याप्त कारण से मतदान करवाना सम्भव न हो, तो ऐसे मतदान केन्द्र का पीठासीन अधिकारी, मतदान के स्थगन की, पश्चात्वर्ती अधिसूचित की जाने वाली तारीख के लिए घोषणा करेगा और आयोग तत्काल रिटर्निंग अधिकारी को सूचित करेगा।

(2) जहां उप नियम (1) के अधीन मतदान का स्थगन हुआ है, वहां रिटर्निंग अधिकारी परिस्थितियों की रिपोर्ट आयोग और राज्य सरकार को तुरन्त देगा और यथाशक्य शीघ्र, वह दिन नियत

करेगा, जिसको पुनर्मतदान होगा और मतदान केन्द्र, जहां मतदान होगा और समय जिस दौरान मतदान करवाया जाएगा, नियत करेगा। ऐसे निर्वाचन में डाले गए मतों की तब तक गणना नहीं की जाएगी, जब तक ऐसा स्थगित मतदान पूर्ण नहीं हो जाता और ऐसे मतदान केन्द्र में प्रयोग की गई मतपेटी को सील बन्द करके सुरक्षित अभिरक्षा में, गणना आरम्भ होने तक रखा जाएगा।

(3) इस नियम के अधीन समस्त मामलों में रिटर्निंग अधिकारी उप-नियम 2द्व के अधीन, नियत मतदान की तारीख, स्थान और समय को विनिर्दिष्ट करते हुए नोटिस को अपने कार्यालय और नगरपालिका के तथा सम्बन्धित तहसील के कार्यालय में लगाएगा।

4. मतपेटी आदि नष्ट होने की दशा में नए सिरे से मतदान.—(1) यदि किसी निर्वाचन में, कोई मतपेटी, पीठासीन अधिकारी की अभिरक्षा में से विधि विरुद्ध ले ली जाती है या उससे किसी प्रकार की गड़बड़ की जाती है या दुर्घटनावश अथवा जानबूझ कर नष्ट, गुम या खराब कर दी जाती है, तो उस मतदान केन्द्र पर, जिससे ऐसी मतपेटी सम्बन्धित है, मतदान शून्य घोषित किए जाने के लिए दायी होगा।

स्पष्टीकरण.—मतपेटी की क्षति होने के अन्तर्गत मतों की गणना के समय किन्तु गणना और परिणाम की घोषणा पूर्ण होने से पूर्व मतपत्रों को पहुंचाई गई क्षति या नष्ट करना भी है।

(2) जब किसी मतदान केन्द्र में मतदान उप-नियम (1) के अधीन शून्य घोषित करने के लिए दायी हो जाता है, तो पीठासीन अधिकारी यथाशक्य शीघ्रता से, ऐसे नुकसान या विनाश के कार्य या घटना की रिपोर्ट रिटर्निंग अधिकारी को देगा, जो आयोग को तुरन्त मामले की रिपोर्ट (सूचना) देगा और आयोग का समाधान होने पर कि उसके परिणाम स्वरूप उस मतदान केन्द्र के मतदान के परिणाम को अभिनिश्चित नहीं किया जा सकता, मतदान को शून्य घोषित करेगा और ऐसे मतदान केन्द्र में नए सिरे से मत करवाने के लिए दिन और समय, जिसके दौरान मतदान होगा, नियत करेगा तथा ऐसे निर्वाचन में, वार्ड के अन्य मतदान केन्द्रों में डाले गए मतों की गणना तब तक नहीं करेगा, जब तक नए सिरे से मतदान नहीं हो जाता।

5. एक से अधिक नगरपालिका और वार्ड के लिए निर्वाचन लड़ने पर निर्बन्धन.—कोई भी अभ्यर्थी एक ही समय पर एक से अधिक नगरपालिका के एक से अधिक वार्ड के लिए निर्वाचन नहीं लड़ेगा।

6. मतदान की पद्धति.—(1) प्रत्येक निर्वाचन में जहां मतदान करवाया जाना है, मतदान व्यक्तिगत रूप में मतपत्र द्वारा किया जाएगा या नियम 32 के अधीन मतदान केन्द्र में लगाई गई इलैक्ट्रोनिक मतदान मशीन द्वारा किया जाएगा और प्रॉक्सी द्वारा कोई मत नहीं दिया जाएगा:

परन्तु नगरपालिका के वार्ड या वार्डों में ऐसी रीति में, जो नियमों या इस निमित्त आयोग द्वारा जारी निदेशों के अधीन विनिर्दिष्ट की जाए, इलैक्ट्रोनिक मतदान मशीन द्वारा मतों को देना और प्राप्त करना अपनाया जा सकेगा, जैसे आयोग विनिर्दिष्ट करे।।

(2) कोई भी मतदाता, अपना नाम नगरपालिका की निर्वाचक नामावली में एक से अधिक बार रजिस्ट्रीकृत होते हुए भी उस नगरपालिका में एक से अधिक बार मतदान नहीं करेगा।

7. मतदान के स्थगन पर प्रक्रिया.—(1) यदि किसी मतदान केन्द्र में नियम 49 के अधीन मतदान स्थगित किया जाता है, तो इन नियमों के उपबन्ध ऐसे नए सिरे से करवाए जाने वाले प्रत्येक मतदान के सम्बन्ध में, ऐसे ही लागू होंगे, जैसे आरम्भिक मतदान में लागू होते हैं।

(2) जब नियम 51 के उप नियम 2द्व के अधीन स्थगित मतदान को पुनः प्रारम्भ किया जाता है, तो मतदाता, जो पहले इस प्रकार स्थगित मतदान में मत दे चुका हो, उसे दोबारा मत नहीं देने दिया जाएगा।

(3) रिटर्निंग अधिकारी, ऐसे मतदान केन्द्र जहां ऐसा स्थगित मतदान किया जाना है के पीठासीन अधिकारी को निर्वाचन नामावली की चिन्हित प्रति और मतपत्रों की अपेक्षित संख्या से अन्तर्विष्ट सीलबन्द पैकेट तथा नई मतपेटी इलेक्ट्रानिक मतदान मशीन उपलब्ध कराएगा।

(4) पीठासीन अधिकारी सील बन्द पैकेट को ऐसे अभ्यर्थियों या उनके अभिकर्ताओं, जो उपस्थित हों, की उपस्थिति में खोलेगा और उसे स्थगित मतदान के संचालन के लिए प्रयोग में लाएगा।

8. मतपेटी और पेपर सील.—(1) निर्वाचन में प्रयोग में लाई जाने वाली प्रत्येक मतपेटी और पेपर सील, ऐसे डिजाइन की होगी जिसका उपयोग हिमाचल प्रदेश विधान सभा के किसी निर्वाचन में किया जा सके या जो आयोग द्वारा यथा अनुमोदित हो।

(2) मत पेटी सुरक्षित करने के लिए पेपर सील का प्रयोग किया जाएगा तथा पीठासीन अधिकारी उस पर अपने हस्ताक्षर करेगा और उस पर अभ्यर्थियों या ऐसे मतदान अभिकर्ताओं के, जो उपस्थित हों और ऐसा करना चाहें, हस्ताक्षर कराएगा। पेपर सील का डिजाइन वैसा ही होगा, जैसा आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए और प्रयोग में लाई गई या प्रयोग में नहीं लाई गई पेपर सील का उचित अभिलेख प्ररूप—34 में रखा जाएगा।

(3) पीठासीन अधिकारी तदोपरान्त मत पेटी में, उसके लिए बनी जगह पर, पेपर सील लगाएगा और तब पेटी को ऐसी रीति में सुरक्षित सील करेगा कि उसमें मत पत्र डालने के लिए रेखा छिद्र (स्लिट) रहे।

(4) मतदान केन्द्र में प्रयोग की गई प्रत्येक मतपेटी पर अन्दर और बाहर दोनों तरफ निम्नलिखित चिन्हित लेबल होंगे—

- (क) क्रम संख्या और वार्ड का नाम;
- (ख) क्रम संख्या और मतदान केन्द्र का नाम;
- (ग) मतपेटी की क्रम संख्या (मतपेटी के केवल बाहर की ओर लेबल के अन्त में भरी जाए); और
- (घ) मतदान की तारीख।

(5) पीठासीन अधिकारी, मतदान आरम्भ होने से ठीक पूर्व अभ्यर्थियों और मतदान अभिकर्ताओं तथा अन्य उपस्थित लोगों को यह प्रदर्शित करेगा कि मतपेटी खाली है और उप-नियम (4) में निर्दिष्ट लेबल अंकित है।

(6) मतपेटी को तब बन्द, सील तथा सुरक्षित किया जाएगा और उसे पीठासीन अधिकारी, अभ्यर्थियों यथा मतदान अभिकर्ताओं की पूर्ण दृष्टि में रखा जाएगा।

9. निर्वाचन में महिला मतदाताओं के लिए सुविधाएं.—(1) जहां मतदान केन्द्र, पुरुष और महिला मतदाता दोनों के लिए हैं, पाठासीन अधिकारी निदेश दे सकेगा कि वे मतदान केन्द्र में बारी-बारी से (आनुकल्पिक रूप से) दाखिल होंगे।

(2) पीठासीन अधिकारी, महिला मतदाताओं की सहायता के लिए, तथा पीठासीन अधिकारी को मतदान करवाने में सहायता करने के लिए और जहां आवश्यक हो, विशिष्टतया किसी महिला मतदाता का नाम ढूँढ़ने के लिए, किसी महिला को परिचर के रूप में सेवा करने हेतु किसी मतदान केन्द्र में नियुक्त कर सकेगा।

10. मतपत्रों का प्ररूप.—(1) प्रत्येक मतपत्र इसके प्रतिपर्ण सहित प्ररूप—35 में होगा और उसकी विशिष्टियां हिन्दी में देवनागरी लिपि में होंगी।

(2) अभ्यर्थियों के नाम मतपत्र में उसी क्रम में क्रमांकित किए जाएंगे, जैसे वे नियम 43 के अधीन तैयार की गई निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची में दिए गए हैं। मतपत्र आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट डिजाइन/रंग में मुद्रित करवाए जाएंगे :

परन्तु अंतिम अभ्यर्थी के नाम तथा चिन्ह (प्रतीक) के पश्चात् एक स्तम्भ जिसमें उपरोक्त में से कोई भी नहीं लिखा हो, होगा। स्तम्भ का आकार वैसा होगा, जैसा अन्य अभ्यर्थियों के लिए प्रयुक्त हुआ हो।

11. मतदान केन्द्र में प्रबन्ध।—(1) प्रत्येक मतदान केन्द्र के बाहर सुस्पष्ट रूप से निम्नलिखित प्रदर्शित किया जाएगा—

- (क) मतदान क्षेत्र, जिसके मतदाता को, मतदान केन्द्र में निर्वाचनों में, मत देने का हक है या जहां मतदान केन्द्र में एक से अधिक मतदान कोष्ठ हैं, ऐसे प्रत्येक कोष्ठ में या किसी ऐसे कोष्ठ को आबंटित मतदाता के विवरण को विनिर्दिष्ट करने वाली सूचना (नोटिस); और
- (ख) नियम 44 के अधीन आबंटित चिन्हों (प्रतीकों) सहित नियम 43 के अधीन तैयार, निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची वाली, हिन्दी में देवनागरी लिपि में, दूसरी सूचना (नोटिस)।

(2) प्रत्येक मतदान केन्द्र पर, एक या अधिक कक्ष स्थापित किए जाएंगे, जहां मतदाता अपने मतों को गोपनीयता में अंकित कर सकेंगे।

(3) रिटर्निंग अधिकारी, प्रत्येक मतदान केन्द्र पर, मतदान के संचालन के लिए अपेक्षित मत पेटियों, निर्वाचक नामावली के सुसंगमत भाग की प्रतियों, मतपत्रों और अन्य आवश्यक वस्तुओं को उपलब्ध करवाएगा।

12. मतदान का प्रारम्भ।—पीठासीन अधिकारी निर्वाचन के नोटिस में वर्णित समय पर ही मतदान आरम्भ करेगा और मतदान के प्रारम्भ से पूर्व वह उन सभी लोगों जो उपस्थित हों, के ध्यान में धारा 292 के उपबन्धों को लाएगा। इस धारा के उपबन्ध निम्नलिखित हैं :—

“292 मतदान की गोपनीयता।—(1) किसी भी साक्षी या अन्य व्यक्ति से यह बता देने की अपेक्षा नहीं की जाएगी कि उसने निर्वाचन में किसको मत दिया है।

(2) प्रत्येक अधिकारी, लिपिक, एजैंट या अन्य व्यक्ति जो किसी निर्वाचन में मतों के अभिलेखन या गिनती से सम्बन्धित कर्तव्य का पालन करता है, मतों की गोपनीयता को बनाए रखेगा और बनाए रखने में सहायता करेगा और (सिवाय किसी विधि या उसके अधीन प्राधिकृत किसी प्रयोजन के) किसी व्यक्ति को ऐसी गोपनीयता का अतिक्रमण करने के लिए प्रकल्पित कोई सूचना संसूचित नहीं करेगा।

(3) कोई व्यक्ति जो जानबूझ कर इस धारा के उल्लंघन में कार्य करता है, दोनों में से किसी भाँति के कारावास से जिसकी अवधि तीन मास तक की हो सकेगी, या जुर्माने से या दोनों से दण्डनीय होगा।”

13. मतदान केन्द्र में प्रवेश।—पीठासीन अधिकारी, मतदान केन्द्र के भीतर किसी एक समय पर, प्रवेश होने वाले मतदाताओं की संख्या को विनियमित करेगा और निम्नलिखित से भिन्न, सभी व्यक्तियों को वहां से अपवर्जित करेगा :—

- (क) मतदान अधिकारी ;
- (ख) अभ्यर्थी और उनके अभिकर्ता ;
- (ग) रिटर्निंग अधिकारी या ऐसे अन्य व्यक्ति, जो उस द्वारा प्राधिकृत हों ;

(घ) निर्वाचन प्राधिकारी द्वारा निर्वाचन से सम्बद्ध डयूटी पर नियुक्त लोक सेवक ;

(ङ) महिला मतदाता की गोदी में बच्चा और अंधे या दुर्बल मतदाता, जो सहायता के बिना चल नहीं सकता हो, के साथ चल रहा साथी ;

(च) ऐसा अन्य व्यक्ति, जिसे पीठासीन अधिकारी नियम 57 के उप-नियम (2) और नियम 62 के उप नियम (1) के अधीन नियोजित करे ; और

(छ) राज्य निर्वाचन आयुक्त या ऐसे अन्य व्यक्ति, जो उसके द्वारा प्राधिकृत किए जाएं।

14. मतदाताओं की पहचान.—(1) प्रत्येक मतदाता जब मतदान केन्द्र में प्रवेश करता है तो, पीठासीन अधिकारी या उसके द्वारा इस निमित प्राधिकृत मतदान अधिकारी, मतदाता का नाम और अन्य विशिष्टियों को निर्वाचक नामावली में सुसंगत प्रविष्टि से मिलाएगा तथा तब मतदाता का क्रमांक, नाम और अन्य विशिष्टियां पढ़कर सुनाएगा।

(2) मत पत्र अभिप्राप्त करने के व्यक्ति के अधिकार का विनिश्चय करने में, यथास्थिति, पीठासीन अधिकारी या मतदान अधिकारी, निर्वाचक नामावली की किसी प्रविष्टि में लिपिकीय लेखन या मुद्रण सम्बन्धी अशुद्धियों को उस दशा में अनदेखा करेगा, जिसमें उसका समाधान हो जाता है कि व्यक्ति वही है, जिससे ऐसी प्रविष्टि सम्बद्ध है।

15. डाक द्वारा मत देने के हकदार व्यक्ति.—एतदपश्चात् विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं की पूर्ति करने के अध्यधीन व्यक्ति, जो निर्वाचन कर्तव्यारूढ़ मतदाता हैं, नगरपालिका के वार्ड में, निर्वाचन में डाक द्वारा मत देने के हकदार होंगे।

16. निर्वाचन कर्तव्यारूढ़ मतदाताओं द्वारा सूचना.—(1) जो निर्वाचन कर्तव्यारूढ़ मतदाता, निर्वाचन में डाक द्वारा मत देना चाहता है, वह रिटर्निंग अधिकारी को प्ररूप-36 में आवेदन ऐसे भेजेगा ताकि वह मतदान की तारीख से कम से कम सात दिन, या ऐसी अल्पतर कालावधि, जैसी रिटर्निंग अधिकारी अनुज्ञात करे, से पहले पहुंच जाए और यदि रिटर्निंग अधिकारी का समाधान हो जाता है कि आवेदक, कर्तव्यारूढ़ मतदाता हैं, तो वह उसे सदस्य के निर्वाचन के लिए एक डाक मत पत्र तथा निर्वाचन के लिए निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र (ई0डी0सी0) प्ररूप-38 में जारी करेगा।

(2) जहां ऐसा मतदाता उस वार्ड में जिसका वह निर्वाचक है, निर्वाचन कर्तव्यारूढ़ मतदान अधिकारी, पीठासीन अधिकारी या अन्य लोक सेवक होते हुए नगर निगम/वार्ड के निर्वाचन में स्वयं, न कि डाक द्वारा मत देना चाहता है, वहां वह रिटर्निंग अधिकारी को प्ररूप-37 में आवेदन ऐसे भेजेगा कि वह मतदान की तारीख से कम से कम चार दिन या ऐसी अल्पतर कालावधि, जैसी रिटर्निंग अधिकारी अनुज्ञात करे, से पहले उसके पास पहुंच जाएं और यदि रिटर्निंग अधिकारी का समाधान हो जाता है कि आवेदक उस वार्ड में निर्वाचन कर्तव्यारूढ़ ऐसा लोक सेवक और मतदाता है, तो वह आवेदक को प्ररूप-38 में निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र जारी करेगा।

(3) जहां उपधारा (1) और (2) के अधीन निर्वाचक को निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र जारी हुआ हो, वहां रिटर्निंग अधिकारी, निर्वाचक नामावली की चिन्हित प्रति में उसके नाम के सामने “नि० क० प्र०” यह उपदर्शित करने के लिए अंकित करेगा कि उसे निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र जारी कर दिया है और यह सुनिश्चित करेगा कि उसे उस मतदान केन्द्र पर, जिस पर वह मत देने के लिए अन्यथा हकदार होता है, मत देने के लिए अनुज्ञात न किया जाए।

17. निर्वाचन कर्तव्यारूढ़ व्यक्तियों के लिए सुविधाएं.—(1) नियम 62 के उपबन्ध किसी भी ऐसे व्यक्ति को लागू नहीं होंगे जो मतदान केन्द्र में प्ररूप-38 में निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करता है और अपने को मत पत्र दिए जाने की मांग करता है, भले ही मतदान केन्द्र उस केन्द्र से भिन्न हो, जहां मत देने का वह हकदार है।

(2) ऐसा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए जाने पर पीठासीन अधिकारी—

- (क) उस पर उसे प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर अभिप्राप्त करेगा ;
- (ख) उस व्यक्ति का नाम और निर्वाचक नामावली संख्यांक, जो प्रमाण पत्र में वर्णित है, निर्वाचन नामावली की चिन्हित प्रति के अन्त में प्रविष्ट कराएगा ; और
- (ग) उसे मत पत्र और मत देने की अनुज्ञा उसी रीति में देगा, जैसे उस मतदान केन्द्र में मत देने के हकदार किसी निर्वाचक को देता।

18. मतदाताओं के प्रतिरूपण निवारण के लिए प्रक्रिया।—(1) इस नियम के अन्य उपबन्धों के अध्यधीन प्रत्येक मतदाता, (जिसे मतदान केन्द्र पर मत डालने के प्रयोजन से मतपत्र दिया जाना है, ऐसा मत—पत्र प्राप्त करने से पूर्व) निम्नलिखित करने देगा :—

(क) पीठासीन अधिकारी या किसी मतदान अधिकारी को अपनी बायीं तर्जनी उंगली का निरीक्षण; और

(ख) उसकी बायीं तर्जनी पर अमिट स्याही का चिन्ह लगाना।

(2) यदि कोई व्यक्ति अपनी बायीं तर्जनी का ऐसा निरीक्षण नहीं करने देता है, या ऐसे चिन्ह के लगाए जाने के पश्चात् उसे मिटाने की दृष्टि से लगातार कोई कार्य करता है, तो वह कोई मतपत्र दिए जाने या निर्वाचन में मत (अंकित करने) का हकदार नहीं होगा।

(3) उस व्यक्ति, जिसके पहले से ही उसकी बायीं तर्जनी उंगली पर चिन्ह लगा है, को मतपत्र नहीं दिया जाएगा और यदि ऐसा कोई व्यक्ति मतपत्र दिए जाने के लिए फिर भी बार—बार आग्रह करता है, तो वह प्रतिरूपण के लिए गिरफ्तार और अभियोजित किए जाने के लिए दायी होगा।

(4) इस नियम में, मतदाता की बायीं तर्जनी उंगली का सन्दर्भ, बायीं तर्जनी उंगली न होने की दशा में, बाएं हाथ की किसी अन्य उंगली से है तथा उसके बाएं हाथ की सभी उंगलियां न होने की दशा में, उसके दाएं हाथ की तर्जनी उंगली या अन्य कोई उंगली समझी जाएगी और ऐसी दशा में जहां उसके दोनों हाथों की समस्त उंगलियां नहीं हैं, वहां बायीं या दायीं भुजा के ऐसे छोर से समझा जाएगा, जो भी मौजूद हो।

19. मतदान प्रक्रिया।—(1) मतदान केन्द्र में प्रवेश करने पर मतदाता सर्वप्रथम मतदान अधिकारी को अपनी बायीं तर्जनी उंगली कर निरीक्षण करने देगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उस उंगली पर कोई अमिट स्याही का निशान तो नहीं है। यदि ऐसा कोई निशान न हो, तो मतदान केन्द्र का प्रभारी मतदान अधिकारी, मतदाता का नाम और पता और अन्य विवरण, जैसा सूची में दर्ज हैं, सुनिश्चित करेगा तथा मतदाता की पहचान से सन्तुष्ट हो कर पीठासीन अधिकारी अथवा मतदान अधिकारी, यथास्थिति, उसकी बायीं तर्जनी उंगली पर अमिट स्याही का निशान लगाएगा और फिर उसको मत पत्र दिया जाएगा। यथास्थिति, पीठासीन अधिकारी अथवा मतदान अधिकारी, मतदाता को मतपत्र देने से पूर्व मतमत्र के प्रतिपर्ण से मतदाता की क्रम संख्या, निर्वाचक नामावली की चिन्हित प्रति से दर्ज करेगा और उसके हस्ताक्षर लेगा।

(2) मतदाता को देने से पूर्व प्रत्येक मत पत्र पर, उसके पृष्ठ भाग पर ऐसा सुभेदक चिन्ह लगाया जाएगा, जैसा मतपत्र आयोग द्वारा निर्देशित हो।

(3) उप—नियम (1) में यथा उपबन्धित के सिवाय, किसी भी व्यक्ति को मतदान केन्द्र में किसी विशिष्ट मतदाता को जारी किए गए मत पत्र (पत्रों) के क्रमांक को नोट करने नहीं दिया जाए।

(4) मतदाता को मतपत्र देने से पूर्व पीठासीन अधिकारी या मतदान अधिकारी किसी भी समय स्वप्रेरणा से, यदि उसको मतदाता की पहचान पर या उस मतदान केन्द्र में उसके मताधिकार के विषय में सन्देह हो, या किसी अभ्यर्थी या अभिकर्ता द्वारा अपेक्षा किए जाने पर, मतदाता से निम्नलिखित प्रश्न करेगा, अर्थात् :—

- (क) क्या आप निम्नलिखित रूप में दर्ज व्यक्ति हैं (निर्वाचक नामावली से मतदाता से सम्बन्धित पूर्ण प्रविष्टि को पढ़ कर) ?
- (ख) क्या आप वर्तमान निर्वाचन में पहले मतदान कर चुके हैं ?
- (ग) ऐसे अन्य प्रश्न, जिनको वह उचित या आवश्यक समझे तथा मतदाता को तब तक मतपत्र नहीं दिया जाएगा, जब तक वह पहले प्रश्न का उत्तर हाँ में और दूसरे प्रश्न का उत्तर नहीं में, या इस नियम के अनुसरण में उससे पूछे गए किसी प्रश्न का उत्तर देने से मना नहीं कर देता ।

(5) मतदाता, मतपत्र प्राप्त होने पर तत्काल :—

- (क) मतदान कक्ष में जाएगा ;
- (ख) मत पत्र पर इस प्रयोजन के लिए दिए गए उपकरण से, उम्मीदवार के चिन्ह (प्रतीक) पर अथवा उसके निकट निशान लगाएगा, जिसको वह मत देना चाहता है ;
- (ग) मत पत्र को मोड़ेगा ताकि अपने मत को छुपा सके ;
- (घ) यदि आवश्यकता हो, तो पीठासीन अधिकारी को मतपत्र पर सुभेदक चिन्ह दिखाएगा ;
- (ङ) मुड़ा हुआ मतपत्र पेटी में डालेगा ; और
- (च) मतदान केन्द्र से चला जाएगा ।

(6) प्रत्येक मतदाता बिना अनुचित विलम्ब के मतदान करेगा ।

(7) किसी भी मतदाता को तब तक मतदान कक्ष में जाने नहीं दिया जाएगा, जब तक दूसरा मतदाता अन्दर रहे ।

20. अन्ये या अपंग मतदाताओं के मतों का अभिलेखन।—(1) यदि पीठासीन अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि अन्येपन या अन्य शारीरिक अपंगता के कारण मतदाता, मतपत्र में चिन्ह (प्रतीक) पहचानने और सहायता के बिना उस पर चिन्ह लगाने में असमर्थ है, तो पीठासीन अधिकारी मतदाता को मतदान कक्ष तक अपने साथ सहयोगी, जो अठारह वर्ष की आयु से कम न हो, को ले जाने की अनुमति देगा ताकि उसकी ओर से मतपत्र पर उसकी इच्छा अनुसार निशान लगा सके और यदि आवश्यक हो तो मतपत्र को मोड़कर, ताकि मत गुप्त रहे, मत पेटी में डालेगा:

परन्तु किसी भी व्यक्ति को मतदान केन्द्र पर उसी दिन एक से अधिक मतदाता का सहयोगी बनने की अनुमति नहीं दी जाएगी :

परन्तु यह और कि इस नियम के अधीन किसी व्यक्ति को किसी दिन सहयोगी के रूप में कार्य करने की अनुमति प्रदान करने से पूर्व उस व्यक्ति को प्ररूप-39 में यह घोषणा करनी पड़ेगी कि मतदाता की ओर से किए जाने वाले मतदान को वह गोपनीय रखेगा और उस दिन उसने अन्य किसी मतदान केन्द्र पर किसी अन्य मतदाता के सहयोगी के रूप में कार्य नहीं किया है।

(2) पीठासीन अधिकारी इस नियम के अधीन सभी मामलों का अभिलेख प्ररूप-40 में रखेगा।

21. खराब तथा लौटाए गए मत पत्र—(1) किसी मतदाता, जिसने अपने मत पत्र के साथ अनवधानता से इस प्रकार से व्यवहार किया हो, जिसका सुविधा अनुसार मत पत्र के रूप में प्रयोग न किया जा सके, को पीठासीन अधिकारी को लौटाने और अनवधानता का समाधान होने पर दूसरा मत पत्र दिया जाएगा तथा लौटाए गए मत पत्र पर पीठासीन अधिकारी द्वारा “खराब/रद्द” लिखा जाएगा।

(2) उप-नियम (1) के अधीन रद्द किए गए सभी मत पत्रों को पृथक पैकट में रखा जाएगा।

22. निविदत्त मत—(1) यदि कोई व्यक्ति अपने विषय में यह बता कर कि वह विशिष्ट मतदाता है ऐसे मतदाता के रूप में दूसरे व्यक्ति द्वारा पहले ही मत दे दिए जाने के पश्चात् मत पत्र के लिए आवेदन करता है, तो वह अपनी पहचान के प्रति पीठासीन अधिकारी द्वारा पूछे गए ऐसे प्रश्नों का सामाधान पूर्वक उत्तर देने पर इस नियम के निम्नलिखित उपबन्धों के अध्यधीन (जिसे इसमें इसके पश्चात् ‘निविदित्त मतपत्र’ कहा गया है) मतपत्र को चिन्हित करने का हकदार ऐसे होगा, जैसे कोई अन्य मतदाता होता है।

(2) प्रत्येक ऐसा व्यक्ति, निविदत्त मतपत्र प्राप्त करने से पूर्व अपने हस्ताक्षर सूची में प्ररूप-41 अपने से सम्बन्धित प्रविष्टि के सामने करेगा।

(3) निविदत्त मत पत्र वैसा ही होगा, जैसे मतदान में उपयोग में लाए जाने वाले अन्य मत पत्र होते हैं सिवाय उसके कि वह —

- (क) मतदान केन्द्र में उपयोग के लिए दिए गए मत पत्रों के बण्डल के क्रम में अन्तिम ; और
- (ख) पीठासीन अधिकारी द्वारा पृष्ठ भाग पर अपने हाथ से “निविदित्त मतपत्र” पृष्ठांकित करके हस्ताक्षरित होगा।

(4) मतदाता निविदत्त मतपत्र को मतदान कक्ष में चिन्हित करने और मोड़ने के पश्चात् मत पेटी में डालने के बजाय इसे पीठासीन अधिकारी को देगा, जो इसको इस प्रयोजन के लिए विशेष रूप में रखे गए लिफाफे में रखेगा।

23. मत जिनके बारे में आक्षेप किया गया है—(1) यदि कोई अभ्यर्थी या उसका अभिकर्ता घोषणा करते हुए यह सिद्ध करने का वचन देता है कि किसी व्यक्ति ने मतपत्र के लिए आवेदन करते हुए प्रतिरूपण का अपराध किया है, तो पीठासीन अधिकारी ऐसे व्यक्ति को अपना नाम और पता बताने को कहेगा और तब ऐसे नाम और पते को प्ररूप-42 में, मत, जिनके बारे में आक्षेप किया गया है, की सूची में दर्ज करेगा और ऐसे व्यक्ति को ऐसी प्रविष्टि हस्ताक्षरित करने अथवा यदि वह लिखने में असमर्थ है तो उस पर उसके अंगूठे का निशान लगाने की अपेक्षा करेगा और पीठासीन अधिकारी उस निशान के सामने अपने हस्ताक्षर करेगा और साथ ही उस व्यक्ति को अपनी पहचान के बारे में साक्ष्य प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा :

परन्तु पीठासीन अधिकारी द्वारा इस उप-नियम के अन्तर्गत उस समय तक कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी, जब तक कि अभ्यर्थी या ऐसे अभिकर्ता द्वारा प्रत्येक आक्षेप जो वह करता है, के सम्बन्ध में बीस रूपए की राशि पीठासीन अधिकारी के पास उचित पावती सहित नकद जमा नहीं करवा दी जाती।

(2) यदि वह व्यक्ति जिसके बारे में इस प्रकार आक्षेप किया गया है, ऐसी अध्यापेक्षा का अनुपालन करने से इनकार करता है, तो उसे मत डालने की अनुमति नहीं दी जाएगी, किन्तु यदि वह व्यक्ति इसका अनुपालन करता है और नियम 67 में उपबन्धित रीति में पूछे गए प्रश्नों में पहले प्रश्न का उत्तर हाँ में तथा दूसरे प्रश्न का उत्तर न में तथा इस नियम के अनुसरण में पूछे गए किसी अन्य प्रश्न का उत्तर सन्तोषजनक ढंग से देता है और यदि वह पहचान के सम्बन्ध में अपेक्षा किए जाने पर साक्ष्य, जिसको पीठासीन अधिकारी सन्तोषजनक मानता है, प्रस्तुत करता है तो उसे उसके प्रतिरूपण के लिए शास्ति के विषय में सूचित करने के पश्चात् मत डालने की अनुमति दी जाएगी।

(3) यदि पीठासीन अधिकारी का, स्थल पर ऐसी जांच, जैसी वह आवश्यक समझे, करने पर यह समाधान हो जाता है कि उप-नियम (1) के अधीन अभ्यर्थी या उसके मतदान अभिकर्ता द्वारा किया गया आक्षेप तुच्छ है तथा सद्भाव से नहीं किया गया है, तो वह उप-नियम 1द्व के अधीन जमा करवाई गई राशि को सरकार को समपहृत किए जाने के निवेश देगा और इस विषय में उसका आदेश अन्तिम होगा।

(4) यदि उप-नियम (1) के अधीन जमा करवाई गई राशि उप-नियम (3) के अधीन समपृहत नहीं की गई हो, तो वह उसी दिन जिस दिन में वह जमा हुई है, मतदान के समापन पर उसी व्यक्ति को वापिस लौटाई जाएगी, जिसने यह जमा कराई थी।

(5) पीठासीन अधिकारी, प्रत्येक स्थिति में, चाहे व्यक्ति जिसके बारे में आक्षेप किया गया हो, को मत डालने की अनुमति दी गई है या नहीं, परिस्थितियों का उल्लेख प्ररूप-42 में उन मतों की सूची में करेगा, जिनके बारे में आक्षेप किया गया हो।

24. मतदान बन्द करना।—(1) पीठासीन अधिकारी, मतदान केन्द्र को उस निमित्त नियत समय पर बन्द कर देगा और उस समय के पश्चात् किसी मतदाता को उसमें प्रवेश नहीं करने देगा :

परन्तु मतदान केन्द्र के भीतर उपस्थित समस्त मतदाता, मतदान बन्द किए जाने से पूर्व मत डालने के हकदार होंगे।

(2) उप नियम (1) के उपबन्ध के प्रयोजन के लिए, इस प्रश्न के उत्पन्न होने पर कि क्या मतदान बन्द करने से पूर्व, मतदाता को मतदान केन्द्र के भीतर उपस्थित रहने के लिए अनुज्ञात किया जाए, पीठासीन अधिकारी द्वारा विनिश्चय किया जाएगा जिसका विनिश्चय अन्तिम होगा।

25. मतदान के पश्चात् मतपेटी को मोहर बन्द किया जाना।—(1) मतदान बन्द होने के पश्चात् यथासाध्य शीघ्र, पीठासीन अधिकारी, मत पेटी के रेखा-छिद्र (स्लिट) को बन्द करके, इसे मोहर बन्द करेगा और किसी इच्छुक मतदान अभिकर्ता को अपनी मोहर लगाने देगा। मत पेटी को तत्पश्चात् मोहर बन्द करके उचित रूप से सुरक्षित रखा जाएगा।

(2) जहां प्रथम मत पेटी भर जाने के कारण दूसरी मत पेटी को उपयोग में लानी आवश्यक हो जाती है, वहाँ दूसरी मत पेटी उपयोग में लाए जाने से पूर्व उपनियम (1) में यथाउपबन्धित रूप में प्रथम मत पेटी बन्द, मोहर बन्द की जाएगी और सुरक्षित रखी जाएगी।

26. मतपत्रों का लेखा।—पीठासीन अधिकारी मतदान के बन्द होने पर प्ररूप-43 में मतपत्र लेखा तैयार करेगा और उसके ऊपर “मतपत्र लेखा” शब्द लिखकर इसे एक पृथक् कवर (लिफाफे) में रखेगा।

27. अन्य पैकेटों का मोहर बन्द सील किया जाना।—(1) पीठासीन अधिकारी इसके पश्चात् निम्नलिखित के पृथक् पैकेट बनाएगा :—

- (क) प्रयोग में लाए गए मतपत्रों के प्रतिपर्ण ;
- (ख) नामावली की चिन्हित प्रति ;
- (ग) अप्रयुक्त मतपत्र ;
- (घ) रद्द किए गए मतपत्र ;
- (ङ.) लिफाफे, जिनमें निविदत्त मतपत्र अन्तर्विष्ट हैं और प्ररूप-41 में सूची ;
- (च) प्ररूप-42 में उन मतपत्रों की सूची जिनके बारे में आक्षेप किए गए हो ;

(छ) प्ररूप-34 में कागज मुद्रा (पेपर सील) का लेखा; और

(ज) कोई अन्य कागज-पत्र जिनको मोहर बन्द पैकेटों में रखने के रिटर्निंग अधिकारी के आदेश हों।

(2) उप नियम (1)के अधीन तैयार ऐसा प्रत्येक पैकेट, पीठासीन अधिकारी तथा उपस्थित उन अभिकर्ताओं, जो उस पर अपनी मोहर लगाना चाहे, की मोहरों से मोहर बन्द (सील) किया जाएगा।

28. मतपेटियों आदि का रिटर्निंग अधिकारी को पारेषण।-(1) पीठासीन अधिकारी इसके पश्चात रिटर्निंग अधिकारी को :-

(क) नियम 73 में यथानिर्दिष्ट मतपेटियां ;

(ख) नियम 74 में यथानिर्दिष्ट मतपत्र लेखा ;

(ग) नियम 75 में यथानिर्दिष्ट मोहरबन्द पैकेट ; और

(घ) मतदान में प्रयुक्त किए गए सभी अन्य कागज पत्र ऐसे स्थान पर जैसा रिटर्निंग अधिकारी निदेश दे, परिदत्त करेगा या परिदत्त करवाएगा।

(2) रिटर्निंग अधिकारी उनकी सुरक्षित अभिरक्षा के लिए तब तक पर्याप्त प्रबन्ध करेगा, जबतक मतगणना प्रारम्भ नहीं हो जाती।

अध्याय-8

मतों की गणना और परिणामों की घोषणा

1. मतगणना के नियत स्थान में प्रवेश।-(1) रिटर्निंग अधिकारी नियम 33 के अधीन मतगणना के लिए नियत स्थान से निम्नलिखित व्यक्तियों के सिवाय अन्य सभी व्यक्तियों को हटाएगा:-

(क) ऐसे सरकारी कर्मचारी जिन्हें वह मतगणना में अपनी सहायता के लिए नियुक्त करें;

(ख) प्रत्येक अभ्यर्थी और उसके गणना अभिकर्ता ;

(ग) ड्यूटी पर तैनात लोक सेवक ; और

(घ) राज्य निर्वाचन आयुक्त या आयोग द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति।

(2) कोई भी ऐसा व्यक्ति, जो मतों की गणना के दौरान अवचार करता हो या रिटर्निंग अधिकारी के विधि पूर्ण निर्देशों का पालन करने में असफल रहता है, तो उसे उस स्थान से जहां मतों की गणना की जा रही है, हटाया जा सकेगा।

(3) अभ्यर्थियों के गणना अभिकर्ताओं की संख्या, वार्ड की मतगणना के लिए नियत गणना मेजों की संख्या से अधिक नहीं होगी। इसके अतिरिक्त रिटर्निंग अधिकारी के लिए एक अन्य मेज़ भी होगा।

(4) गणना अभिकर्ता (अभिकर्ताओं) की प्रत्येक नियुक्ति, प्ररूप-45 में दो प्रतियों में, की जाएगी, जिसकी एक प्रति रिटर्निंग अधिकारी को अग्रेषित की जाएगी और दूसरी प्रति गणना अभिकर्ता को, मतगणना के समय रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए दी जाएगी।

2. मतपेटियों की संवीक्षा और उनका खोला जाना।—(1) रिटर्निंग अधिकारी नियम 35 के अधीन नियत तारीख, समय और स्थान पर मतगणना प्रारम्भ होने से पूर्व, अधिनियम की धारा 292 के उपबन्धों को वहाँ पर उपस्थित सभी व्यक्तियों को पढ़कर सुनाएगा।

(2) इसके पश्चात वह मतपेटियों के सम्बन्ध में निम्नलिखित रीति अपनाएगा अर्थात् :

- (क) एक मतदान केन्द्र पर प्रयोग की गई सभी मतपेटियों को एक साथ खोला जाएगा ;
- (ख) मतगणना मेज पर किसी मतपेटी को खोलने से पूर्व अभ्यर्थियों या उनके अभिकर्ताओं को पेपर सील या अन्य मुहरें जो उस पर लगाई गई हैं, का निरीक्षण करने की अनुमति दी जाएगी ताकि वे अपने को सन्तुष्ट कर सकें कि वे अक्षत सही हैं।
- (ग) रिटर्निंग अधिकारी अपना यह समाधान करेगा कि वास्तव में किसी मतपेटी में कोई गड़बड़ तो नहीं हुई है; और
- (घ) यदि रिटर्निंग अधिकारी का समाधान हो जाता है कि किसी मतपेटी में गड़बड़ हुई है, तो वह उस पेटी के मतपत्रों की गणना नहीं करेगा और उस मतदान केन्द्र की बावत नियम 52 में निर्धारित प्रक्रिया का अनुसरण करेगा।

3. मतपत्रों की संवीक्षा और रद्दकरण।—(1) प्रत्येक पेटी से निकाले गए मतपत्रों को सुविधाजनक बन्डलों में रखा जाएगा तथा उनकी संवीक्षा की जाएगी।

(2) रिटर्निंग अधिकारी मतपत्र रद्द कर देगा :—

- (क) यदि इसमें एक से अधिक अभ्यर्थी के पक्ष में मत दिया गया हो ; या
- (ख) यदि उस पर कोई ऐसा निशान या लेख है, जिससे मतदाता की पहचान हो सकती हो ; या
- (ग) यदि उस पर कोई मत अभिलिखित नहीं हो ; या
- (घ) यदि मत दर्शानेवाला चिन्ह इस ढंग से लगाया गया है, जिससे यह संदेह हो जाए कि मत किस अभ्यर्थी को दिया गया है ; या
- (ङ) यदि मतपत्र जाली है ; या
- (च) यदि यह इतना क्षतिग्रस्त है या विकृत कर दिया गया हो कि इसके असल मतपत्र होने को सुरक्षाप्रित न किया जा सके ; या
- (छ) यदि यह भिन्न क्रमांक रखता हो, या मतदान केन्द्र में उपयोग के लिए प्राधिकृत मतपत्रों के परिकल्प से भिन्न हो ; या
- (ज) यदि उसमें वह चिन्ह नहीं हो, जो नियम 67 के उप-नियम (2) के उपबन्धों के अधीन होना चाहिए :

परन्तु जहाँ रिटर्निंग अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि खण्ड (छ) तथा (ज) में उल्लिखित त्रुटि पीठासीन या मतदान अधिकारी की गलती या असफलता के कारण रह गई है, मतपत्र केवल ऐसी त्रुटि के आधार पर रद्द नहीं किया जाएगा :

परन्तु यह और कि मतपत्र केवल इस आधार पर ही रद्द नहीं किया जाएगा कि मत का निशान सुभिन्न है या एक से अधिक बार लगाया गया है, यदि मतपत्र पर लगाए गए निशान से यह स्पष्ट होता है कि किसी विशेष अभ्यर्थी को मत दिए जाने का आशय था।

(3) उपनियम (2) के अधीन किसी मतपत्र को रद्द किए जाने से पूर्व रिटर्निंग अधिकारी, उपस्थित प्रत्येक गणना अभिकर्ता को मतपत्र की जांच करने का युक्तियक्त अवसर प्रदान करेगा किन्तु उस मतपत्र या किसी अन्य मतपत्र को हथालने (हेन्डल करने) हेतु उसे अनुज्ञात नहीं करेगा।

(4) रिटर्निंग अधिकारी ऐसे प्रत्येक मतपत्र पर जो उसके द्वारा रद्द किया हो “आर” वर्ण, और रद्द करने के कारण, अपने हाथ से या रबड़ की मोहर लगातार अभिलिखित करेगा।

(5) इस नियम के अधीन रद्द किए गए सभी मतपत्रों को इकट्ठे बण्डलों में रखा जाएगा।

4. मतों की गणना तथा परिणामों की घोषणा।—(1) प्रत्येक मतपत्र, जिसे नियम 79 के अधीन रद्द नहीं किया गया हो, को विधिमान्य समझा जाएगा और उसे अभ्यर्थीवार छांटने के पश्चात् गिना जाएगा:

परन्तु निविदत्त मतपत्र से युक्त कोई भी पैकेट खोला नहीं जाएगा और ऐसे मतपत्र की गणना नहीं की जाएगी।

(2) रिटर्निंग अधिकारी यथासाध्य, गणना लगातार करता रहेगा और ऐसे किसी अन्तराल के दौरान, जब गणना निलम्बित करनी पड़ती है, निर्वाचन से सम्बन्धित मतपत्रों, पैकेटों और अन्य कागज पत्रों को, स्वयं अपनी मोहर और अभ्यर्थियों या निर्वाचन अभिकर्ताओं या गणना अभिकर्ताओं की मोहर, जो अपनी मोहरें लगाना चाहें, से मुद्रांकित करके रखेगा तथा ऐसे अन्तरालों के दौरान उनकी सुरक्षित अभिरक्षा के लिए पर्याप्त सावधानी बरतेगा।

(3) प्रत्येक पेटी से निकाले गए मतपत्रों को उस पद से सम्बन्धित अन्य मत पेटियों से निकाले गए मतपत्रों के साथ मिलाया जाएगा और तत्पश्चात् प्रत्येक स्थान/पद के लिए पृथक्तः छठाई की जाएगी। नगर परिषद्/नगर पंचायत के सदस्य के लिए मतपत्रों को उसी मेज पर रखा रहने दिया जाएगा। नगर परिषद्/नगर पंचायत के सदस्य के परिणाम की घोषणा प्ररूप 47 पर परिणाम पत्र (सीट) तैयार कर लेने के पश्चात् प्ररूप 46 पर की जाएगी :

परन्तु यथास्थिति, प्ररूप 46 पर परिणाम घोषित किए जाने से पूर्व और मतदान केन्द्र के समस्त विधिमान्य मतों की गणना के पश्चात्, रिटर्निंग अधिकारी जिसने प्ररूप 47 में परिणाम पत्र (शीट) पर प्रविष्टियां की हैं, विशिष्टियों को घोषित करेगा। ऐसी घोषणा करने के पश्चात् कोई अभ्यर्थी या उसकी अनुपस्थिति में उसका निर्वाचन अभिकर्ता अथवा उसके गणना अभिकर्ताओं में से कोई एक, रिटर्निंग अधिकारी को, मतों की पूरी या किसी भाग की पुर्णगणना के लिए उन कारणों का उल्लेख करते हुए, जिनके आधार पर उसने ऐसी पुर्णगणना की मांग की है, लिखित में आवेदन कर सकेगा। ऐसे किसी आवेदन के किए जाने पर रिटर्निंग अधिकारी, मामले का विनिश्चय करेगा और आवेदन को पूर्णतः या भागतः स्वीकृत कर सकेगा अथवा यदि उसे यह प्रतीत होता हो कि यह तुच्छ या अयुक्तियुक्त है, तो उसे अस्वीकार कर सकेगा, ऐसे आवेदन पर रिटर्निंग अधिकारी का प्रत्येक विनिश्चय लिखित में होगा और उसमें उसके कारण अन्तर्विष्ट होंगे।

(4) परिणाम की घोषणा के तुरन्त पश्चात् रिटर्निंग अधिकारी, निर्वाचन की विवरणी (रिटर्न) की एक प्रति अपने कार्यालय में किसी सहजदृष्ट्य स्थान पर चिपकाएगा और उसे यथास्थिति, आयोग और, अतिरिक्त मुख्य सचिव (शहरी विकास) हिमाचल प्रदेश सरकार को, अधिनियम की धारा 27 के अधीन यथा अपेक्षित राज्य सरकार के राजपत्र में प्रकाशन के लिए भेज देगा।

(5) इसके पश्चात् समस्त विधिमान्य मतपत्रों को अभ्यर्थी बार बन्डल में एकत्रित करके, अस्वीकार (खारिज) किए गए मतपत्रों के बन्डलों के साथ, एक पृथक पैकेट में रखा जाएगा, जिसको मोहर (सील बन्द) किया जाएगा तथा उस पर निम्नलिखित विशिष्टियां अभिलिखित की जाएंगी, अर्थात् :—

- (क) वार्ड/नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत का नाम ;
- (ख) मतदान केन्द्र का विवरण जहां मतपत्र प्रयोग में लाए गए हैं; और
- (ग) मतगणना की तारीख।

(6) जब मतों की गणना पूर्ण हो गई हो और परिणाम की घोषणा की जा चुकी है, तो रिटर्निंग अधिकारी प्ररूप-43 भाग-II में विवरणी (रिटर्न) तैयार करेगा और उसकी एक प्रति को तत्काल अपने कार्यालय के सहजदृश्य स्थान पर चिपकाएगा। निर्वाचन की तारीख के पश्चात् रिटर्निंग अधिकारी, निर्वाचित अभ्यर्थियों के नामों को, नियम 50 के उपबन्धों के अधीन निर्वाचित हुआ समझे गए किसी अभ्यर्थी, यदि कोई हो, के नाम के साथ अधिसूचित करेगा और उसकी एक प्रति आयोग को, राज्य सरकार के राजपत्र में प्रकाशन हेतु भेज देगा और प्ररूप-44 में तैयार की गई विवरणी की एक प्रति आयोग को, परिणाम की घोषणा के तुरन्त पश्चात् भेजी जाएगी।

5. नए मतदान के पश्चात् मतगणना।—(1) यदि नियम 52 के अधीन नया मतदान किया गया हो तो रिटर्निंग अधिकारी, उस मतदान के पूर्ण होने के पश्चात्, मतों की गणना उस तारीख, समय और स्थान पर पुनः आरम्भ करेगा, जो आयोग ने उस निमित्त नियत किया है और जिसकी सूचना (नोटिस) पहले ही अभ्यर्थियों और उनके अभिकर्ताओं को दी जा चुकी है।

- (2) नियम 78, 79 और 80 के उपबन्ध ऐसी आगामी मतगणना के लिए लागू होंगे।

6. एक समान मत होने की स्थिति में प्रक्रिया।—यदि मतों की गणना के पश्चात्, किन्हीं दो अभ्यर्थियों के मतों में समानता पाई जाती है और एक अतिरिक्त मत, दोनों में से किसी एक अभ्यर्थी को निर्वाचित घोषित होने का हकदार बनाता है तो इसका, तुरन्त दोनों अभ्यर्थियों में लाट द्वारा निर्णय लिया जाएगा और जिस अभ्यर्थी के पक्ष में लाट निकलेगा उसको एक अतिरिक्त मत प्राप्त हुआ माना जाएगा और वह सम्यक् रूप से निर्वाचित घोषित किया जाएगा।

7. निर्वाचन से सम्बन्धित कागज-पत्रों की अभिरक्षा।—रिटर्निंग अधिकारी, प्रयोग में लाए गए मतपत्रों के प्रतिपर्ण के पैकेट, अप्रयुक्त मतपत्रों के पैकेट, प्रयुक्त मतपत्रों के पैकेट चाहे वे विधिमान्यतः किए गए हों, निविदत्त या अस्वीकृत किए गए हों और निर्वाचन से सम्बन्धित अन्य सभी कागज-पत्रों को, अपने कार्यालय में या अन्य ऐसे स्थान पर, जो वह लिखित रूप में विनिर्दिष्ट करे, निर्वाचन के परिणाम के प्रकाशन की तारीख से नब्बे दिन की अवधि की समाप्ति तक, सुरक्षित अभिरक्षा में रखेगा।

8. निर्वाचन के कागज-पत्रों का प्रस्तुतिकरण और निरीक्षण।—(1) रिटर्निंग अधिकारी की अभिरक्षा में—

- (क) प्रयोग में लाए गए मतपत्रों के प्रतिपर्ण के पैकेट ;
- (ख) अप्रयुक्त मतपत्रों के पैकेट ;
- (ग) प्रयुक्त मतपत्रों के पैकेट ; और
- (घ) निर्वाचित नामावली की चिह्नित प्रतियों के पैकेट, सक्षम न्यायालय या अधिनियम की धारा 282 के अधीन प्राधिकृत अधिकारी के आदेशों के सिवाय खोले नहीं जाएंगे और उनकी अन्तवस्तु किसी व्यक्ति या प्राधिकारी द्वारा निरीक्षित नहीं की जाएगी या के समक्ष प्रस्तुत नहीं की जाएगी।

(2) निर्वाचन से सम्बन्धित समस्त अन्य कागज—पत्र जनसाधारण के निरीक्षण के लिए खुले रहेंगे और कोई भी व्यक्ति ऐसे निरीक्षण या उसकी प्रमाणित प्रतियों के प्रदाय के लिए, उसी दर पर फीस के संदाय पर पर, जो हिमाचल प्रदेश में यथास्थिति उन दस्तावेजों के निरीक्षण, जो राजस्व अधिकारी द्वारा संव्यवहारिक अभिलेख का भाग हो या राजस्व अधिकारी के किसी आदेश की प्रति के प्रदाय के लिए, के लिए प्रभारित की जाती है, आवेदन कर सकेगा और ऐसी प्रतियों के प्रदाय के लिए वही प्रक्रिया अपनाई जाएगी जो राजस्व अधिकारी द्वारा निपटाए गए किसी मामले के सम्बन्ध में ऐसे ही आवेदन के लिए अपनाई जाती है।

9. निर्वाचन के कागज पत्रों का निपटान।—राज्य सरकार या आयोग अथवा सक्षम न्यायालय या अधिनियम की धारा 282 के अधीन प्राधिकृत अधिकारी द्वारा दिए गए किसी प्रतिकूल निदेश के अध्यधीन, नियम 83 और 84 में निर्दिष्ट पैकेट और अन्य कागज—पत्र राजपत्र में परिणामों की घोषणा की तारीख से नब्बे दिन की अवधि के लिए रखे जाएंगे और तत्पश्चात् नष्ट कर दिए जाएंगे:

परन्तु यदि कोई निर्वाचन याचिका लम्बित हो, तो इस नियम में निर्दिष्ट पैकेट तथा अन्य कागज—पत्रों का तब तक निपटान नहीं किया जाएगा, जब तक याचिका का अन्तिम रूप से विनिश्चय नहीं हो जाता।

10. नगरपालिका में आकस्मिक रिक्तियां।—जब नगरपालिका में किसी पदाधिकारी की मृत्यु, त्यागपत्र या हटाए जाने के कारण कोई रिक्ति होती है, तो उसके स्थान पर अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (1) और (2) के उपबन्धों के अनुसार नए पदाधिकारी को निर्वाचित किया जाएगा और ऐसा निर्वाचन इन नियमों में यथानिर्दिष्ट रीति में संचालित किया जाएगा और निर्वाचन कार्यक्रम, रिक्ति होने के पश्चात् सुविधा अनुसार यथाशाक्य शीघ्र बनाया जाएगा।

11. नियमों का निर्वाचन।—इन नियमों के निर्वाचन की बाबत, किसी निर्वाचन याचिका के सम्बन्ध में जो वास्तव में प्रस्तुत की गई है से अन्यथा, यदि कोई प्रश्न उत्पन्न होता है, तो उसे आयोग को निर्दिष्ट किया जाएगा जिस पर उसका विनिश्चय अन्तिम होगा।

12. निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाना।—(1) नियम 80 के अधीन सदस्यों के निर्वाचन के परिणामों की घोषणा के पश्चात् उपायुक्त या उस द्वारा प्राधिकृत अन्य कोई अधिकारी जो उपमण्डलाधिकारी (नागरिक) की पंक्ति से नीचे का न हो, अधिनियम की धारा 27 के अधीन नगरपालिका के निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने, या भारत के संविधान के प्रति सत्यनिष्ठा की शपथ लेने के लिए नव निर्वाचित सदस्यों को लिखित नोटिस जारी कर प्रथम बैठक के लिए सात दिन का समय देते हुए दिन तथा समय निर्धारित करेगा परन्तु निर्वाचित सदस्यों की ऐसा नोटिस बैठक के कम से कम 48 घण्टे पूर्व दिया जाएगा। बैठक, यथास्थिति, नगरपालिका परिषद् या नगर पंचायत के मुख्यालय में आयोजित होगी।

(2) उप—नियम (1) अधीन नियत दिवस और समय पर उपायुक्त या उस द्वारा प्राधिकृत अन्य कोई अधिकारी जो उपमण्डलाधिकारी (नागरिक) की पंक्ति से नीचे का न हो, प्रत्येक निर्वाचित सदस्य को शपथ लेने और भारत के संविधान के प्रति सत्यनिष्ठा रखने हेतु बुलाएगा।

अध्याय—9

अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन

1. अध्यक्ष का निर्वाचन।—(1) नियम 88 के अधीन निर्वाचित सदस्यों को शपथ या राजनिष्ठा की शपथ दिलाने के तुरन्त पश्चात् उपायुक्त या उसके द्वारा प्राधिकृत अन्य कोई अधिकारी जो उपमण्डलाधिकारी (नागरिक) की पंक्ति से नीचे का न हो, अध्यक्ष के पद के निर्वाचन के संचालन के लिए बैठक की अध्यक्षता करेगा।

(2) नियम 88 के अनुसार पद की शपथ दिलाने के तुरन्त पश्चात् पीठासीन अधिकारी, अध्यक्ष के पद के लिए अभ्यर्थी नामनिर्दिष्ट करने हेतु निर्वाचित सदस्यों को एक घण्टे तक का समय देगा।

(3) अध्यक्ष के पद के लिए किसी दूसरे सदस्य द्वारा किसी निर्वाचित सदस्य को प्रस्तावित किया जा सकेगा और प्ररूप 50 में एक और निर्वाचित सदस्य द्वारा इसका समर्थन किया जा सकेगा।

(4) कोई निर्वाचित सदस्य जिसे उप-नियम (3) के अधीन अभ्यर्थी के रूप में प्रस्तावित किया गया है वह, अध्यक्ष के पद के लिए अभ्यर्थी बनने हेतु नामनिर्देशन को स्वीकार करेगा।

(5) नामांकन भरने हेतु दिए गए समय के अवसान के पश्चात् पीठासीन अधिकारी नामनिर्देशनों की संवीक्षा करेगा और अविधिमान्य नामनिर्देशनों को रद्द करने के पश्चात् ऐसे अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता स्वीकार नहीं करेगा जो विधिमान्य रूप से नामनिर्दिष्ट है।

(6) नामांकनों की स्वीकृति के पश्चात्, पीठासीन अधिकारी, अभ्यर्थिता वापस लेने के लिए तीस मिनट का समय देगा।

(7) अध्यक्ष के निर्वाचन के लिए बैठक की गणपूर्ति कुल निर्वाचित सदस्यों के तीन चौथायी से होगी। यदि गणपूर्ति पूर्ण न हो तो उपायुक्त या बैठक की अध्यक्षता करने वाला अधिकारी बैठक को अगली तारीख तक स्थगित करेगा जो इसकी प्रथम बैठक के दिन से तीन दिन से अधिक नहीं होगी। स्थगित बैठक के लिए कोई गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

(8) यदि अनुज्ञात समय के पश्चात् पद के लिए केवल एक ही अभ्यर्थी रह जाता है तो पीठासीन अधिकारी ऐसे अभ्यर्थी को सम्यक् रूप से निर्वाचित घोषित करेगा य

(9) यदि अभ्यर्थिता वापस लेने के लिए अनुज्ञात समय पुरा होने के पश्चात् एक से अधिक अभ्यर्थी रह जाते हैं तो मतदान किया जाएगा य और

(10) अध्यक्ष के निर्वाचन में प्रयोग किया जाने वाला मतपत्र प्ररूप-48 में होगा और उनमें दर्शित विवरण, हिन्दी में देवनागरी लिपि में होगा।

2. अध्यक्ष के निर्वाचन में मतदान की रीति।-(1) अध्यक्ष के निर्वाचन में मतदान की प्रक्रिया निम्नलिखित होगी :—

(क) पीठासीन अधिकारी, सदस्यों को मतपत्र जारी करने से पूर्व प्रत्येक मत के पीछे सुभिन्न चिन्ह के रूप में अपने हस्ताक्षर करेगा ;

(ख) सदस्य, मतपत्र की प्राप्ति पर अभ्यर्थी के नाम के सामने क्रास चिन्ह (X) लगाएगा जिस को वह अपना मत देना चाहता है ;

(ग) सदस्य क्रास चिन्ह (X) का निशान लगाने के पश्चात् मतपत्र को इस प्रकार मोड़ेगा कि उसका मत छुप जाए ; और

(घ) सदस्य, मोड़े हुए मतपत्र को मतपेटी में डालेगा जो इस प्रयोजन के लिए पीठासीन अधिकारी के सामने रखी होगी।

(2) पीठासीन अधिकारी, मतदान समाप्त हो जाने के पश्चात् मत पेटी को खोलेगा और सदस्यों की उपस्थिति में मतों की गणना करेगा।

स्पष्टीकरण।—यह अवधारित करने के लिए कि डाला गया मत विधिमान्य है या अविधिमान्य है, नियम 79 के उपबन्ध लागू होंगे।

(3) जिस अभ्यर्थी के पक्ष में सबसे अधिक विधिमान्य मत पड़ेंगे वह उस पद के लिए निर्वाचित घोषित किया जाएगा :

परन्तु यदि मतपत्रों की गणना के पश्चात् किन्हीं दो अभ्यर्थियों के मतों में समानता पाई जाती हों, एक अतिरिक्त मत दोनों में से किसी एक अभ्यर्थी को निर्वाचित घोषित होने का हकदार बनाता है तो इसका तुरन्त दोनों अभ्यर्थियों में लॉट द्वारा निर्णय लिया जाएगा और जिस अभ्यर्थी के पक्ष में लॉट निकलेगा, उसको एक अतिरिक्त मत प्राप्त हुआ माना जाएगा और वह सम्यक् रूप से निर्वाचित घोषित किया जाएगा।

(4) ऐसे मतदान में प्रयुक्त सभी मतपत्र एक मजबूत लिफाफे में रखे जाएंगे जिसे पीठासीन अधिकारी उपस्थित सदस्यों के समक्ष मोहर बन्द (सील) करेगा तथा उस पर उस निर्वाचन का जिसमें मतपत्र सम्बन्धित है, विवरण लिखेगा। उपायुक्त लिफाफे को अपने कार्यालय में या ऐसे स्थान पर जिसे वह लिखित रूप में नियत करे, सक्षम न्यायालय या आयोग या अधिनियम के अध्याय-17 के अधीन निर्वाचन याचिका की जांच करने के लिए प्राधिकृत/नियुक्त किसी अधिकारी द्वारा दिए गए किसी प्रतिकूल निदेश के अध्यधीन निर्वाचन की तारीख के एक वर्ष के अवसान तक ठीक तरह से परिरक्षित रखेगा।

(5) उपायुक्त प्ररूप 49 में निर्वाचन की विवरणी (रिटर्न) तैयार करेगा और राज्य सरकार तथा आयोग को सूचनार्थी तथा अभिलेख के लिए भेजेगा।

(6) राज्य सरकार उप-नियम (5) के अधीन निर्वाचन विवरणी की प्राप्ति पर अधिनियम की धारा 27 की उपधारा (1) के अधीन यथा अपेक्षित के अनुसार अध्यक्ष के निर्वाचन को अधिसूचित करेगी और उसकी प्रति आयोग को भेजेगी।

3. उपाध्यक्ष का निर्वाचन।—अध्यक्ष के निर्वाचन के पश्चात् उपायुक्त या उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अन्य अधिकारी जो उपमण्डलाधिकारी (नागरिक) की पंक्ति से नीचे का न हो, नियम 89 और 90 के अधीन अध्यक्ष के निर्वाचन के लिए यथा उपबन्धित रीति में उपाध्यक्ष के पद के लिए निर्वाचन करेगा।

4. अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव।—(1) नगरपालिका के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव उपायुक्त को सम्बोधित इसके कुल निर्वाचित सदस्यों के बहुमत से अन्युन द्वारा हस्ताक्षरित लिखित में अध्यापेक्षा के माध्यम से लाया जा सकेगा :

परन्तु सदस्य जिन्होंने ऐसा प्रस्ताव किया है वे इस प्रयोजन हेतु बुलाई गई बैठक से पूर्व वापस ले सकेंगे :

परन्तु यह और कि इस नियम के अधीन अविश्वास प्रस्ताव उसके ऐसे पद के निर्वाचन की तारीख के एक वर्ष के भीतर पोषणीय नहीं होगा और कोई पश्चात्वर्ती अविश्वास प्रस्ताव अंतिम अविश्वास प्रस्ताव से एक वर्ष के अन्तराल के भीतर पोषणीय नहीं होगा।

(2) उपायुक्त या उपायुक्त द्वारा प्राधिकृत ऐसा अन्य अधिकारी जो कि उपमण्डलाधिकारी (नागरिक) की पंक्ति से नीचे का न हो, सदस्यों के उपयोग हेतु अध्यापेक्षा की प्रति प्रत्येक सदस्य को प्रचालित करेगा।

(3) उपायुक्त या उपायुक्त द्वारा प्राधिकृत ऐसा अन्य अधिकारी जो कि उपमण्डलाधिकारी (नागरिक) की पंक्ति से नीचे का न हो, उपनियम (1) में निर्दिष्ट प्रस्ताव पर विचार के लिए कम से कम पंद्रह दिन का नोटिस देकर विशेष बैठक बुलाएगा और ऐसी बैठक की अध्यक्षता करेगा।

(4) यदि अविश्वास प्रस्ताव, ऐसी विशेष बैठक में उपस्थित और मत देने वाले निर्वाचित सदस्यों के बहुमत के समर्थन से पारित हो जाता है जिस की गणपूर्ति इस के निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या के आधे से कम नहीं है तो यथास्थिति, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष द्वारा अपना पद रिक्त किया गया समझा जाएगा।

5. नया निर्वाचन।—यदि अध्यक्ष या उपाध्यक्ष का पद उसके कार्यकाल के दौरान, अविश्वास प्रस्ताव के मद्दे, रिक्त कर दिया जाता है तो यथास्थिति अध्यक्ष या उपाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए इन नियमों में विहित रीति में रिक्त की तारीख से एक मास की अवधि के भीतर शेष अवधि के लिए नया निर्वाचन करवाया जाएगा।

अध्याय—10

चुनाव याचिकाएँ और अपीलें

1. याचिका प्रस्तुत करना।—(1) धारा 284 के अधीन निर्वाचन याचिका उस प्राधिकृत अधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी, जिसकी अधिकारिता के अधीन नगरपालिका स्थित है।

(2) याचिकाकर्ता, याचिका के साथ प्रत्यर्थियों की संख्या के अनुसार याचिका की समान संख्या में प्रतियां संलग्न करेगा।

(3) धारा 285 की उपधारा (1) के परन्तुक में निर्दिष्ट शपथ पत्र प्ररूप—51 में होगा और शपथ मजिस्ट्रेट के समक्ष होगी।

2. याचिका के साथ प्रतिभूति निष्केप का जमा किया जाना।—निर्वाचन याचिका प्रस्तुत करते समय याचिका द्वारा 2000/- (दो हजार रुपए) केवल प्रतिभूति राशि के रूप में उस प्राधिकृत अधिकारी जिसे याचिका प्रस्तुत की जानी है, के नाम से समुचित लेखा शीर्ष के अधीन सरकारी खजाना या उप-खजाना में जमा किए जाएंगे।

3. याचिकाओं का वापिस लिया जाना।—(1) निर्वाचन याचिका, केवल उस प्राधिकृत अधिकारी जिसे याचिका प्रस्तुत की गई है, की अनुमति के पश्चात् ही याचिका द्वारा वापिस ली जा सकेगी।

(2) जब याचिका को वापिस लेने के लिए आवेदन किया जाता है, तो उस आवेदन की सुनवाई के लिए नियत तारीख का नोटिस याचिका के अन्य सभी पक्षकारों को दिया जाएगा।

(3) याचिका वापस लेने के लिए किया गया कोई भी आवेदन अनुज्ञात नहीं किया जाएगा, यदि ऐसा आवेदन प्राधिकृत अधिकारी की राय में जिसे यथास्थिति, याचिका प्रस्तुत की गई है या जिसे ऐसी याचिका अन्तरित की गई है, किसी सौदेबाजी या प्रतिफल द्वारा उत्प्रेरित किया गया हो, जिसकी अनुमति नहीं दी जा सकती है।

(4) यदि याचिका वापिस लेने के लिए आवेदन अनुज्ञात कर दिया जाता है तो प्राधिकृत अधिकारी जिसे याचिका प्रस्तुत की गई है, आदेश पारित करेगा।

परन्तु जहां प्राधिकृत अधिकारी द्वारा याचिका वापस लेने के लिए आवेदन लेना अनुज्ञात कर दिया गया है, वहाँ आदेश की एक प्रति निदेशक, शहरी विकास, हिमाचल प्रदेश को भेजी जाएगी।

4. जांच का स्थान और प्रक्रिया।—(1) जांच का स्थान उस सम्बद्ध प्राधिकृत अधिकारी का मुख्यालय होगा जिसे याचिका प्रस्तुत की गई है या अन्तरित की गई है :

परन्तु उस प्राधिकृत अधिकारी जिसे, यथास्थिति याचिका प्रस्तुत की गई है या अन्तरित की गई है, का समाधान हो जाने पर कि ऐसी विशेष परिस्थितियां विद्यमान हैं जो, इसे वांछनीय बना देती है कि जांच कर्हीं और होनी चाहिए, तो वह इस प्रयोजन के लिए कोई अन्य सुविधाजनक स्थान नियत करेगा।

(2) जनसाधारण को ऐसे स्थान पर जाने की पूर्ण स्वतन्त्रता होगी, जहां किसी निर्वाचन याचिका की जांच की जा सकेगी।

(3) पक्षकारों को, जांच के लिए स्थान तथा समय के बारे में नोटिस दिया जाएगा, जो सुनवाई की प्रथम तारीख से पूर्व सात दिन की अवधि से कम का न हो।

5. याचिका पर आदेशों की संसूचना।—प्राधिकृत अधिकारी जिसे, यथास्थिति निर्वाचन याचिका प्रस्तुत की गई है या अन्तरित की गई है, निर्वाचन याचिका की समाप्ति के पश्चात् यथाशक्य शीघ्र, आदेश की एक प्रति आयोग और निदेशक शहरी विकास विभाग, हिमाचल प्रदेश को भेजेगा।

6. अपील के प्रस्तुतिकरण में प्रक्रिया।—(1) प्राधिकृत अधिकारी द्वारा अधिनियम की धारा 295 या 296 के अधीन पारित किए आदेश से व्यक्ति व्यक्ति, तीस दिनों की अवधि के भीतर निदेशक, शहरी विकास, विभाग, हिमाचल प्रदेश को अपील कर सकेगा :

परन्तु निदेशक, शहरी विकास, यदि उसका समाधान हो जाता है कि अपीलार्थी अपील को समय पर प्रस्तुत करने में, पर्याप्त कारणों से निवारित हुआ है, उक्त तीस दिन की अवधि के अवसान के पश्चात् भी अपील को ग्रहण कर सकेगा।

(2) अधिनियम के अधीन अपील प्रस्तुत करने के लिए अवधि की सीमा संगणित करते समय आदेश की प्रति अभिप्राप्त करने में लगे समय को अपवर्जित कर दिया जाएगा।

(3) उप-नियम (1) के अधीन की गई प्रत्येक अपील, अपीलार्थी या उसके सम्यक् रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा ज्ञापन के रूप में प्रस्तुत की जाएगी और अपील के साथ, निदेशक, शहरी विकास, जिसको अपील प्रस्तुत की जाती है या प्रस्तुत की जानी है, के नाम समुचित लेखाशीर्ष के अधीन सरकारी खजाना या उप खजाना में फीस के रूप में केवल 2500/-रुपए (दो हजार पाँच सा रुपए) की जमा की गई राशि का साक्ष्य देते हुए खजाना चालान संलग्न किया जाएगा। ज्ञापन, अपील किए गए आदेश के आक्षेपों आधारों को संक्षिप्त रूप में उपवर्णित करेगा और उसके साथ ऐसे आदेश की प्रति भी संलग्न की जाएगी।

(4) उप-नियम (1) के अधीन अपील के प्राप्त होने पर, निदेशक, शहरी विकास उस प्राधिकृत अधिकारी से, जिसके विनिश्चय के विरुद्ध अपील प्रस्तुत की है, अभिलेख मंगाने के पश्चात्, यदि कोई हो, ऐसे आदेश पारित कर सकेगा, जैसे वह उचित समझे जो अन्तिम होंगे।

(5) अपील में पारित आदेश की एक प्रति आयोग और राज्य सरकार को भेजी जाएगी।

7. अपील का उपशमन।—यदि अपील के लम्बित रहने के दौरान अपीलार्थी या प्रत्यर्थी की मृत्यु हो जाती है तो, अपील का उपशमन हो जाएगा और निदेशक, शहरी विकास ऐसी घटना का नोटिस राज्य सरकार को भिजवाएगा।

अध्याय-11

प्रक्रीण

1. शास्त्रियां—यदि कोई व्यक्ति जो अधिनियम के अधीन, आयोग में प्रतिनियुक्ति पर है या कोई लोक सेवक जिसे वार्डों के परिसीमन, निर्वाचन नामावली के तैयार करने अथवा निर्वाचन का संचालन करने के सम्बंध में डियूटी पर लगाया गया है, अधिनियम के अधीन नियुक्त किसी अधिकारी द्वारा जारी किन्हीं आदेशों की अवज्ञा करता है या इन नियमों के उपबंधों का उल्लंघन करता है तो वह राज्य सरकार द्वारा अंगीकृत केन्द्रीय सिविल सेवाएं (आचरण नियम), 1964 के अधीन या इस प्रयोजन के लिए तत्समय प्रवृत्त सुसंगत विधि और प्रथा के अनुसार दण्डनीय होगा।

2. निरसन और व्यावृत्तियाँ।—(1) हिमाचल प्रदेश नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1994, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (वार्ड का परिसीमन और आरक्षण) नियम, 1994 तथा हिमाचल प्रदेश

नगरपालिका (अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए आरक्षण) नियम, 1995 का एतदद्वारा निरसन किया जाता है,

परन्तु—

(क) ऐसा निरसन, उक्त नियमों, अधिसूचनाओं और आदेशों से पूर्व प्रवर्तन या उनके अधीन की गई किसी भी बात या कार्रवाई पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा; और

(ख) इन नियमों के प्रारम्भ के समय उक्त नियमों, अधिसूचनाओं या आदेशों के अधीन लम्बित किसी भी प्रकार की कार्यवाहियां जारी रहेंगी और जहां तक हो सके इनका निपटान इन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जाएगा।

(2) इन नियमों की कोई भी बात किसी भी व्यक्ति, जिसको यह नियम लागू होते हैं, इन नियमों के प्रारम्भ से पूर्व पारित किसी आदेश की बाबत, उप नियम (1) के अधीन इस प्रकार निरसित नियमों, के अधीन उसे प्राप्त हुए अपील के अधिकार से वंचित नहीं करेगी।

(3) इन नियमों के आरम्भ से पूर्व किसी आदेश के विरुद्ध, लम्बित या ऐसे प्रारम्भ के पश्चात् की गई किसी याचिका पर विचार किया जाएगा और इन नियमों के अनुसार उस पर आदेश पारित किया जाएगा।

प्रूप-1
[नियम 6(1) देखें]

नगरपालिका को वार्ड में बांटने और प्रत्येक वार्ड की सीमाएं परिभाषित करने के प्रस्तावों के प्रकाशन का नोटिस

एतदद्वारा नोटिस दिया जाता है कि..... नगरपालिका को वार्ड में बांटने और प्रत्येक ऐसे वार्ड की सीमाएं परिभाषित करने के लिए प्रस्ताव, अधोहस्ताक्षरी और नगरपालिका..... के कार्यालय में आगामी दस दिन के लिए कार्यालय समय के दौरान निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगा।

उक्त प्रस्ताव में अन्तर्विष्ट किसी बात के लिए, कोई निवासी यदि कोई आक्षेप करना चाहे या सुझाव देना चाहे, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से दस दिन के भीतर अधोहस्ताक्षरी को प्रूप-2 में भेज सकेगा और नियत अवधि के भीतर प्राप्त आक्षेपों या सुझावों यदि कोई हों, पर प्रस्ताव को अन्तिम रूप देने से पूर्व विचार किया जाएगा।

स्थान:.....
तारीख:.....

उपायुक्त

प्रूप-2
[नियम 6(2) देखें]

सेवा में,

उपायुक्त

.....
.....

विषय:— वार्ड के परिसीमन के प्रारूप के लिए आक्षेप व सुझाव।

महोदय,

.....नगरपालिका क्षेत्र की बाबत तारीख.....को प्रकाशित वार्डों के परिसीमन प्रारूप प्रस्तावों के संदर्भ में ।

यह कि मैं.....वार्ड संख्या.....नगरपालिका क्षेत्र का निवासी/की निवासी हूं।

यह कि मेरे प्रारूप प्रस्तावों के विषय में निम्नलिखित आक्षेप या सुझाव हैं:—

- { 1 }
- { 2 }
- { 3 }
- { 4 }

भवदीय,

स्थान.....
तारीख.....

हस्ताक्षर,
पूरा नाम और पता।

प्ररूप-3 [नियम 19 देखें]

निर्वाचक नामावली के प्रकाशन का नोटिस

सेवा में,

नगरपालिका.....जिला.....हिमाचल प्रदेश के वार्ड संख्या.....के मतदाता।

एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि निर्वाचक नामावली, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 2015 के अनुसार तैयार की जा चुकी है और जिसकी प्रति मेरे कार्यालय और नगरपालिका और तहसीलदार के कार्यालय में कार्यालय समय के दौरान निरीक्षण के लिए उपलब्ध है।

यदि निर्वाचक नामावली में किसी नाम को सम्मिलित किए जाने के लिए कोई दावा हो, या किसी नाम के सम्मिलित किए जाने सम्बन्धी या किसी प्रविष्टि में किन्हीं विशिष्टियों के बारे में कोई आक्षेप हो, तो उसे/उन्हें जहां तक समुचित हो प्ररूप 4, 5 और 6 में, तारीख.....को या उससे पूर्व दाखिल किया जाएगा।

प्रत्येक ऐसा दावा या आक्षेप, पुनरीक्षण प्राधिकारी.....(पूरा पता) को सम्बोधित किया जाएगा और इसे या तो व्यक्तिगत रूप में या अभिकर्ता द्वारा प्रस्तुत किया जाना चाहिए या रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाना चाहिए, ताकि यह/ये पूर्वोक्त तारीख के भीतर उसके पास पहुंच जाए/जाएं।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी,
(नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत)।

स्थान.....
तारीख.....

प्र॒र॒प-४

[नियम 22 (1) और 28 देखें]

नाम सम्मिलित करने के लिए दावा आवेदन

सेवा में,

पुनरीक्षण प्राधिकारी / निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
.....(नगरपालिका परिषद / नगर पंचायत)

महोदय,

मैं निवेदन करता हूं कि मेरा नाम नगरपालिका से सम्बन्धित.....वार्ड की निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किया जाए।

पूरा नाम
पिता/माता/पति का नाम.....
निवास स्थान की विशिष्टियाँ :

मकान संख्या.....
गली/मुहल्ला/गांव.....
डाकघर.....
तहसील व जिला.....

मैं एतद्वारा अपने सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास से घोषणा करता हूं/करती हूं कि :—

- (i) मैं भारत का/की नागरिक हूं।
- (ii) मेरी आयु अर्थात् नियम 17 के खण्ड (क) के अधीन राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचित तारीख कोवर्ष.....मास थी।
- (iii) मैं उपरोक्त पते पर साधारणतः निवास करता/करती हूं।
- (iv) मैंने अन्य किसी नगरपालिका वार्ड की निर्वाचक नामावली में अपने नाम को सम्मिलित करने के लिए आवेदन नहीं किया है।
- (v) मेरा नाम उपरोक्त वर्णित नगरपालिका के किसी वार्ड या, यथास्थिति, किसी अन्य नगरपालिका या हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 के अधीन गठित ग्राम सभा की निर्वाचक नामावली में सम्मिलित नहीं किया गया है।
- (vi) या मेरा नामवार्ड के लिए निर्वाचक नामावली में निम्नलिखित पते पर सम्मिलित किया गया है और मैं अनुरोध करता/करती हूं कि उसे निर्वाचक नामावली से निकाल दिया जाए।

दावेदार के हस्ताक्षर / अंगूठा निशान,
(पूरा डाक पता)

.....
.....

मैं और घोषणा करता/करती हूं कि मेरे द्वारा दिए गए उपरोक्त तथ्य सही हैं और मैं यह भी जानता/जानती हूं कि यदि कोई व्यक्ति ऐसा कथन या घोषणा करता है, जो मिथ्या हो और जिसकी बाबत वह जानता या विश्वास करता है कि मिथ्या है या उसके सत्य होने में विश्वास नहीं करता है, प्रवृत्त विधि के अनुसार दण्डनीय होगा।

दावेदार के हस्ताक्षर/अंगूठा निशान।

स्थान.....

तारीख.....

मैं निवाचक नामावली के उसी भाग में सम्मिलित मतदाता हूं जिसमें दावेदार ने सम्मिलित किए जाने के लिए आवेदन किया है, अर्थात्से सम्बन्धितसंख्या.....उसमें मेरी क्रम संख्या.....है का एक मतदाता हूं।

मैं इस दावे का समर्थन करता हूं और इस पर प्रतिहस्ताक्षर करता हूं।

दावे को समर्थन देने वाले मतदाता के हस्ताक्षर/अंगूठा निशान,
(पूरा डाक पता)

.....
.....

प्र॒ल॒प—५

[नियम 22 (1) देखें।]

नाम सम्मिलित किए जाने पर आक्षेप

सेवा में,

पुनरीक्षण प्राधिकारी,
..... वार्ड

महोदय,

मैं नगरपालिका..... के वार्ड..... की निवाचक नामावली में
क्रम संख्या..... पर श्री..... के नाम को सम्मिलित किए जाने के सम्बन्ध में
निम्नलिखित कारणों से आक्षेप करता/करती हूं:—

.....
.....

मैं एतद्वारा घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त तथ्य मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सही हैं और मेरा नाम इस वार्ड की निर्वाचक नामावली में निम्न प्रकार से सम्मिलित किया गया है:—

पूरा नाम.....

पिता/माता/पति का नाम.....

क्रम संख्या..... नगरपालिका..... से सम्बन्धित
वार्ड का नाम तथा संख्या.....

आक्षेपकर्ता के हस्ताक्षर /अंगूठा निशान,
(पूरा डाक पता)

.....
.....

मैं उसी निवार्चक नामावली में सम्मिलित एक मतदाता हूँ, जिसमें आक्षेपित व्यक्ति का नाम है अर्थात् नगरपालिका..... से सम्बन्धित वार्ड का नाम।
उसमें मेरी क्रम संख्या..... है। मैं इस आक्षेप का समर्थन करता हूँ तथा इसको प्रतिहस्ताक्षरित करता/करती हूँ.....

आक्षेप का समर्थन करने वाले मतदाता का प्रति हस्ताक्षर /अंगूठा निशान,
(पूरा डाक पता)

.....
.....

टिप्पण.— यदि ऐसा व्यक्ति जो कोई ऐसा कथन या घोषणा करता है जो मिथ्या हो और जिसकी बाबत वह जानता या विश्वास करता है कि यह मिथ्या है या उसके सत्य होने में विश्वास नहीं करता है तो वह प्रवृत्त विधि के अनुसार दण्डनीय होगा।

प्र० 6
[नियम 22 (1) देखें]

किसी प्रविष्टि में विशिष्टियों से सम्बन्धित आक्षेप

सेवा में,

पुनरीक्षण प्राधिकारी/ निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी

वार्ड.....

..... नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत

महोदय,

निवेदन है कि नगरपालिका के वार्ड की नामावली के क्रम संख्या पर मेरे से सम्बन्धित प्रविष्टि अशुद्ध है। इसे निम्नलिखित रूप से शुद्ध किया जाएः—

.....
.....

दावेदार के हस्ताक्षर / अंगूठा निशान,
(पूरा डाक पता)

.....
.....

स्थान.....
तारीख.....

.....
.....

प्ररूप-7
[नियम 22 (4), (5) और नियम 24 देखें]

नाम सम्मिलित करने के दावे का रजिस्टर

..... नगरपालिका
..... वार्ड

क्रम संख्या	दावेदार का नाम	पिता का नाम और पता	दावा प्रस्तुत करने की तारीख	पक्षकारों की उपस्थिति में टिप्पणी सहित विनिश्चय की तारीख
1	2	3	4	5

स्वीकृत	अस्वीकृत	पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर	पुनरीक्षण प्राधिकारी के विनिश्चय को कार्यान्वित करने वाले पदधारी के हस्ताक्षर और तारीख
6	7	8	9

प्र॒र॒प-८

[नियम 22 (4) और (5) तथा नियम 24 देखें]

नाम सम्मिलित किए जाने के आक्षेप का रजिस्टर

.....नगरपालिका

वार्ड।

व्यक्ति जिसके सम्बन्ध में आक्षेप किया गया है			आक्षेपकर्ता के पिता/पति का नाम तथा पता	आक्षेपकर्ता की नामावली में क्रम संख्या	आक्षेप प्रस्तुत करने की तारीख
क्रम सं०	नाम	नामावली में क्रम संख्या			
1	2	3	4	5	6

पक्षकारों की उपस्थिति में टिप्पण सहित विनिश्चय की तारीख	विनिश्चय		पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर	पुनरीक्षण प्राधिकारी के विनिश्चय को कार्यान्वित करने वाले पदधारी के हस्ताक्षर और तारीख
	स्वीकृत	अस्वीकृत		
7	8	9	10	11

प्र॒र॒प-९

[नियम-22 (4) और 5 तथा नियम 24 देखें]

प्रविष्टि की विशिष्टियों सम्बन्धी आक्षेप का रजिस्टर

.....नगरपालिका

वार्ड।

क्रम संख्या	आक्षेपकर्ता का नाम	आक्षेप प्रस्तुत करने की तारीख	नामावली में यथा विद्यमान विशिष्टियां	आक्षेपकर्ता द्वारा यथा आवेदित शुद्ध विशिष्टियां
1	2	3	4	5

स्वीकृत	अस्वीकृत	पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर	पुनरीक्षण प्राधिकारी के विनिश्चय को कार्यान्वित करने वाले पदधारी के हस्ताक्षर तथा तारीख
6	7	8	9

प्रूप-10
[नियम-23 (1) देखें]

दावों की सूची

.....नगरपालिका

.....वार्ड |

प्राप्ति की तारीख	क्रम संख्या	दावेदार का नाम	पिता / पति / माता का नाम	पता	सुनवाई की तारीख, समय और स्थान
1	2	3	4	5	6

पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर।

प्रूप-11
[नियम-23(1) देखें]

नाम सम्मिलित किए जाने सम्बन्धी आक्षेपों की सूची

.....नगरपालिका

.....वार्ड |

प्राप्ति की तारीख	क्रम संख्या	आक्षेपकर्ता का पूरा नाम
1	2	3

आक्षेप किये जाने वाले नाम की विशिष्टि प्रविष्टियों की क्रम संख्या	पूरा नाम	संक्षिप्त आक्षेप	सुनवाई की तारीख, समय और स्थान			
			4	5	6	7

पुनरीक्षण अधिकारी के हस्ताक्षर।

प्रूप-12
[नियम-23 (1) देखें]

प्रविष्टियों में विशिष्टियों के आक्षेप की सूची

.....नगरपालिका.....वार्ड।

प्राप्ति की तारीख	क्रम संख्या	आक्षेप करने वाले का पूरा नाम
1	2	3

प्रविष्टि की पार्ट संख्या और क्रम संख्या	आक्षेप का स्वरूप	सुनवाई की तारीख, समय और स्थान
4	5	6

पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर।

प्रूप-13
[नियम-23 (2) देखें]

दावे की सुनवाई का नोटिस

सेवा में,

.....
.....
(दावेदार का पूरा नाम और पता)

सन्दर्भ संख्या.....

निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित किए जाने के लिए आपके दावे की सुनवाई
.....(स्थान) मेंबजे (समय) 201..... (तारीख) को की जाएगी।

आप से निवेदन किया जाता है कि आप स्वयं या अपने प्राधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से ऐसे साक्ष्यों सहित, जो आप प्रस्तुत करना चाहे सुनवाई के समय उपस्थित हों।

स्थान
तारीख (पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर)
..... वार्ड।

प्ररूप—14
[नियम—23 [2] देखें]

आक्षेप की सुनवाई का नोटिस

सेवा में,

.....
.....

(आक्षेपकर्ता का पूरा नाम और पता)

सन्दर्भ/आक्षेप संख्या.....

आपका नाम सम्मिलित किए जाने के सम्बन्ध में आप के आक्षेप पर सुनवाई
(स्थान) मेंबजे (समय) 201..... (तारीख) को की जाएगी।

आपको निर्देश दिया जाता है कि आप स्वयं या अपने प्राधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से ऐसे साक्ष्यों सहित, जो प्रस्तुत करना चाहें, सुनवाई के समय उपस्थित हों।

स्थान
.....

(पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर)

तारीख
.....वार्ड

प्ररूप—15
[नियम—23 (3) देखें]

आक्षेप की सुनवाई का नोटिस

सेवा में,

.....
.....

(उस व्यक्ति का पूरा नाम व पता जिसके विरुद्ध में आक्षेप प्राप्त हुआ है)

सन्दर्भ/आक्षेप संख्या.....

आपके नाम का नगरपालिका केवार्ड की निर्वाचक नामावली में
क्रम संख्या पर सम्मिलित किए जाने सम्बन्धी
(आक्षेपकर्ता का पूरा नाम और पता) द्वारा दाखिल किए गए आक्षेप की सुनवाई
(स्थान) मेंबजे (समय) 201..... (तारीख) को की जाएगी।

आपको निदेश दिया जाता है कि आप स्वयं या अपने प्राधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से, ऐसे साक्ष्यों सहित, जो आप प्रस्तुत करना चाहें, सुनवाई के समय उपस्थित हों।

आक्षेप के आधार (संक्षिप्त रूप में) इस प्रकार हैः—

- (क)
- (ख)
- (ग)

स्थान
	(पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर)
तारीख वार्ड।

प्रूप-16

[नियम-23 (2) देखें]

निर्वाचक नामावली में विशिष्टियों से सम्बन्धित आक्षेप की सुनवाई का नोटिस
सेवा में,

.....
.....
(आक्षेपकर्ता का पूरा नाम व पता)

सन्दर्भ/आक्षेप संख्या.....

आपसे सम्बन्धित कतिपय प्रविष्टियों के विषय में आपके आक्षेप की सुनवाई
(स्थान) में बजे (समय) 201..... (तारीख) को होगी। आपको निदेश दिया जाता है कि आप स्वयं या अपने प्राधिकृत अभिकर्ता के माध्यम से, ऐसे साक्ष्यों सहित जो आप प्रस्तुत करना चाहें, सुनवाई के समय उपस्थित हों।

स्थान
	(पुनरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर)
तारीख वार्ड।

प्रूप-17

[नियम-25 (1) देखें]

निर्वाचक नामावली के अन्तिम प्रकाशन का नोटिस

जन साधारण की सूचना के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि नगरपालिका
की वार्ड संख्या की निर्वाचक नामावली हिमाचल प्रदेश नगरपालिका निर्वाचन नियम,
2015 के अनुसार तैयार कर दी गई है और उक्त निर्वाचन नामावली एतद्वारा अन्तिम रूप में प्रकाशित की
जाती है।

स्थान
तारीख निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
(नगरपालिका परिषद् / नगर पंचायत)।

प्रूप-18

[नियम-27 देखें]

निर्वाचक नामावली में प्रविष्टि करने या उसके हटाए जाने के लिए आवेदन

सेवा में,

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी,

महोदय,

मैं यह निवेदन करता हूं कि वार्ड / मतदान केन्द्र
की निर्वाचक नामावली की क्रम सं0..... पर की गई^{.....}
प्रविष्टि जो श्री / श्रीमती पुत्र / पत्नी / पुत्री से
सम्बन्धित है, को समिलित किया जाना / हटाया जाना अपेक्षित है क्योंकि उक्त व्यक्ति, निम्नलिखित कारणों
से निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत किए जाने का हकदार नहीं है:-
.....
.....

मैं एतद्वारा घोषणा करता हूं कि मेरे द्वारा प्रस्तुत किए गए उपर्युक्त तथ्य मेरी जानकारी और विश्वास
के अनुसार सही है और मैं यह भी जानता हूं कि कोई व्यक्ति जो ऐसा कथन या घोषणा करता है, जो मिथ्या
है या जिसको वह जानता है या विश्वास करता है कि वह मिथ्या है या उसके सत्य होने पर विश्वास नहीं
करता है, प्रवृत्त विधि के अनुसार दण्डनीय होगा।

मैं घोषणा करता हूँ कि मैं इस वार्ड का मतदाता हूँ तथा मेरा नाम क्रम संख्या.....
पर दर्ज है।

स्थान.....
तारीख.....

आवेदक के हस्ताक्षर/अंगूठे का
निशान (पूरा डाक पता)

प्ररूप-19

[नियम-36 देखें]

निर्वाचन कार्यक्रम का नोटिस

एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि:-

1. नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के -----वार्ड (वार्डों) से सदस्य को निर्वाचित करने के लिए निर्वाचन किया जाना है।
2. अभ्यर्थी या उसके प्रस्तावक द्वारा नामांकन पत्र.....पर 11.00 बजे पूर्वान्ह तथा 3.00 बजे अपरान्ह के मध्य.....तारीख से.....तारीख तक प्राधिकारी को दिया जा सकेगा।
3. नामांकन पत्र के प्ररूप उपर्युक्त स्थान और समय पर अभिप्राप्त किए जा सकेंगे।
4. नामांकन पत्रों की संवीक्षा.....तारीख को.....बजे तक होगी।
5. अभ्यर्थिता की वापसी का नोटिस अभ्यर्थी या उसके प्रस्तावक द्वारा पैरा (2) में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को उसके कार्यालय में.....तारीख को 3.00 बजे अपरान्ह से पूर्व परिदत्त किया जाएगा।
6. निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को चिन्हों (प्रतीकों) का आबंटन.....(तारीख) को नामांकन वापस लेने के अवधि की समाप्ति पर और प्ररूप 25 में बजे अपरान्ह तक निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करने के पश्चात् (तारीख) को किया जाएगा।
7. निर्वाचन करवाए जाने की दशा में मतदान(तारीख) को बजे के मध्य होगा।

रिटर्निंग अधिकारी के
मोहर सहित हस्ताक्षर।

प्ररूप-20

[नियम-38 (2)देखें]

नामांकन पत्र

नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के वार्ड नम्बर से सदस्य के पद के लिए निर्वाचन।

मैं एतद्वारा श्री/श्रीमती पुत्र/पुत्री (अभ्यर्थी के पिता का पूर्ण पते सहित नाम) को उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एतद्वारा नाम निर्दिष्ट करता हूँ उसका नाम नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के वार्ड संख्या के मतदान केन्द्र संख्या की निर्वाचक नामावली में क्रम संख्या पर प्रविष्ट है।

मेरा नाम नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के वार्ड संख्या के मतदान केन्द्र संख्या की निर्वाचक नामावली की क्रम संख्या पर प्रविष्ट है।

तारीख प्रस्तावक के हस्ताक्षर
प्रस्तावक का पूरा नाम और पता।

(अभ्यर्थी द्वारा भरा जाएगा)

मैं, उपर्युक्त अभ्यर्थी, इस नामांकन के लिए सहमति देता हूँ और एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि :—

(क) मैंने वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है;

(ख) मुझे प्रवृत्त किसी विधि के अधीन निर्वाचन लड़ने के लिए निरहित नहीं किया गया है ; और

(ग) मैं हिमाचल प्रदेश में यथा घोषित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य पिछड़ा वर्ग की जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग से सम्बन्ध रखता हूँ।

तारीख अभ्यर्थी के हस्ताक्षर।

टिप्पणि :—अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति अथवा अन्य पिछड़ा वर्ग से सम्बन्धित दावे के समर्थन में हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र की प्रति इसके साथ संलग्न है।

तारीख अभ्यर्थी के हस्ताक्षर।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट द्वारा सत्यापन

श्री/श्रीमती की उपर्युक्त घोषणा का मेरे समक्ष सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान किया गया है, जिसको मैं व्यक्तिगत रूप में जानता हूँ / या जिसकी मेरे समाधानप्रद द्वारा पहचान करवाई गई है।

स्थान मुहर सहित हस्ताक्षर।

तारीख मुहर सहित हस्ताक्षर।

(नामांकन पत्र को स्वीकृत या अस्वीकृत करने के सम्बन्ध में रिटर्निंग अधिकारी का विनिश्चय)
(रिटर्निंग अधिकारी द्वारा भरा जाएगा)

मैंने इस नामांकन पत्र की, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 2015 के नियम 41 के अनुसार जांच कर ली है और मेरा विनिश्चय निम्नलिखित प्रकार से है:-

स्थान

रिटर्निंग अधिकारी।

तारीख

अभ्यर्थी को आबंटित चिह्न (प्रतीक).....है।

स्थान

रिटर्निंग अधिकारी।

तारीख

नामांकन पत्र की रसीद

(रिटर्निंग अधिकारी या विनिर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा भरा जाएगा)

नामांकन पत्र की क्रम संख्या

यह नामांकन पत्र मुझे मेरे कार्यालय में.....तारीख को.....बजे दिया गया और
इसकी संवीक्षातारीख कोबजे.....(स्थान) में होगी।

स्थान

रिटर्निंग अधिकारी /
विनिर्दिष्ट प्राधिकारी

तारीख

महत्वपूर्ण टिप्पण:

- (i) रिटर्निंग अधिकारी इस बात की जांच करेगा कि प्ररूप 20 (नामांकन पत्र) के साथ प्रत्येक अभ्यर्थी को हिमाचल प्रदेश पंचायत तथा नगरपालिका निर्वाचन (उमीदवारों द्वारा निर्दिष्ट सूचना का प्रकटीकरण) विनियमन, 2004 के अधीन राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा विहित उपाबन्ध-1 की प्रति दे दी गई है।
- (ii) प्रत्येक निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए यह अनिवार्य होगा कि वह नामांकन पत्र के साथ, उपरोक्त उपाबन्ध-1 को, शपथ रूप में उसे मजिस्ट्रेट या नोटरी पब्लिक या शपथ आयुक्त (ओथ कमिशनर) से सत्यापित करवा के, प्रस्तुत करे।
- (iii) अभ्यर्थी उक्त उपाबन्ध की, मूल शपथ पत्र सहित, अतिरिक्त सत्यापित प्रति भी रिटर्निंग अधिकारी को देगा।

प्रूप-21

[नियम-40 देखें]

नामांकन का नोटिस

नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के वार्ड संख्या से सदस्य का निर्वाचन।

एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपर्युक्त निर्वाचन के सम्बन्ध में आज (तारीख) 3:00 बजे अपराह्न तक निम्नलिखित नामांकन प्राप्त हुए हैं :—

नामांकन पत्र की क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	पिता/पति का नाम	अभ्यर्थी की आयु	पता
1	2	3	4	5

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति/अन्य पिछड़ा वर्ग से सम्बन्धित अभ्यर्थियों की जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग की विशिष्टियां	निर्वाचक नामावली में अभ्यर्थी की क्रम संख्या	प्रस्तावक का नाम	निर्वाचक नामावली में प्रस्तावक की क्रम संख्या
6	7	8	9

स्थान
तारीख

रिटर्निंग अधिकारी या
विनिर्दिष्ट प्राधिकारी।

प्रूप-22

[नियम 41 (7) देखें]

विधिमान्य रूप से नाम –निर्दिष्ट अभ्यर्थियों की सूची

नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के वार्ड संख्या से सदस्य का निर्वाचन।

क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	पिता/पति का नाम	अभ्यर्थी का पता
1	2	3	4

स्थान.....
तारीख.....

रिटर्निंग अधिकारी।

[नियम 42 (1) देखें]

नाम वापसी का नोटिस

नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत वार्ड से सदस्य का
निर्वाचन।

सेवा में,

रिटर्निंग अधिकारी,

.....
.....

मैं उक्त निर्वाचन के लिए नाम निर्दिष्ट अभ्यर्थी एतदद्वारा अपनी
अभ्यर्थिता वापिस लेने का नोटिस देता हूँ।

स्थान.....

तारीख..... अभ्यर्थी के हस्ताक्षर।

यह नोटिस मुझे (नाम) द्वारा तारीख
को बजे मेरे कार्यालय में दिया गया।

रिटर्निंग अधिकारी या
विनिर्दिष्ट प्राधिकारी।

नाम वापस लेने के लिए नोटिस की पावती (रसीद)
(अभ्यर्थिता की वापसी के नोटिस की रसीद, नोटिस देने वाले व्यक्ति को दी जानी है)

नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत के वार्ड संख्या के सदस्य के
निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी की अभ्यर्थिता की वापिसी का नोटिस
द्वारा मेरे कार्यालय में बजे
(तारीख) को परिदत्त किया गया।

रिटर्निंग अधिकारी या
विनिर्दिष्ट प्राधिकारी।

तारीख.....

[नियम 42 (2) देखें]

अभ्यर्थिता की वापसी का नोटिस

नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत के वार्ड संख्या के
सदस्य का निर्वाचन।

एतद्वारा नोटिस दिया जाता है कि निम्नलिखित अभ्यर्थी/अभ्यर्थियों ने उक्त निर्वाचन से अपनी अभ्यर्थिता/अभ्यर्थिताएं आज वापिस ले ली हैं/हैं :—

क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी का पता	टिप्पणी
1	2	3	4
1			
2			
3			
4			
5 इत्यादि			

स्थान..... रिटर्निंग अधिकारी या
विनिर्दिष्ट प्राधिकारी।

प्ररूप-25

[नियम 43 देखें]

निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची

नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के वार्ड संख्या के
सदस्य का निर्वाचन।

क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	अभ्यर्थी का पता	आबंटित चिन्ह (प्रतीक)
1	2	3	4

तारीख..... रिटर्निंग अधिकारी।

स्थान.....

प्ररूप-26

[नियम 45 देखें]

निर्वाचन अभिकर्ता की नियुक्ति का प्ररूप

मैं, नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के वार्ड
संख्या से सदस्य, के को होने वाले निर्वाचन के लिए

अभ्यर्थी, एतदद्वारा श्री / श्रीमती.....पुत्र / पुत्रीनिवासी.....

को, इस तारीख से उपरोक्त निर्वाचन की समाप्ति तक अपने निर्वाचन अभिकर्ता के रूप में नियुक्त करता हूँ।

तारीख.....

स्थान.....

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर।

मैं उपरोक्त नियुक्ति को स्वीकार करता हूँ।

निर्वाचन अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

मैं एतदद्वारा घोषणा करता हूँ कि उक्त निर्वाचन में ऐसा कुछ नहीं करूगा, जो हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 और तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा निषिद्ध है, जिन्हें मैंने पढ़लिया है/जिन्हें मुझे पढ़कर सुनाया गया है।

तारीख:.....

स्थान:.....

अनुमोदित

निर्वाचन अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

तारीख.....

स्थान.....

रिटर्निंग अधिकारी के हस्ताक्षर।

प्ररूप—27

[नियम 46 (2) देखें]

मतदान अभिकर्ता की नियुक्ति

नगरपालिका परिषद/नगर पंचायतके वार्ड संख्या.....से का सदस्य

मैं..... उक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी एतदद्वारा श्री /
पुत्र / पुत्री श्री निवासी को, मतदान संख्या
पर, जो पर मतदान के लिए नियत स्थान है, मतदान अभिकर्ता के रूप में नियुक्त करता हूँ।

तारीख.....

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर।

स्थान.....

मैं ऐसे मतदान अभिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए सहमत हूँ।

मतदान अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

(मतदान अभिकर्ता की घोषणा, जो पीठासीन अधिकारी के समक्ष हस्ताक्षरित की जानी है)

मैं एतद्वारा घोषणा करता हूं कि उक्त निर्वाचन में ऐसा कुछ नहीं करुंगा, जो हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 और तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा निषिद्ध, है, जिन्हें मैंने पढ़ लिया है/जिन्हें मुझे पढ़कर सुनाया गया है।

स्थान :

तारीख :

मतदान अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए।

स्थान.....

तारीख.....

पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर।

प्ररूप—28

[नियम-48 (2) देखें]

वार्ड के लिए निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा निर्वाचन व्यय के दैनिक लेखों के अनुरक्षण का रजिस्टर।

1. अभ्यर्थी का नाम
2. वार्ड का नाम जहां से निर्वाचन लड़ा गया
3. पद जिसके लिए निर्वाचन लड़ा गया
4. नामांकन पत्र दाखिल करने की तारीख
5. परिणाम घोषित किए जाने की तारीख

व्यय की तारीख	व्यय का स्वरूप	व्यय की राशि		भुगतान की तारीख
		संदत	बकाया	
1.	2.	3.	4.	5.

पाने वाले का नाम और पता	संदत्त रकम की दशा में वाउचरों की संख्या	बकाया रकम की दशा में बिलों की संख्या	उस व्यक्ति का नाम और पता जिसे बकाया रकम दी जानी है	टिप्पणियां
6.	7.	8.	9.	10.

प्रमाणित किया जाता है कि यह मेरे,/ मेरे निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा अनुरक्षित किए गए लेखों की सही प्रति है।

निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी के हस्ताक्षर।

[नियम-48(5) और (10) देखें]

वार्ड का निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा दिए जाने वाले निर्वाचन व्यय का ब्यौरा

निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम

वार्ड/नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत का नाम

व्यय की मद	स्रोत जिनसे राशि उपाप्त हुई	व्यय की रकम	संदाय की तारीख	संदाय की रीति	लेखे के साथ संलग्न संदाय का साक्ष्य	टिप्पणियां
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.

1. प्रतिभूति निक्षेप पर व्यय।
2. निर्वाचन नामावालियों की प्रतियों के क्रय पर व्यय।
3. घोषणा-पत्र की छपवाई एवं पोस्टरों/इश्तहारों आदि की छपवाई पर व्यय।
4. पोस्टरों के चिपकाने पर व्यय।
5. दीवार पर लिखवाने पर और विज्ञापनों के प्रकाशन पर व्यय।
6. जन सभाओं के लिए स्थानों पर किराया प्रभार और जन सभाओं के लिए पंडालों आदि के किराया प्रभार।
7. जन सभाओं के लिए लाउडस्पीकरों पर किराया प्रभार।
8. अभ्यर्थी द्वारा प्रयोग किए गए वाहनों के किराया, पेट्रोल, तेल और स्नेहक (पी० ओ०एल०) पर प्रभार।
9. निर्वाचन अभिकताओं/मतदान अभिकर्ताओं द्वारा प्रयोग में लाए गए वाहनों के पैट्रोल, तेल और स्नेहक (पी० ओ० एल०) आदि तथा किराया पर प्रभार।
10. विविध व्यय (उपरोक्त से अन्यथा)

निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी के हस्ताक्षर।

[नियम-48 (10) देखें]

वार्ड का निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा दिया जाने वाला निर्वाचन व्यय प्रस्तुत करने के लिए प्रपत्र

1. अभ्यर्थी का नाम

2. वार्ड
 3. पद जिसके लिए निर्वाचन लड़ रहा है
 4. नामांकन पत्र दाखिल करने की तारीख
 5. परिणाम घोषित किए जाने की तारीख

व्यय की तारीख	व्यय का स्वरूप	व्यय की राशि		संदाय की तारीख
		संदत्त	बकाया	
1.	2.	3.	4.	5.

पाने वाले का नाम और पता	व्यय की गई रकम के वाउचर की संख्या	बकाया रकम की दशा में बिलों की संख्या	उन व्यक्तियों का नाम और पता जिन्हें बकाया रकम संदेय है।	टिप्पणियां
6.	7.	8.	9.	10.

प्रमाणित किया जाता है कि यह मेरे द्वारा / मेरे निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा अनुरक्षित लेखों की सही प्रति है।

निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी के हस्ताक्षर।

प्ररूप-31

[नियम-48 (10) देखें]

शपथ पत्र

मैं सुपुत्र/पत्नी/पुत्री आयु वर्ष
 निवासी एतदद्वारा/सत्यनिष्ठा और ईमानदारी से निम्नलिखित घोषणा करता/करती हूँ:-

(1) यह कि मैं साधारण निर्वाचन/उप निर्वाचन में वार्ड संख्या/नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत जिसका परिणाम तारीख को घोषित हुआ था, मैं निर्वाचन लड़ने वाला अभ्यर्थी था/थी ।

(2) यह कि मेरे द्वारा/मेरे निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा (तारीख जिसमें मैं नामनिर्दिष्ट हुआ/हुई) एवं जिस तारीख को परिणाम घोषित हुआ, दोनों तारीखों को मिलाते हुए, की अवधि का, उपरोक्त निर्वाचन के सम्बन्ध में मेरे द्वारा स्वयं/मेरे निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा उपगत या प्राधिकृत व्यय का सही लेखा अनुरक्षित किया गया था।

(3) यह कि उक्त लेखा हिमाचल प्रदेश नगरपालिका निर्वाचन नियम, 2015 से संलग्न प्ररूप 28 से 30 में अनुरक्षित किया गया है और उक्त लेखे की सत्यापित प्रति उपरोक्त लेखे के समर्थित वाउचर/बिलों के साथ संलग्न की जा रही है।

(4) यह कि मेरे निर्वाचन व्ययों के लेखे, जो इसके साथ संलग्न हैं, में, मेरे द्वारा या मेरे निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा प्राधिकृत या उपगत निर्वाचन व्यय की सभी मर्दें सम्मिलित हैं और उसमें कुछ भी छिपाया या रोका/दबाया नहीं गया है।

(5) यह कि उपरोक्त पैरा (1) से (4) में दिए गए विवरण मेरी निजी जानकारी के अनुसार सही है और कुछ भी मिथ्या नहीं है और इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

अभिसाक्षी

द्वारा 201..... के दिन को
..... द्वारा
सत्यनिष्ठा से ली गई शपथ।

प्ररूप-32

[नियम-48 (11) देखें]

अभिस्वीकृति

.....वार्ड जिसका परिणाम तारीख.....को घोषित किया गया था, के
श्री.....(अभ्यर्थी) द्वाराको निर्वाचन में हुए व्यय का विस्तृत लेखा
(व्यौरा) विहित प्रोफार्मा पर दाखिल कर दिया गया है एवं जिसे आज तारीख.....को मेरे द्वारा
प्राप्त किया गया है।

रिटर्निंग अधिकारी।

प्ररूप-33

[नियम-50(1) देखें]

जिस स्थान के लिए निर्वाचन न लड़ा गया हो, उस में प्रयोग किया जाने हेतु

नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत..... के वार्ड संख्या..... के सदस्य
का निर्वाचन।

मैं हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 2015 के नियम 50 में अन्तर्विष्ट उपबन्ध के अनुसरण
में घोषणा करता हूं कि :-

नाम

पता

को उपरोक्त वार्ड से सम्यक् रूप में सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया है।

रक्तान

तारीख रिटर्निंग अधिकारी के हस्ताक्षर।

प्ररूप—34**[नियम 56 (2), और 75(1)(छ) देखें]****भाग—1****प्रयुक्त की गई पेपर सील का अभिलेख**

नगरपालिका परिषद् / नगर पंचायत के लिए वार्ड से निर्वाचन।

मतदान केन्द्र का नाम और संख्या.....

प्रयुक्त की गई मतपेटी की क्रम संख्या	प्रयुक्त की गई पेपर सीलों की क्रम संख्या	टिप्पणी
1.	2.	3.

मतदान अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

भाग—2**पेपर सील का लेखा**

1. जारी की गई पेपर सीलों की क्रम संख्या से तक
कुल (योग).....

2. प्रयुक्त की गई पेपर सील की संख्या
क्रम संख्या से तक संख्या
कुल (योग).....

3. अप्रयुक्त पेपर सीलों की,
क्रम संख्या से तक संख्या
कुल (योग).....

4. क्षतिग्रस्त सीलों, यदि कोई	4.....
हों, (की क्रम संख्या.....	
से.....तक	
कुल (योग).....	

रथान.....
तारीख.....

पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर

प्र० ३५

[नियम ५८ (१) देखें]

मत—पत्र

नगरपालिका परिषद / नगर पंचायत की वार्ड संख्या से सदस्य का निर्वाचन ।

वार्ड

मतदाता की क्रम संख्या

संख्या

हस्ताक्षर / अंगूठा निशान ।

वार्ड का नाम और संख्या

अभ्यर्थी का नाम	चिन्ह (प्रतीक)
1.	
2.	
उपरोक्त में से कोई नहीं	

प्र० ३६

[नियम ६४ (१) देखें]

निर्वाचन कर्तव्य (इलैक्शन ड्यूटी) प्रमाण पत्र के लिए आवेदन

सेवा में,

रिटर्निंग अधिकारी,

वार्ड संख्या

नगरपालिका परिषद / नगर पंचायत

महोदय,

मैं नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत की वार्ड संख्या से सदस्य के लिए आगामी निर्वाचन में अपना मत देना चाहता हूँ।

मुझे नगरपालिका के वार्ड (मतदान केन्द्र का नाम और संख्या) में निर्वाचन कर्तव्य (इलैक्शन डूटी) पर नियुक्त किया गया है किन्तु मेरा नाम नगरपालिका के वार्ड के मतदान केन्द्र की निर्वाचक की नामावली की कम संख्या पर प्रविष्ट है।

मैं प्रार्थना करता हूँ कि मुझे (प्ररूप-38 में) एक निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र, उस मतदान केन्द्र से जहां मतदान के दिन कर्तव्यारूढ़ रहूँगा, मत देने के लिए जारी किया जाए।

यह प्रमाण पत्र मुझे निम्न पते पर भेजा जाए :—

नाम :

पता :

स्थान.....

भवदीय,

तारीख.....

()

प्ररूप-37

[नियम 64 (2) देखें]

रिटर्निंग अधिकारी को सूचना का पत्र

प्रेषित,

रिटर्निंग अधिकारी,
वार्ड संख्या (नाम सहित) नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत.....

महोदय,

मैं नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के (वार्ड) से सदस्य के लिए आगामी निर्वाचन में अपना मत देना चाहता हूँ।

मेरा नाम नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के वार्ड संख्या की निर्वाचक नामावली के मतदान केन्द्र (संख्या और नाम) में कम संख्या पर प्रविष्ट है।

मुझे सदस्य के निर्वाचन हेतु डाक मत-पत्र निम्नलिखित पते पर भेजा जाए :—

नाम

पता.....

स्थान.....

भवदीय,

तारीख.....

()

[नियम 64 और 65 (1) देखें]

निर्वाचन कर्तव्य इलैक्शन डयूटी प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत के.....वार्ड संख्या.....में निर्वाचक है।.....मतदान केन्द्र (संख्या और नाम) के लिए उसका निर्वाचक नियमावली संख्या.....है, उसके निर्वाचन कर्तव्य रूढ़ होने के कारण वह उस मतदान केन्द्र में जहां वह मत देने का हकदार है, व्यक्तिगत रूप में मत देने में असमर्थ है और इसलिए उसे वार्ड केमतदान केन्द्र.....(संख्या और नाम) में जहां मतदान के दिन वह कर्तव्यारूढ़ हो, मत देने के लिए प्राधिकृत किया जाता है ।

स्थान.....

रिटर्निंग अधिकारी के हस्ताक्षर ।

तारीख.....

मोहर

प्रूप-39

[नियम 68(1) देखें]

अन्ये या अपंग मतदाता के सहयोगी (साथी) द्वारा घोषणा

नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत.....के (वार्ड).....के लिए वार्ड संख्या से सदस्य का निर्वाचन ।

मैं (मतदान केन्द्र की संख्या और नाम) सुपुत्र.....काआयु.....निवासी.....(पूरा पता) एतद्वारा घोषणा करता हूं कि :—

- (क) आज तारीख.....को मैंने इस या किसी अन्य मतदान केन्द्र पर किसी अन्य मतदाता के सहयोगी (साथी) के रूप में कार्य नहीं किया है; और
- (ख) मैंकी ओर से डाले गए मत की गोपनीयता को व्यक्त नहीं करूँगा ।

मतदाता का नाम और निर्वाचन नियमावली में क्रम संख्या दी जाए ।

स्थान

तारीख.....

सहयोगी के हस्ताक्षर ।

प्ररूप-40

[नियम 68 (2) देखें]

अन्ये और अपंग मतदाताओं की सूची

नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायतके लिए वार्ड संख्या.....से सदस्य का निर्वाचन।

मतदान केन्द्र का नाम व संख्या.....

मतदाता की क्रम संख्या	मतदाता का पूरा नाम	सहयोगी (साथी) का पूरा नाम	सहयोगी (साथी) का पता	सहयोगी (साथी) के हस्ताक्षर
1	2	3	4	5

तारीख.....

पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर।

प्ररूप-41

[नियम 70 (2) और 75 देखें]

निविदित मतों की सूची

नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत वार्ड संख्या.....से सदस्य का निर्वाचन।

मतदान केन्द्र का नाम व संख्या.....

क्रम संख्या	मतदाता का नाम	मतदाता का पता	निविदित मतपत्र की क्रम संख्या
1	2	3	4

उस व्यक्ति को जारी किए गए मतपत्र की क्रम संख्या जिसने पहले ही मतदान कर दिया हो	मत देने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर व निशान अंगूठा
5	6

स्थान.....

तारीख.....

पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर।

[नियम 71 और 75(च) देखें]

उन मतों की सूची जिनके बारे में आक्षेप किया गया है

नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के लिए वार्ड संख्या से
सदस्य का निर्वाचन ।

मतदान केन्द्र का संख्या और नाम

मतदाता की क्रम संख्या	नाम व पता	मतदाता के हस्ताक्षर या निशान अंगूठा	पहचान कर्ता का नाम, यदि कोई हो	प्रत्येक मामले में पीठासीन अधिकारी का आदेश
1	2	3	4	5

स्थान.....

तारीख.....

पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर ।

[नियम 74 और 80(6) देखें]

मतपत्रों का लेखा

नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के लिए वार्ड संख्या से सदस्य
का निर्वाचन ।

मतदान केन्द्र की संख्या और नाम.....

भाग-I

	क्रम संख्या	कुल संख्या
(i) प्राप्त मतपत्र		
(ii) अप्रयुक्त मतपत्र		
(iii) मतदाताओं को जारी किए गए मतपत्र		
(iv) रद्द किए गए मतपत्र		
(v) निविदित मतों के लिए प्रयुक्त किए गए मतपत्र		

तारीख.....

स्थान.....

पीठासीन अधिकारी के हस्ताक्षर ।

भाग-II**गणना की विवरणी (रिटर्न)****[नियम 80(6) देखें]**

क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	डाले गए विधिमान्य मतों की संख्या
1	2	3
1.		
2.		
3.		
4.		
आदि	डाले गए विधिमान्य मतों की कुल संख्या	
	रद्द किए गए मतपत्र	
	मतपेटी में प्राप्त कुल मतपत्र	
	भिन्नता, यदि कोई हो	

रिटर्निंग अधिकारी के हस्ताक्षर।

गणना पर्यवेक्षक के हस्ताक्षर

तारीख.....

प्ररूप-44**निर्वाचन की विवरणी (रिटर्न)****[नियम 80(6) देखें]**

नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के लिए वार्ड संख्या से निर्वाचन ।

क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	डाले गए विधिमान्य मतों की संख्या
1	2	3
1.		
2.		
3.		

4.		
5.		

- डाले गए मतों की कुल संख्या
- डाले गए विधिमान्य मतों की कुल संख्या
- अस्वीकृत मतों की कुल संख्या

मैं घोषणा करता हूँ कि(नाम और पता) नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत.....कीवार्ड संख्या में स्थान (सीट) की पूर्ति के लिए सम्यक रूप से निर्वाचित किए गए हैं।

स्थान.....

तारीख.....

रिटर्निंग अधिकारी के हस्ताक्षर।

प्ररूप—45

[नियम 77(4) देखें]

भाग—I

मतगणना अभिकर्ताओं की नियुक्ति

नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत.....के लिए.....
वार्ड संख्या से सदस्य का निर्वाचन ।

मैं.....जो उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी हुं श्री/श्रीमती.....
पता.....को.....(स्थान) पर होने वाली मतगणना के लिए मतगणना के समय पर उपस्थित रहने के लिए अभिकर्ता के रूप में नियुक्त करता हूं।

तारीख.....

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर।

पता.....

मैं ऐसे मतगणना अभिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए सहमत हूं।

तारीख.....

मतगणना अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

पता.....

भाग-II

रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष हस्ताक्षरित की जाने वाली मतगणना अभिकर्ता की घोषणा मैं एतदद्वारा घोषणा करता हूँ कि मैं नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत के उपर्युक्त निर्वाचन में ऐसा कुछ नहीं करूँगा, जो हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1994 की धारा 292 और अन्य किन्हीं सुसंगत धाराओं तथा तद्धीन बनाए गए नियमों के अधीन निषिद्ध है, जिन्हें मैंने पढ़ लिया है/ मुझे पढ़कर सुना दिया है।

तारीख.....

मतगणना अभिकर्ता के हस्ताक्षर।

स्थान.....

मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए

स्थान.....

तारीख.....

(रिटर्निंग अधिकारी)

प्ररूप-46**[नियम 80(3)]****निर्वाचित सदस्य का परिणाम**

नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत के लिए वार्ड संख्या से सदस्य का निर्वाचन।

क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	डाले गए विधिमान्य मतों की संख्या
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
इत्यादि		
नोटा		

(क) डाले गए विधिमान्य मतों की कुल संख्या:.....

(ख) अस्वीकृत मतों की कुल संख्या:.....

(ग) डाले गए मतों की कुल संख्या:.....

मैं, घोषणा करता हूँ कि

नाम.....पता.....को नगरपालिका परिषद्/नगर पंचायत के उपरोक्त वार्ड संख्या..... से सम्यक रूप से सदस्य निर्वाचित किया गया है।

स्थान.....

तारीख.....

रिटर्निंग अधिकारी के हस्ताक्षर

[नियम-80 (3) देखें]

सदस्यों के निर्वाचन की परिणाम-शीट

नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत.....के लिए.....वार्ड संख्या से सदस्य का निर्वाचन।

क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	डाले गए विधिमान्य मतों का योग (की संख्या)
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
इत्यादि नोटा		

- (क) डाले गए विधिमान्य मतों की कुल संख्या
- (ख) अस्वीकृत मतों की कुल संख्या.....
- (ग) कुल डाले गए मतों की संख्या (क+ख)
- (घ) निविदत्त मतों की कुल संख्या.....
- (ङ) टिप्पणियां.....

मतगणना का स्थान.....

मैं घोषणा करता हूँ कि:-

.....

नाम

.....

पता

उपरोक्त वार्ड से सम्यक रूप से सदस्य निर्वाचित किए गए हैं।

स्थान.....

तारीख.....

रिटर्निंग अधिकारी के हस्ताक्षर

प्रूप-48

[नियम-89 (10) देखें]

अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए मत पत्र

नगरपालिका का नाम.....

क्रम संख्या	अभ्यर्थी का नाम	चिन्ह के लिए स्थान
1	2	3
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

प्रूप-49

[नियम-90(5) देखें]

अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के निर्वाचन की विवरणी (रिटर्न)

.....नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत।

1. क्रम संख्या :

2. अभ्यर्थी का नाम:.....

3. कुल डाले गए मतों की कुल संख्या.....

4. डाले गए विधिमान्य कुल मतों की संख्या.....

5. अस्वीकृत कुल मतों की संख्या.....

मैं घोषणा करता हूँ कि.....(नाम).....(पता) उपरोक्त नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के लिए सम्यक रूप से अध्यक्ष/उपाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया है।

स्थान :

तारीख :

उपायुक्त।

[नियम-89 (3) देखें]

नामांकन पत्र

.....नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के अध्यक्ष/उपाध्क के पद के लिए निर्वाचन।

मैं.....जो नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत की वार्ड संख्या-----से निर्वाचित सदस्य हूँ वार्ड संख्या.....से निर्वाचित श्री/श्रीमति.....का नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के निर्वाचन के लिए अध्यक्ष/उपाध्क के पद के लिए अभ्यर्थिता का प्रस्ताव करता हूँ।

प्रस्थापक के हस्ताक्षर।

स्थान :

तारीख :

मैं.....जो नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत की वार्ड संख्या.....से निर्वाचित सदस्य हूँ वार्ड संख्या.....से निर्वाचित श्री/श्रीमति.....का नगरपालिका परिषद/नगर पंचायत के निर्वाचन के लिए अध्यक्ष/उपाध्क के पद के लिए अभ्यर्थिता का एतद्वारा समर्थन करता हूँ।

समर्थक के हस्ताक्षर।

स्थान :

तारीख :

(अभ्यर्थी द्वारा भरा जाना है)

मैं उपरोक्त वर्णित अभ्यर्थी एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि मैं नामांकन से सहमत हूँ और मैं सेवा करना चाहता हूँ।

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

(नामांकन पत्र के स्वीकृत या अस्वीकृत करने का पीठासीन अधिकारी का विनिश्चय)

मैंने नामांकन पत्र की नियमों और अधिनियम के उपबंधों के अनुसार जाँच कर ली है। मेरा विनिश्चय निम्न प्रकार से है :-

स्वीकृत/अस्वीकृत।

पीठासीन अधिकारी

स्थान :

तारीख :

[नियम-94 (3) देखें]

श्री / श्रीमती.....से.....प्रत्यर्थी
 संख्या.....के प्रश्नगत निर्वाचन में संलग्न निर्वाचन याचिका में उक्त निर्वाचन के सम्बन्ध में,
 मैं.....याचिकाकर्ता सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और शपथ पर कथन करता
 हूँ :—

(क) कि.....के भ्रष्ट आचरण किए जाने के बारे में संलग्न निर्वाचन याचिका केपैरा में किए गए कथन और उससे संलग्न अनुसूची केपैरों में ऐसेभ्रष्ट आचरण की विशिष्टियां मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं।

(ख) कि.....के भ्रष्ट आचरण किए जाने के बारे में उक्त याचिका केपैरा में किया गया कथन और उक्त याचिका केपैरों में दी गई ऐसे भ्रष्ट आचरण तथा उससे संलग्न अनुसूची केपैरों में की गई विशिष्टियां मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं।

(ग)

(घ)

आदि

अभिसाक्षी के हस्ताक्षर।

श्री / श्रीमती.....द्वारा मेरे समक्ष आज.....तारीख को सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान किया गया/ शपथ ली गई ।

कार्यपालक मजिस्ट्रेट

आदेश द्वारा,
 मनीषा नंदा,
 अतिरिक्त मुख्य सचिव (शहरी विकास)।

[Authoritative English Text of this Department Notification No. UD-A (3)-7/2011-I dated 2.9.2015 as required under clause (3) of article 348 of the Constitution of India.]

URBAN DEVELOPMENT DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 2nd September, 2015

No. UD-A (3)-7/2011-I. Whereas, the draft Himachal Pradesh Municipal Election Rules, 2015 were published in the Rajpatra, Himachal Pradesh dated 29th July, 2015 for inviting objection(s) and suggestion(s) from the general public, vide this Department notification of even number dated 27th July, 2015 as required under the provisions of section 279 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994 (Act No. 13 of 1994);

And whereas, no objection(s) or suggestion(s) has been received in this behalf during the stipulated period;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 279 and 304 of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994 (Act No. 13 of 1994), the Governor of Himachal Pradesh in consultation with the State Election Commission is pleased to make the following rules for carrying out the purposes of the Act, namely :—

CHAPTER-I

PRELIMINARY

1. Short title.—These rules may be called the Himachal Pradesh Municipal Election Rules, 2015.

2. Definitions.—(1) In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or the context,—

- (a) "Act" means the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994 (Act No. 13 of 1994);
- (b) "agent" means any person appointed in writing by a candidate at an election to be agent for the purpose of these rules;
- (c) "ballot box" means any box, bag or other receptacle used for the insertion of ballot paper by electors and shall include the electronic voting machine;
- (d) "Chairperson" means any member of the municipality elected as President by the elected members to hold office and to perform the functions of the President;
- (e) "Commission" means the State Election Commission defined under clause (37) of section 2 of the Act;
- (f) "delimitation" means the delimitation of wards made under these rules;
- (g) "District Election Officer (municipalities)" means the Officer appointed by the State Election Commission for the conduct of elections to municipalities under rule 32;

(h) “political party” means an association or body of individual citizens of India registered with the Election Commission of India, as a political party under the Representation of People Act, 1951;

(i) “Divisional Commissioner” means the Commissioner of the Division concerned;

(j) “elector” means any person entitled to vote at an election of member or office bearer of the municipality;

(k) “electoral roll” means the electoral roll of persons of a ward entitled to vote at an election under these rules;

(l) “Electoral Registration Officer (Municipal Council/Nagar Panchayat)” means an officer appointed by the Commission for the purpose of preparation of electoral rolls in accordance with these rules;

(m) “form” means a form appended to these rules;

(n) “oath or affirmation” means the oath or affirmation of allegiance specified under sub-section (1) of section 27 of the Act;

(o) “polling station” means the place fixed by the Returning Officer for the conduct of election to the municipality;

(p) “Returning Officer” means an officer appointed by the Commission under rule 32 and includes Assistant Returning Officer;

(q) “revising authority” means a Gazetted Officer or an Executive Magistrate who may be appointed by the Electoral Registration Officer (Municipal Council/Nagar Panchayat) as the revising authority in respect of electoral roll of a ward or a part thereof ;

(r) State means the State of Himachal Pradesh;

(s) “State Government” means the Government of Himachal Pradesh;

(t) “symbol” means a symbol which may be allotted to a candidate for contesting election under these rules;

(u) “treasury” means a treasury or sub-treasury of the State Government and includes a bank through which the business of such treasury or sub-treasury has been made over: and

(v) “ward” means a ward for the representation of which an office bearer is to be or has been elected under these rules.

(2) Words and expressions used but not defined in these rules shall have the same meanings as are respectively assigned to them in the Act.

CHAPTER-II

DELIMITATION AND RESERVATION OF WARDS

3. Municipality to be divided into wards.—For holding election to a municipality, whole of the municipal area shall be divided into wards.

4. Limit of wards.—(1) As far as practicable each ward shall have equal population, throughout the municipal area and each ward shall be geographically compact and contiguous in areas, and shall have recognizable boundaries, such as roads, paths, lanes, streets, stream, canals, drains, Bridges, Railway lines or such other marks or boundaries which can be easily distinguished.

(2) Each ward shall be described and notified invariably in such a manner that its boundaries are clearly recognizable on ground.

5. Name and number of the wards.—Each ward shall be known by the number given serially and a name shall also be given to it.

6. Delimitation of wards.—(1) When a direction is given by the State Election Commission under section 281 of the Act, the Deputy Commissioner shall make a proposal for delimitation of wards by dividing the municipal area into wards as per provisions of section 10 of the Act and shall also define the limits of each such ward and keep the same open for inspection in his office and in office of the municipality and issue a notice inviting public objection(s) or suggestion(s) from the residents in relation to such proposal in form-1 by affixing a copy of such notice in his office and in the office of the municipality.

(2) While issuing notice, the Deputy Commissioner shall call for objection(s) or suggestion(s) to the draft delimitation proposal from the residents of the municipal area within a period of ten days to be made to him in writing by any resident of the ward in form-2.

7. Disposal of objections.—The Deputy Commissioner on receipt of objection(s) or suggestion(s), if any, under rule 6, shall inquire into the same and shall decide them within a period of ten days, after giving an opportunity of being heard to the person filing such objection(s) or suggestion(s).

8. Appeal .— Any person aggrieved by the orders of the Deputy Commissioner may file an appeal to the Divisional Commissioner within a period of ten days of the passing of the order who after giving an opportunity of being heard to the applicant shall decide the same within a period of ten days and communicate the order to the Deputy Commissioner. The order passed by the Divisional Commissioner shall be final .

9. Final publication.—(1) After the objection(s) or suggestion(s) have been heard and finally decided, the delimitation so made shall be finalized within a period of 45 days from the date of initial publication of the proposal for delimitation by affixing a copy of the same in the office of the Deputy Commissioner, the municipality and at such other places as the Deputy Commissioner may decide and a copy of the same shall be sent to the Government .

(2) On receipt of final delimitation order from the Deputy Commissioner, the State Election Commission shall notify the delimitation of wards of the municipality in the Official Gazette.

(3) The copies of these finalized delimitation order shall be available for inspection on official Website and in the office of the Deputy Commissioner and the municipality. Any voter may obtain a copy of delimitation order by making payment of Rs. 50/- against proper receipt to the Deputy Commissioner or the municipality and the same shall be made available to him immediately.

10. Reservation and rotation of seats of members.—(1) The process for reservation and rotation of seats for the members shall be undertaken in accordance with the time schedule to be

prescribed in this behalf by the State Election Commission under section 281 of the Act. (2) The seats shall be reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in proportion to their population. The ward having highest percentage of population of Scheduled Castes shall be reserved for the members of the Scheduled Castes and the ward having the highest population of Scheduled Tribes shall be reserved for the Scheduled Tribes.

(3) If the number of seats to be reserved for the members of Scheduled Castes or Scheduled Tribes is more than one, then the ward having the next highest percentage of Scheduled Castes and Scheduled Tribes shall be reserved for the members of the Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be, and so on: Provided that if the total population of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the Municipal area is less than 5% of the total population, then no seat shall be reserved for them.

(4) Out of the seats reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes, one – half of the seats shall be reserved for women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be. The reservation of seats for Scheduled Castes, Scheduled Tribe and women, as the case may be, shall be made by draw of lots:

Provided that if the number of seats reserved is not more than one, then there shall be reservation for men and women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be , alternatively, after every five years:

Provided further that if the number of seats reserved for the members of Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be, are two, then atleast one ward shall be reserved for women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be.

(5) In the municipality out of the total wards formed under rule 3, one –half of the seats shall be reserved for women including reservation made under sub-rule(4) and in computing these seats if the remainder after dividing is one, then in the first election the seats reserved for women shall be increased by one and in the next election it shall not be added and so on.

(6) The wards reserved for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes on the basis of percentage of population shall be changed in the immediate next election and at the time of such next elections, the ward / wards, having next highest percentage of population shall be reserved for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes and the ward earlier reserved shall be kept open to the *general category and so on for subsequent elections.

Explanation.—General category for the purpose of these rules shall mean men or women or both belonging to this category.

(7) The reservation of seats for women shall be made by draw of lots after excluding the seats which have been reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates including women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be.

(8) The Deputy Commissioner shall issue a three days clear notice specifying therein the date, place and time of the draw of lots and such notice shall be affixed on the notice board of his office and that of the municipality and he shall also proclaim it by beat of drums within the municipal area. The draw shall take place on the specified date, place and time specified in the presence of atleast three prominent persons of the municipal area and three gazetted officers of the State Government.

(9) No ward shall be reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates in two consecutive elections.

(10) Notwithstanding anything contained in these rules, the roster of reservation of seats shall operate from the initial stage for the elections to be held after the commencement of these rules as if said elections are being conducted for the first time and thereafter, the reservation of seats shall be rotated to different wards of municipality under this rule:

(11) The reservation made by the Deputy Commissioner shall be given wide publicity by him by affixing a copy of the order of such reservation on the notice board of his office and that of the municipality and it shall also be sent to the State Government.

11. Report to Commission.—The Government shall provide a copy of final reservation order made by it immediately to the Commission.

CHAPTER-III

RESERVATION AND ROTATION OF OFFICES OF CHAIR PERSONS IN THE MUNICIPALITIES

12. Reservation and rotation of the offices of Chairpersons in the municipalities.—(1) Before every election to a municipality, the State Government or any other officer authorized by it in this behalf, shall, in accordance with the provisions of section 12 of the Act, determine the number of the office of Chairpersons of municipalities to be reserved for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and women in the State.

(2) The population of general category, Scheduled Castes, Scheduled Tribes and women shall be worked out for the purpose of reservation of the offices of the Chairpersons.

(3) In the State, the offices of the Chairpersons in the municipalities shall be reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in proportion to their population in the State. The municipality having highest percentage of population of Scheduled Castes shall be reserved for the Scheduled Castes and the municipality having the highest percentage of population of Scheduled Tribes shall be reserved for the Scheduled Tribes.

(4) If the number of offices to be reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes is more than one, then the municipality having the next highest percentage of population of Scheduled Castes and Scheduled Tribes shall be reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be, and so on.

(5) Out of the offices reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes, one half of the offices shall be reserved for women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes, as the case may be, and the municipality having the highest percentage of population of women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, in the State shall be reserved for such women.

(6) If the number of offices to be reserved for women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, is more than one then the municipality having the next highest percentage of population of women belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, as the case may be, shall be reserved for such women, and so on.

(7) Out of total offices excluding the offices reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes (including women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes), one half of the offices shall be reserved for women and the municipality having the next highest women population percentage shall be reserved for women belonging to general category and so on.

(8) The offices reserved for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to general category on the basis of percentage of population shall be rotated after every five years from the date of first election. At the time of immediate next election, the municipality having the next highest percentage of population shall be reserved for member of Scheduled Castes and Scheduled Tribes including women belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes and women belonging to general category (and the office earlier reserved shall be kept open to the members of the general category) and so on, for subsequent election:

Provided that the reservation of any office for a particular category shall not be repeated unless all other offices are covered by rotation.

(9) Where the offices of the Chairpersons in municipalities are reserved for the person belonging to backward classes or for the women belonging to backward classes under subsection (4) of section 12 of the Act, the provisions of foregoing sub-rule of this rule, so far these are not inconsistent with the provisions of said sub-section (4) of section 12, shall apply mutatismutandis as these apply in relation to the reservation and rotation of offices, for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and women.

(10) The reservation made under this rule shall be finalized by the State Government or by any other officer authorized by it in this behalf and shall be given wide publicity by affixing a copy of order of such reservation on the notice board of his office and that of the municipality, District and Tehsil.

(11) Where the order of the reservation has not been issued by the State Government, the officer who has issued the order shall send a copy of the same to the State Government. The State Government, whether order is made by it or on receipt of the copy of the order issued by such officer, shall publish the order of reservation in the Official Gazette and the notification so issued shall be the conclusive proof of reservation of offices of Chairpersons in the State.

13. Report to Commission.—The State Government shall provide a copy of the order regarding final reservation and rotation of office of Chairperson made by it immediately to the Commission.

CHAPETER-IV

ELECTORAL ROLLS

14. Electoral roll for every ward.—(1) For each ward or polling station of a municipality, there shall be a electoral roll which shall be prepared in the manner specified under rules 15 to 28 by the Electoral Registration Officer under the superintendence, direction and control of the Commission:

Provided that nothing in this rule shall prevent the use of the relevant part of the current electoral rolls of the Assembly constituency for the preparation of draft rolls for the elections under these rules:

Provided further that the State Election Commission may in its own discretion, use data base of the Election Commission of India for the preparation of the draft electoral rolls for the elections under these rules.

(2) The electoral rolls shall be prepared in hindi devnagari script in such form and through such process as may be directed by the Commission.

15. Preparation of electoral roll.—When a direction is given under rule 14 by the Commission, the Electoral Registration Officer shall prepare electoral roll, for each ward or part thereof of the municipality, in accordance with these rules.

16. Disqualification for registration in electoral rolls.—(1) A person shall be disqualified for registration in an electoral roll, if he is,—

- (a) not a citizen of India; or
- (b) of unsound mind and stands so declared by a competent court; or
- (c) for the time being disqualified from voting under the laws relating to corrupt practices and other offences in connection with elections to municipalities or Assembly or Parliament; or
- (d) *already registered as elector in any other municipality or Gram Sabha, as the case may be.*

17. Condition of registration.—Every person who is,—

- (a) not less than eighteen years of age on the qualifying date, and
- (b) ordinarily resident in a ward,

shall be entitled to be registered in the electoral roll for that ward:

Provided that a person shall be entitled to be registered in the electoral rolls for only one ward of the municipality.

Explanation.—For the purpose of this rule,—

- (i) a person shall not be deemed to be “ordinarily resident” in a ward on the ground only that he owns, or is in possession of dwelling house therein; and
- (ii) a person absenting himself temporarily from his place of ordinary residence shall not, by reason thereof, cease to be ordinarily resident therein.

18. Making of false declaration.—If any person makes false declaration in connection with,—

- (a) the preparation, revision or correction of an electoral rolls, or
- (b) the inclusion or exclusion of any entry in or from an electoral rolls; or
- (c) a statement or declaration in writing which is false and which he either knows or believes to be false or does not believe to be true,

shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to one year or with fine or with both.

19. Publication of Electoral roll in draft.—(1) Once the draft electoral roll of a ward is ready, the Electoral Registration Officer shall publish it according to programme issued by the Commission together with a notice in form-3 and make available copies thereof for inspection at official website of his office, and in the offices of the municipality and Tehsil concerned.

(2) The notice under sub-rule (1) shall also be given wide publicity through official website news-papers having wide circulation in the area, All India Radio, by beat of drum in the town and by affixing copies of such notice in his office and office of the municipality and the Tehsil concerned and at such other conspicuous place where the public has free access. The notice shall contain the date by which objections or claims may be filed and the authority or authorities to whom they may be presented.

20. Period for lodging claims and objections.—Every claim for the inclusion of name in the electoral roll and every objection to an entry therein shall be lodged within a period of ten days from the date of publication of draft electoral roll under rule 19, or within such period as may be fixed by the Commission in this behalf.

21. Appointment of revising authorities.—The Electoral Registration Officer may appoint one or more revising authority for the purpose of hearing claims and objection(s) relating to electoral roll of a ward or wards. These appointments as and when made shall be given wide publicity and shall be uploaded on the official website.

22. Manner of lodging of claims and objections.—(1) A claim or objection shall be addressed to the revising authority specified in the notice referred to in rule 21 and shall be presented to it personally or sent by registered post. Every claim for inclusion of name, objection to the inclusion of the name or objection to the particulars in any entry in the electoral roll shall be in forms 4,5 or 6, as the case may be.

(2) A claim shall be signed by the person desiring his name to be included in the electoral roll and countersigned by another person whose name is already included in the electoral roll in which the claimant desires his name to be included and shall, unless sent by post, be presented by claimant himself or by a person authorized by him in writing in this behalf.

(3) No person shall prefer an objection to the inclusion of any name in the Electoral roll, unless his name is already included in that electoral roll of the municipality.

(4) The revising authority shall maintain a register of claims, in form-7, a register of objections to the inclusion of names in form-8, and a register of objections to the particulars in any entry in form-9, and shall enter therein the time of receipt, particulars of every claim or objection, as the case may be.

(5) Any claim or objection, which is not lodged within the specified period or in the manner herein specified, shall be rejected and the decision shall be recorded in the register prepared in forms 7,8 and 9, as the case may be.

23. Notice of claims and objections.— (1) Where a claim or objection is not rejected under sub-rule (5) of rule 22, the revising authority shall, after the expiry of the period specified for the presentation of claims and making objection(s), exhibit on the notice board of his office, a list of all claims or objections in forms 10,11 and 12, as the case may be.

(2) Every claimant and objector shall be given a notice regarding place, date and time of hearing of such claim or objection and shall further be asked to adduce such evidence, as he may like to adduce in forms 13,14 and 16, as the case my be.

(3) A person against whom objection has been received by the revising authority for the inclusion or deletion of his name in or from the electoral roll shall also be given a notice in form-15 of the place, date and time fixed for hearing of objection, at his last known place of residence and be asked to put-forth such evidence as he may like to adduce for his defense.

24. Disposal of claims and objections.—(1) On the date, time and place fixed under the provisions of rule 22, the revising authority shall hear and decide within ten days the claims and objections under the provisions of these rules, and shall record his decision in the registers in forms 7,8 and 9, as the case may be.

(2) Copy of the order relating to the objection shall be given on payment of Rs. 25/- to the claimant against proper receipt.

(3) Any person aggrieved by an order passed under the provisions of sub-rule (1), may, within seven days from the date of order, file an appeal to Electoral Registration Officer, who shall decide the same within seven days.

(4) If it appears to the Electoral Registration Officer that due to inadvertence or error during the preparation of draft electoral rolls, names of electors have been left-out of the electoral roll or the names of dead persons or persons who ceased to be or are not ordinarily resident in the ward or part thereof have been included in the electoral roll or certain voters have been shown in the wrong ward or polling station and that remedial action is required to be taken under this sub rule, shall, within three days from the date of publication of draft electoral roll,—

- (a) prepare a list of such electors containing names and other particulars and submit the proposal on the same day to the Commission to seek permission to carry out the correction wherever required;
- (b) after getting permission from the Commission, exhibit on the notice board of his office a copy of the list together with a notice as to the date(s) and place (s) at which the matter of inclusion of the names in electoral roll or deletion of the names from the electoral roll shall be considered; and
- (c) after considering any verbal or written objection that may be preferred, decide whether all or any of the names may be included in or deleted from the electoral roll.

25. Final publication of electoral roll.—(1) The revising authority shall, immediately after disposal of all the claims or objections presented by it, forward the same alongwith the register of such claims or objections and the orders passed by it thereon to the Electoral Registration Officer, who shall correct the electoral roll in accordance with such orders or the orders passed on appeal by him under sub-rule (3) of rule 24 and corrections consequential to sub rule(4) of rule 24, as the case may be, and shall publish the final electoral roll, on a date fixed by the Commission by making a complete copy thereof available for inspection and display a notice thereof in form- I7 in his office and also in the offices of the municipality and the Tehsil concerned. The finally published electoral roll shall be uploaded on the official website.

(2) On such publication, the amended electoral roll shall be the electoral roll of the ward or part thereof and shall come into force from the date of its publication under this rule.

(3) The Electoral Registration Officer shall thereafter subject to such general or special directions as may be given by the Commission, supply, free of cost, one copy of the roll, as finally published, to every political party for which a symbol has been exclusively reserved by the Election Commission of India.

26 Special Revision of electoral rolls.—Notwithstanding anything contained in rule 25, the Commission may at any time, for the reasons to be recorded in writing, direct a special revision for any municipality in such a manner as it may deem fit : Provided that, subject to, other provisions of these rules, the electoral rolls for the municipality as in force at the time of the issue of any such directions shall continue to be in force until the completion of the special revision, so directed.

27. Correction of entries in electoral rolls.— (1) If at any stage it appears or brought to the notice of the Commission on an application in form-18 that due to inadvertence or error during the preparation of electoral rolls, names of eligible persons have been left-out of the electoral roll or the names of dead persons or persons who ceased to be or are not ordinarily resident in the ward or part thereof have been included in the electoral roll or certain voters have been shown in the wrong ward or polling station and that remedial action is required to be taken under this subrule, shall direct the Electoral Registration Officer to.—

- (a) prepare a list of the name and other particulars of such electors;
- (b) exhibit on the notice board and official website of his office a copy of the list together with a notice as to the date (s) and place (s) at which the matter of inclusion of the names in electoral roll or deletion of the names from the electoral roll shall be considered; and
- (c) after considering any verbal or written objection that may be preferred, decide whether all or any of the names may be included in or deleted from the electoral roll :

Provided that after the publication of the election programme under rule 35 such an application to the Commission shall be made not later than eight days before the last date for the filing of nomination papers.

(2) No amendment, transposition or deletion of any entry shall be made on or after the last date for making nomination till the election process is over.

28. Inclusion of names in electoral roll, finally published.—(1) Any person, whose name is not included in the electoral roll, shall make an application in form-4 (in duplicate) to the Electoral Registration Officer for inclusion of his name in that electoral roll, and such application shall be accompanied by a fee of Rs. 50/- to be paid in cash against proper receipt :

Provided that after the publication of the election programme under rule 35 such application shall be made not later than eight days before the last date for the filing of nomination papers.

(2) The Electoral Registration Officer shall immediately on receipt of application under subrule (1) affix one copy thereof in some conspicuous place at his office and invite objections thereof to be filed within a period of four days from the date of such affixation.

(3) The Electoral Registration Officer shall, as soon as may be, after the expiry of the period as specified in the notice under sub-rule (2), consider the objections, if any, received by him and shall, if satisfied that the applicant is entitled to be registered in the electoral roll, direct such name to be included therein accordingly :

Provided that if the applicant whose name is ordered to be included, is already registered in the electoral roll of any other ward or part thereof of any other municipality or Gram Sabha such name shall be deleted from that electoral roll.

(4) Where an application made under sub-rule (1) is rejected, the person aggrieved may file an appeal, within a period of ten days from the date of rejection of the application for the inclusion of name or deletion of name, to the Divisional Commissioner and the appeal shall be accompanied by a fee of Rs. 50/- to be paid in cash against proper receipt. The Divisional Commissioner shall decide the appeal within seven days after giving opportunity of being heard and the order passed on such appeal shall be final.

(5) No amendment, transposition or deletion of any entry shall be made on or after the last date for making nomination till the election process is over.

29. Custody and preservation of electoral roll and connected papers.—(1) After the electoral roll for a ward has been finally published, the following papers shall be kept in the office of the Electoral Registration Officer or at such other place as the Commission may by order specify until the expiration of one year after the final publication of next revision of the electoral Rolls:-

- (a) complete spare copies of the electoral roll;
- (b) papers relating to claims and objections and orders under rule 24;
- (c) applications under rules 27 and 28 and decisions thereon;
- (d) papers relating to appeals under sub-rule (4) of rule 28; and
- (e) manuscript and other papers if any prepared by enumerating agencies and used for compiling the electoral roll.

(2) One complete copy of the electoral roll for each ward duly authenticated by the Electoral Registration Officer shall also be kept in safe custody of the Deputy Commissioner of the District till the new electoral roll is finally published.

30. Inspection of electoral rolls and connected papers.—Every person shall have the right to inspect the electoral rolls under rule 29 and get a copy thereof on payment of Rs. 10/-per page or part thereof to be paid in cash against proper receipt.

31. Disposal of electoral rolls and connected papers.- The papers under rule 29 shall, on the expiry of the period specified therein, be disposed of in such manner as the Commission may direct.

CHAPTER-V

OFFICERS AND THEIR DUTIES

32. Officers and their Duties.—(1) The Commission shall appoint the Deputy Commissioner of the District or such other officer, as it may deem fit to be the District Election Officer (municipalities).

(2) The Commission shall appoint Returning Officer in respect of elections for the municipalities:

Provided that the Commission may appoint as many Assistant Returning Officers as may be necessary to perform all or any of the duties of the Returning Officer in respect of each municipality.

(3) It shall be the duty of the Returning Officer to do all such acts and things as may be necessary for effectively conducting the election in the manner provided by these rules or orders made there-under.

(4) The Returning Officer shall fix such number of polling stations for every ward as he may deem necessary and shall publish on the date specified by the Commission under clause(v) of sub-rule(2) of rule 35 in this behalf, by affixing a list thereof at his office and at the office of the municipality showing therein clearly the polling area:

Provided that no polling station shall be located in a police station, hospital or a place having sectarian or religious significance:

Provided further that as far as possible the polling station shall be located in a Government, Semi Government or Municipal buildings, and in case no such building is available, the polling station shall be located in a temporary structure :

33. Appointment of polling personnel.—(1) The Returning Officer shall appoint Presiding Officers and such number of Polling Officers, as he considers necessary, in respect of each polling station:

Provided that if the Polling Officer is absent from the polling station, the Presiding Officer may appoint any Government or Semi-Government or municipality servant, who is present at the polling station, as a polling officer during the absence of the former polling officer and inform the Returning Officer accordingly.

(2) If the Presiding Officer, owing to illness or any other unavoidable cause is absent from the polling station, his functions shall be performed by such polling officer, as has been authorized by the Returning Officer to perform the functions during any such absence.

34. Duties of the Deputy Commissioner and other officers/staff.—(1) The Deputy Commissioner/ District Magistrate and other officers/staff shall, subject to the supervision and control of the Commission, do all such acts and things as may be necessary for effectively conducting the elections in the manner provided by these rules or orders made there-under.

(2) The District Election Officer (municipalities) Returning Officers and the officers or staff employed in connection with the preparation, revision and correction of the electoral rolls for and the conduct of elections shall be deemed to be on deputation with the Commission for the period during which they are so employed and such officers and staff shall, during that period, be subject to the control, superintendence and discipline of the Commission.

(3) The Commission may nominate an observer who shall be an officer of Government to watch the conduct of election in a municipality or a group of municipalities and to perform such other functions as may be entrusted to him by the State Election Commission.

(4) The observer nominated under sub-rule (3) shall have the power to direct the Returning Officer for municipality or a group of municipalities for which he has been nominated, to stop the counting of votes at any time before the declaration of the result or not to declare the result if in the opinion of the observer booth capturing has taken place at a large number of polling stations or at

places fixed for the poll or counting of votes or any ballot papers used at a polling station or at a place fixed for the poll are unlawfully taken out of the custody of the returning officer or are accidentally or intentionally destroyed or lost or are damaged or tampered with to such an extent that the result of the poll at that polling station or place cannot be ascertained:

Provided that where an observer has directed the Returning Officer under this sub-rule to stop counting of votes or not to declare the result, the observer shall forthwith report the matter to the Commission and thereupon the Commission shall, after taking all material circumstances into account, issue appropriate direction.

CHAPTER-VI

CONDUCT OF ELECTIONS

35. Election Programme.—(1) The Commissioner shall frame a programme of general elections of the municipality or a programme to fill up any casual vacancy in a municipality or hold election to a municipality which has been dissolved (hereinafter referred to as "election programme").

- (2) The election programme shall specify the date or dates on, by, or within which.—
 - (i) the nomination papers shall be presented;
 - (ii) the nomination papers shall be scrutinized;
 - (iii) a candidate may withdraw his candidature;
 - (iv) the list of contesting candidates shall be affixed;
 - (v) the list of polling stations shall be pasted;
 - (vi) the poll, if necessary shall be held on.....from.....AM to.....PM. (the hours of poll shall not be less than six hours.) ;
 - (vii) the counting in the event of poll, shall be done at..... (Specify place, date and time thereof); and
 - (viii) the result of the election shall be declared.

(3) The election programme shall be published seven days before the date of filing of nomination papers by affixing a copy at the office of the Deputy Commissioner, Tehsil and municipality and at such other conspicuous places in the municipality as may be determined by the Deputy Commissioner in this behalf.

(4) The period for filing of nomination papers shall be three working days and the date of scrutiny shall be the next working day from the last date of filing of nomination papers. The date of withdrawal shall be the third working day from the date of scrutiny. The date for affixing the list of contesting candidates shall be the same as fixed for withdrawal of candidature. The list of polling stations shall be published on a date as may be specified by the Commission. The gap between the date of withdrawal and the date of poll shall atleast be ten days and the day of poll shall preferably be a Sunday or any gazetted holiday.

(5) The Commission may by an order rescind or modify the election programme :

Provided that unless the Commission otherwise directs, no such order shall be deemed to invalidate any proceedings taken before the date of the order.

36. Notice of election.—(1) The Returning Officer shall on the date on which the election programme is issued by the Commission under rule 35, shall affix a notice in form-19 at his office, and at the office of the Sub-Divisional Officer (Civil), the Tehsil and the municipality, and such other places as the Returning Officer may determine to.—

- (a) invite nomination papers of candidates for election ;
- (b) fix the time and place for submitting the nomination papers;
- (c) specify the authority to whom nomination shall be submitted;
- (d) fix time and place for the scrutiny of nomination papers ;
- (e) fix the time and place and authority for the receipt of notice of withdrawals;
- (f) fix the date, time and place for the allotment of symbols; and
- (g) fix the time of poll , if necessary :

Provided that the dates fixed under clauses (b), (d), (e) and (g) shall be the same as specified under rule 35 in this behalf.

(2) For the purpose of election, the Commission, or Returning Officer may on payment of compensation to the owner or the person in possession or having control over it, requisition any premises, vehicle, vessel or animal and may, after the election, release it from the requisition;

Explanation:—Vehicle in this rule means any vehicle used or capable of being used for the purpose of road or aerial transport, whether propelled by mechanical power or otherwise.

37. Notification of symbol.—The Commission shall, by notification published in the Official Gazette, specify the symbols that may be allotted to the candidates at an election to the municipality and may amend or vary the list of symbols from time to time.

38. Nomination of candidates for election.— (1) Any person registered as a voter within the municipality, may be nominated as a candidate for the office of Member of a ward by another person, who is registered voter in the electoral roll of that ward of the municipality.

(2) The nomination paper in form-20 duly filled in and signed by the proposer and candidate shall be delivered to the authority specified under clause (c) of sub-rule(1) of rule 36 by each candidate either in person or by his proposer between 11 A.M. and 3.00 P.M. on the date specified for the filing of nomination papers.

(3) In any ward which is reserved for Scheduled Castes or Scheduled Tribes, the nomination paper shall not be treated as valid, unless it contains a declaration by the candidate specifying particular caste or tribe of which he is a member and the candidate submits a certificate issued by the competent authority authorized by the State Government, certifying that the candidate belongs to such Scheduled Caste or Scheduled Tribe, as the case may be.

(4) On the presentation of nomination papers, the Returning Officer shall satisfy himself about the name and the serial number of the candidate and his proposer, as entered in the nomination paper are the same as those entered in the electoral roll :

Provided that not more than three nomination papers shall be presented by or on behalf of any candidate or accepted by the Returning Officer for election in the same ward:

Provided further that the Returning Officer shall permit any clerical or technical error in the nomination papers or to the said nomination papers in regard to the said names or numbers to be corrected in order to bring them in conformity with the corresponding entries in the electoral roll and where necessary may direct that any clerical or printing error in the said entries be ignored.

39. Security deposits.—(1) A candidate shall not be deemed to have been nominated as member for election to a ward unless he has deposited a sum of Rupees 2500/- (Rupees two thousand five hundred only) as security with the Returning Officer in cash against a proper receipt and in case of a candidate belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes, the security shall be a sum of Rupees. 1250/- (Rupees one thousand two hundred and fifty only.) :

Provided that where a candidate has been nominated by more than one nomination paper for election in the same ward, separate security amount shall not be deposited for every set of nomination.

(2) If a candidate by whom or on whose behalf the security has been deposited, withdraws his candidature within the time specified in rule 35 and 36 or if the nomination of any candidate is rejected the security deposit shall be refunded to the person by whom it was made or if such person is dead, to his legal representatives, after the date of declaration of result of election.

(3) If the contesting candidate is not elected and the number of valid votes polled in his favour are less than one sixth of the total number of valid votes polled, the security so deposited shall be forfeited to the State Government.

(4) If the security so deposited is not forfeited under sub-rule (3), the same shall be refunded to the candidate by whom it was made or if he is dead, to his legal representatives, after the notification of the result of election is issued and published in the Official Gazette.

40. Notice of nominations.—The Returning Officer shall, on receiving the nomination papers under sub-rule(2) of rule 38, enter on the nomination papers its serial number and shall sign thereon a certificate stating the date on which and the hour at which, the nomination paper has been delivered to him. A notice of nominations in form-21 containing description similar to those contained in the nomination papers both of the candidate and his proposer shall be affixed in some conspicuous place in his office.

41. Scrutiny of nomination papers.—(1) On the date fixed for the scrutiny of nomination papers under rule 36 the candidate or his proposer, and one other person duly authorized in writing by each candidate, may attend process of scrutiny and the Returning Officer shall give them all reasonable facilities for examining the nomination papers of all the candidates which have been received by him within the time and in the manner laid down in rule 38.

(2) The Returning Officer shall examine the nomination papers and decide all objections which may be made to any nomination and may, either on such objection or on his own motion

after such summary inquiry, if any, as he thinks necessary, reject any nomination on any of the following grounds, namely :—

- (a) that on the date fixed for the scrutiny of nomination, the candidate either is not qualified or is disqualified for being chosen to fill the office under the provisions of these rules or the Act or any other law for the time being in force; or
- (b) that there has been a failure to comply with any of the provisions of rule 38 or rule 39 or
- (c) that the signatures of the candidate or the proposer on the nomination paper are not genuine.

(3) Nothing contained in clause (b) or clause (c) of sub-rule (2) shall be deemed to authorize the rejection of other nomination of the same candidate where such rejection is not warranted.

(4) The Returning Officer shall hold the scrutiny on the date and time appointed in this behalf under clause (d) of sub-rule (1) of rule 36. The process of scrutiny once started shall not be adjourned, except, when such proceedings are interrupted or obstructed by riots, open violence or by causes beyond the control of the Returning Officer :

Provided that in case an objection is raised by the Returning Officer or is made by the candidate or the person duly authorized in writing by the candidate, the candidate concerned may be allowed time to rebut it not later than the day next to the day of scrutiny and the Returning Officer shall record his decision on the date to which the proceedings have been adjourned.

(5) The Returning Officer shall record on each nomination paper his decision accepting or rejecting the same and, if the nomination paper is rejected, shall record in writing a brief statement of reasons for such rejection.

(6) For the purpose of this rule, an entry in the electoral roll for the time being in force of a ward shall be conclusive evidence of the fact that the person referred to in that entry is a voter for that ward.

(7) Immediately after all the nomination papers have been scrutinized and the decision accepting or rejecting the same have been recorded, the Returning Officer shall prepare in form -22 a list of validly nominated candidates that is to say, candidates whose nomination have been found valid and affix on the notice board at the office of the Returning Officer.

42. Withdrawal of candidature.—(1) Any candidate may withdraw his candidature by notice in writing in form-23 subscribed by him and delivered to the Returning Officer or the authority specified in this behalf under clause (e) of sub-rule (1) of rule 36, before 3 P.M. on the date specified in the said rule, and no person who has thus withdrawn his candidature shall be allowed to cancel the notice of such withdrawal.

(2) Upon receiving a notice of withdrawal of candidature, the Returning Officer or the specified authority shall cause a notice in form-24 to this effect to be affixed in some conspicuous place in his office.

43. List of contesting candidates.—(1) On completion of the scrutiny of the nomination papers and after the expiry of the period within which candidature may be withdrawn under rule 42,

the Returning Officer shall forthwith prepare a list of contesting candidates in hindi in form-25 and cause it to be affixed on the notice board of his office and shall also supply a copy thereof, to each of the contesting candidates and on demand to his election agent.

(2) The said list shall contain in hindi in devnagari script the names in alphabetical order and the addresses of the contesting candidates as given in the nomination papers.

44. Allotment of symbols to candidates.—(1) After the list of contesting candidates is prepared and if the number of candidates is more than one, the Returning Officer shall allot symbol to each contesting candidate according to the serial number in the list of contesting candidates and of the approved symbols in accordance with the serial number of the symbols specified in the notification under rule 37 :

Provided that there shall not be any choice of symbol for a candidate.

(2) In every case where an election symbol has been assigned to a candidate under subrule (1) such candidate shall forthwith be informed of the symbol so assigned and be supplied with a specimen thereof by the Returning Officer. In that event the list of contesting candidates shall also contain symbol allotted to each candidate.

45. Appointment of Election Agent.—If a candidate desires to appoint an election agent, such appointment shall be made in form-26 either at the time of delivering the nomination paper or at any time before election.

46. Appointment of polling agent.—(1) The number of polling agents, that may be appointed by a candidate shall be one for each polling station.

(2) Every such appointment shall be made in form-27 and the same shall be made over to the polling agent for production at the polling station.

(3) No polling agent shall be admitted into the polling station unless he has delivered to the Presiding Officer the documents of his appointment under sub-rule (2) after duly completing and signing the declaration contained therein before the Presiding Officer.

47. Non-attendance of agent.—Where any act or thing is required or authorized by these rules to be done in the presence of agents, the non-attendance of any such agent or agents at the time and place appointed for the purpose shall not, invalidate the act or thing done.

48. Maximum election expenses and account thereof.—(1) The maximum limit of election expenditure to be incurred by a contesting candidate or/and through his authorized agents shall not exceed.—

- (a) for member of Municipal Council : Rs. 75,000/-; and
- (b) for member of Nagar Panchayat : Rs. 50,000/- ;

Provided that the State Government may notify enhanced limit of maximum election expenditure to be incurred by a contesting candidate or and his authorized agents in consultation with the Commission.

(2) Every candidate contesting election from a ward shall keep an account of election expenditure in a register to be called the register of election expenditure in form-28.

(3) The account under sub-rule (2) shall be maintained as per provision of section 17-A of the Act.

(4) The account shall be correctly and truly maintained in respect of each item of expenditure on day-to-day basis from the date of filing of nomination papers up-to the date a day after the declaration of result.

(5) All expenditure by the candidate or his authorized election agent on all the items of expenditure maintained in form-29 shall be included in the account as kept under sub- rule (2) of election expenditure.

(6) All documents such as vouchers, receipts, acknowledgements etc. in support of expenditure incurred and recorded in the register shall be maintained correctly.

(7) The day-to-day account maintained shall be made available for inspection at any time during the process of election to the Returning Officer or any other officer authorized by him or the Commission.

(8) Failure to submit the account of election expenses within the time and in the manner required by the Act and these rules or, to produce a true copy of the accounts of election expenditure on demand by an officer authorized to do so, shall be deemed to be a corrupt practice under section 301 of the Act.

(9) A statement of account of the total election expenditure maintained shall be submitted as directed by the Commission under section 17-B of the Act to the Returning Officer or any other officer authorised by the Commission or both within thirty days of declaration of the result

(10) The statement of account shall be submitted in forms 29 and 30 alongwith an affidavit of the candidate in form- 31

(11) On receipt of the statement of accounts, the Returning Officer shall issue an acknowledgement in form- 32

CHAPTER-VII

GENERAL PROCEDURE OF ELECTION

49. Death of candidate before poll.—If a candidate whose nomination has been found valid on scrutiny and who has not withdrawn his candidature, dies and a report of his death is received before the commencement of the poll and the number of remaining contesting candidates is more than one, the election shall not be countermanded but in case there remains only one candidate in the field, the election shall take place de-novo as per the directions of the Commission:

Provided that no fresh nomination shall be necessary for candidate who was a contesting candidate at the time of countermanding of the election.

50. Contested and un-contested elections.—(1) Subject to the provisions of rule 49, if there is only one contesting candidate in the field, the Returning Officer shall forthwith declare such candidate duly elected to fill the office and issue a declaration in form-33. If there is no contesting candidate in the field, the Returning Officer shall report the matter to the Commission with a view to take further action accordingly.

(2) If the number of contesting candidate in the field is more than one, a poll shall be taken on the date specified under rule 35.

51. Adjournment of poll in emergencies.—(1) If at an election the proceedings at any polling station are interrupted or obstructed, by riot or open violence, or if it is not possible to take the poll at that polling station on account of any natural calamity or any other sufficient cause, the Presiding Officer of such polling station, shall announce an adjournment of the poll for a date to be notified later and the Commission shall forthwith inform the Returning Officer.

(2) Where a poll is adjourned under sub-rule (1), the Returning Officer shall immediately report the circumstances to the Commission and to the State Government and shall, as soon as may be, appoint the day on which the poll shall recommence and fix the polling station at which and the hours during which, the polling shall take place. The votes cast at such election shall not be counted until such adjourned poll is completed and the ballot box used at such polling station shall be sealed and kept in safe custody till the commencement of the counting.

(3) In all the cases under this rule, the Returning Officer shall affix a notice specifying the date, place and hours of polling fixed under sub-rule (2) at his office and in the office of the municipality and the Tehsil concerned.

52. Fresh poll in the case of destruction etc. of the ballot box.—(1) If at any election any ballot box is unlawfully taken out of the custody of the Presiding Officer or is in any way tampered with, or is either accidentally or intentionally destroyed, lost or damaged, the polling at the polling station to which such ballot box relates shall be liable to be declared as void.

Explanation.— Damage to a ballot box also includes damage or destruction of ballot papers done at the time of counting of votes but before the completion of counting and declaration of result.

(2) Whenever the polling at any polling station becomes liable to be declared as void under sub-rule (1), the Presiding Officer shall, as soon as practicable after the act or event causing such damage or destruction, report the matter to the Returning Officer who will report the matter immediately to the Commission and the Commission in the event of being satisfied that in consequence thereof the result of the poll of that polling station can not be ascertained, declare the polling void and shall appoint a day taking the poll afresh at such polling station, and fix the hours during which the poll shall be taken and shall not count the votes cast at other polling stations of the ward until such fresh poll has been completed.

53. Restriction on contesting of election for more than one municipality and ward.— No candidate shall contest election for more than one municipality and within the municipality from more than one ward at the same time.

54. Method of voting.—(1) At every election where a poll is to be taken, votes shall be cast in person and given by ballot or electronic voting machine at the polling station fixed under rule 32 and no votes shall be cast by proxy :

Provided that the giving and receiving of votes by electronic voting machine, in such manner as may be specified under the rules or the directions issued in this behalf, by the Commission , may be adopted in a ward or wards of a municipality as the Commission may specify.

(2) No voter shall vote in the election of the municipality more than once notwithstanding that his name may have been registered in the electoral roll for that municipality more than once.

55. Procedure on adjournment of poll.—(1) If the poll at any polling station is adjourned under rule 49 the provisions of these rules with regard to poll shall apply to every such fresh poll as they apply to the original poll.

(2) When an adjourned poll is once recommenced under sub-rule (2) of rule 51, the voter who has already voted at the poll so adjourned shall not be allowed to vote again.

(3) The Returning Officer shall provide the Presiding Officer of the polling station at which such adjourned poll is to be held with the sealed packets containing the marked copy of the electoral roll and required number of ballot papers and a new ballot box electronic voting machine.

(4) The Presiding Officer shall open the sealed packet in the presence of such candidates or their agents as may be present and use the same for the conduct of adjourned poll.

56. Ballot box and paper seal.—(1) Every ballot box and paper seal to be used at an election shall be of such design as may be used at any election to the Legislative Assembly of Himachal Pradesh or as may be approved by the Commission.

(2) A paper seal shall be used for securing a ballot box and the Presiding Officer shall affix his signatures and obtain thereon the signatures of the candidates or of such of the polling agents as are present and desirous of affixing the same. The paper seal shall be of such design as may be specified by the Commission and proper record of paper seal used or unused shall be maintained in form-34.

(3) The Presiding Officer shall, thereafter, fix the paper seal in the space meant therefore in the ballot box and shall then secure and seal the box in such a manner that the slit for insertion of ballot paper therein remains open.

(4) Every ballot box used at a polling station shall bear labels, both inside and outside and marked with.—

- (a) the serial number and the name of the ward;
- (b) the serial number and the name of polling station;
- (c) the serial number of the ballot box (to be filled in at the end of the label on the outside of the ballot box only); and
- (d) the date of poll.

(5) Immediately before the commencement of the poll, the Presiding Officer shall demonstrate to the candidates and polling agents and other persons present that the ballot box is empty and bears the labels referred to in sub-rule (4).

(6) The ballot box shall then be closed, sealed and secured and placed in full view of the Presiding Officer, the candidates and the polling agents.

57. Facilities for women voters in the elections.—(1) Where a polling station is for both men and women voters, the Presiding Officer may direct that they shall be admitted in the polling station alternatively.

(2) The Presiding Officer may appoint a woman to serve as an attendant at any polling station to assist women voters and the Presiding Officer in taking the poll and in particular to help in searching the name of any woman voter in case it becomes necessary.

58. Form of ballot papers.—(1) Every ballot paper alongwith its counterfoil shall be in form-35 and the particulars therein shall be in hindi in devnagri script.

(2) The names of the candidates shall be arranged on the ballot paper in the same order in which they appear in the list of contesting candidates prepared under rule 43. The-ballot papers shall be printed in the design and colour as specified by the Commission:

Provided that after the name and symbol of last candidate, there shall be a column with the words “None of the above” written therein. The size of the column shall be same as used for other candidates.

59. Arrangement at polling station.—(1) Outside each polling station there shall be displayed prominently.—

- (a) a notice specifying the polling area the voters of which are entitled to vote at the polling station or where polling station has more than one polling booths, at each one of such booths or the description of the voter allotted to any such booth; and
- (b) another notice in hindi in devnagri script containing the list of contesting candidates prepared under rule 43, alongwith the symbols allotted under rule 44.

(2) At each polling station there shall be set up one or more compartments in which voters can record their votes in secrecy.

(3) The Returning Officer shall provide at each polling station required number of ballot boxes, copies of the relevant part of electoral roll, the ballot papers, and other articles necessary for the conduct of poll.

60. Commencement of poll.—The Presiding Officer shall start the poll exact at the time mentioned in notice of election and before commencement of the poll, he shall bring to the notice of all, who are present, the provisions of section 292 of the Act which reads as under:—

“292. Secrecy of voting.—(1) No witness or other person shall be required to state for whom he has voted at an election.

(2) Every officer, clerk, agent or other person who performs any duties in connection with the recording or counting of votes at an election shall maintain and aid in maintaining the secrecy of the voting and shall not (except for some purpose authorised by or under any law) communicate to any person any information calculated to violate such secrecy.

(3) Any person who wilfully acts in contravention of the provisions of this section shall be punished with imprisonment of either description for a term not exceeding three months, or with fine, or with both.”.

61. Admission to polling station.—The Presiding Officer shall regulate the number of voters to be admitted, at anyone time inside the polling station and shall exclude therefrom all persons other than.—

- (a) Polling Officer;

- (b) candidates and their agents;
- (c) Returning Officer or such other persons as may be authorized by him;
- (d) public servants appointed on duty in connection with the election by the election authorities ;
- (e) a child in arms accompanying a woman voter and a companion accompanying blind or infirm voter who cannot move without help;
- (f) such other person as the Presiding Officer may employ under sub-rule (2) of rule 57 and sub-rule (1) of rule 62; and
- (g) State Election Commissioner or such other persons as may be authorized by him.

62. Identification of voters.—(1) Each voter when enters the polling station, the Presiding Officer, or the Polling Officer authorized by him in this behalf shall check the voter's name and the other particulars with the relevant entries in the electoral roll and then call out the serial number, name and other particulars of the voter.

(2) In deciding the right of a person to obtain a ballot paper, the Presiding Officer or the Polling Officer, as the case may be, shall ignore merely clerical or printing errors in an entry in the Electoral roll, if he is satisfied that such person is identical with the voter to whom such entry relates.

63. Persons entitled to vote by post.—Subject to their fulfilling the requirements herein after specified, the persons who are voters and are on election duty shall be entitled to vote by post at an election in a ward of the municipality.

64. Intimation by voters on election duty.—(1) A voter on election duty who wishes to vote by post at an election shall send an application in form-36 to the Returning Officer so as to reach him atleast seven days or such shorter period as the Returning Officer may allow before the date of the poll, and if the Returning Officer is satisfied that the applicant is a voter on election duty, he shall issue a postal ballot paper to him for the election of Member or Election Duty Certificate (EDC) in form-38.

(2) Where a person being a Polling Officer, Presiding Officer or other public servant on poll duty in the ward of which he is an elector, wishes to vote in person at an election in a Municipality/ward and not by post, he shall send an application in form 37 to the Returning Officer so as to reach him at least four days, or such shorter period as the Returning Officer may allow, before the date of poll; and if the Returning Officer is satisfied that the applicant is a public servant and voter on poll duty in the ward, he shall issue to the applicant a election duty certificate in form-38.

(3) Where Election Duty Certificate has been issued to an elector under sub-rules (1) and (2), the Returning Officer shall mark "EDC" against his name in the marked copy of the electoral roll to indicate that an Election Duty Certificate has been issued to him and shall ensure that he is not allowed to vote at the polling station where he would otherwise have been entitled to vote.

65. Facilities for persons on election duty.—(1) The provisions of rule 62 shall not apply to any person who produces at the polling station, an Election Duty Certificate in form-38 and asks for the issue of a ballot paper to him although the polling station is different from the one where he is entitled to vote.

(2) On production of such certificate the Presiding Officer shall—

- obtain thereon the signatures of the person producing it;
- have the person's name and electoral roll number as mentioned in the certificate entered at the end of marked copy of the electoral roll; and
- issue to him a ballot paper, and permit him to vote in the same manner as for an elector entitled to vote at that polling station.

66. Procedure for preventing impersonation of voters.—(1) Subject to the other provisions of this rule every voter (to whom a ballot paper has to be supplied for the purpose of voting at a polling station shall before receiving such ballot paper) allow -

- the inspection of his left forefinger to the Presiding Officer and any Polling Officer; and
- an indelible ink mark to be put on his left forefinger.

(2) If any person refuses to allow such inspection of his left forefinger; or persists in doing any act with a view to removing such mark after it has been put, he shall not be entitled to be supplied with any ballot paper or to record his vote at the election.

(3) No person, who already has a mark on his forefinger, shall be supplied with any ballot paper and if any such person still persists for the supply of a ballot paper he shall be liable to be arrested and prosecuted for impersonation.

(4) Any reference in this rule to the left forefinger of voter shall, where the voter has his left forefinger missing, be construed as a reference to any other finger of his left hand, and shall in the case where all the fingers of his left hand are missing, be construed as a reference to the forefinger or any other finger of his right hand, and shall in the case where all the fingers of his both hands are missing be construed as a reference to such extremity of his left or right arm as he possesses.

67. Voting Procedure.—(1) The voter on entering the polling station shall first allow his left forefinger to be inspected by a Polling Officer for the purpose of ascertaining if he has any mark of indelible ink on that finger, if there is no such mark, the Polling Officer-in-charge of the poll, shall ascertain the voter's name and address and such other particulars as appear on the electoral roll and after having satisfied himself about the identity of the voter, the Presiding Officer or the Polling Officer, as the case may be, shall put indelible ink mark to his left forefinger and then he shall be supplied with a ballot paper. The Presiding Officer or the Polling Officers, as the case may be, shall before the delivery of the ballot paper to the voter enter the serial number of the voter from the marked copy of the electoral roll in the counterfoil of the ballot paper and obtain his signatures.

(2) Every ballot paper shall, before issue to voter, be stamped with such distinguishing mark on its back as the Commission may direct.

(3) Save as provided in sub-rule (1) no person in the polling station shall be allowed to note down the serial number of the ballot paper(s) issued to particular voter.

(4) At any time before a ballot paper is delivered to a voter, the Presiding Officer or a Polling Officer may of his own accord, if he has reason to doubt the identity of the voter or his right

to vote at the polling station or be so required by a candidate or his polling agent, put to the voter the following question, namely :—

- (a) Are you the person enrolled as follows (reading the whole entry relating to the voter from the electoral roll)?
- (b) Have you already voted at the present election?
- (c) Such other questions as he may deem fit or necessary and the voter shall not be supplied with a ballot paper unless he answers the first question in the affirmative and the second question in the negative or he refuses to answer any other question put to him in pursuance of this rule.

(5) The voter on receiving the ballot paper shall forthwith.—

- (a) proceed to the voting compartment;
- (b) make a mark on the ballot paper with the instrument supplied for the purpose on or near the symbol of the candidate for whom he intends to vote;
- (c) fold the ballot paper so as to conceal his vote;
- (d) if so required, show to the Presiding Officer the distinguishing mark on the ballot paper;
- (e) insert the folded ballot paper into the ballot box; and
- (f) quit the polling station.

(6) Every voter shall vote without undue delay.

(7) No voter shall be allowed to enter a compartment when another voter is inside it.

68. Recording of votes of blind or infirm voters.—(1) If the Presiding Officer is satisfied that owing to blindness or other physical infirmity, voter is unable to recognize the symbols on the ballot paper or to make mark thereon without assistance, the Presiding Officer shall permit the voter to take with him a companion of not less than eighteen years of age to the voting compartment for recording the vote on the ballot paper on his behalf in accordance with his wishes, and, if necessary, for folding the ballot paper so as to conceal the vote and insert it into the ballot box:

Provided that no person shall be permitted to act as a companion of more than one voter at any polling station on the same day:

Provided further that before any person is permitted to act as the companion of voter on any day under this rule, the person shall be required to declare in form-39 that he shall keep secret the vote recorded by him on behalf of the voter and that he has not already acted as the companion of any other voter at any polling station on that day.

(2) The Presiding Officer shall keep in form-40 record of all cases under this rule.

69. Spoilt and returned Ballot papers.— (1) A voter who has inadvertently dealt with his ballot paper in such a manner that it can not be conveniently used as a ballot paper, may, on returning it to the Presiding Officer and on satisfying himself of the inadvertence, be given another ballot paper and the ballot paper so returned shall be marked by the Presiding Officer as "cancelled being Spoilt".

(2) All ballot papers cancelled under sub-rule (1) shall be kept in a separate packet.

70. Tendered votes.— (1) If a person representing himself to be a particular voter applies for a ballot paper after another person has already voted as such voter, he shall, on satisfactorily answering such questions relating to his identity as the Presiding Officer may ask be entitled subject to the following provisions of this rule to mark a ballot paper (hereinafter in these rules referred to as "Tendered Ballot Papers") in the same manner as any other voter.

(2) Every such person shall before being supplied with a Tendered Ballot Paper, put his signature against the entry relating to him in the list in form-41.

(3) A Tendered Ballot Paper shall be the same as other ballot papers used at the polling, except that it shall be.—

- (a) serially the last in the bundle of ballot papers issued for use at the polling station; and
- (b) endorsed on the back with words "Tendered Ballot Papers" by the Presiding Officer at his own and signed by him.

(4) The voter, after marking Tendered Ballot Paper in the voting compartment and folding it, shall, instead of putting it into the ballot box give it to the Presiding Officer, who shall place it in a cover specially kept for the purpose.

71. Challenged votes.— (1) If a candidate or his agent declares and undertakes to prove that any person, by applying for ballot paper has committed the offence of impersonation, the Presiding Officer, may require such person to state his name and address and shall then enter such name and address in the list of Challenged Votes in Form-42, and shall require such person to sign such entry or, if he is unable to write, to affix, his thumb impression thereto and the Presiding Officer shall sign his name across such impression and may further require such person to produce evidence of identification:

Provided that no action shall be taken by the Presiding Officer under this sub-rule unless a sum of Rs.20/- has been deposited in cash against proper receipt with the Presiding Officer by the candidate or such agent for each challenge he makes.

(2) If the person, so challenged, refuses to comply with such requisition he shall not be permitted to vote but if such person complies with the same and on being questioned in the manner provided in rule 67 answers the first question in affirmative and the second question in the negative and replies satisfactorily to any other question put to him in pursuance of that rule, and if having been required to produce evidence of identification, he produces evidence, which the Presiding Officer considers satisfactory, shall be allowed to vote after he has been informed of the penalty for impersonation.

(3) If the Presiding Officer after such inquiry on the spot as he thinks necessary, is satisfied that the challenge made by the candidate or his polling agent under sub-rule (1) is

frivolous and has not been made in good faith, he shall direct the deposit made under sub-rule (1) to be forfeited to the State Government and his order in this respect shall be final.

(4) If the deposit made under sub-rule (1) is not forfeited under sub-rule (3), it shall be returned to the person by whom it was made after the close of the poll on the day on which it is made.

(5) The Presiding Officer shall in every case, whether or not the person challenged is allowed to vote make a note of the circumstances in the list of challenged votes in form-42

72. Closing of poll.—(1) The Presiding Officer shall close a polling station at the hour fixed in that behalf and shall not admit there-to any voter after that hour : Provided that all the voters present within the polling station before it is closed shall be entitled to cast votes.

(2) Any question that may arise as to whether voter shall for the purpose of the provision of sub-rule (1), be allowed to be present within the polling station before it is closed, shall be decided by the Presiding Officer, whose decision shall be final.

73. Sealing of ballot box after poll.—(1) As soon as practicable after the closing of the poll the Presiding Officer shall close the slit of the ballot box, seal it and allow any desirous polling agent to affix his own seal. The ballot box shall thereafter be sealed and secured properly.

(2) Where it becomes necessary to use a second ballot box by reason of the first ballot box getting full, the first box shall be closed, sealed and secured as provided in sub-rule (1) before another ballot box is put into use.

74. Account of ballot papers.—The Presiding Officer shall at the close of the poll prepare a ballot paper account in form-43 and put it in a separate cover with the words "Ballot Papers Account" subscribed thereon.

75. Sealing of other packets.—(1) The Presiding Officer shall then put into the separate packets.—

- (a) the counterfoils of used ballot papers;
- (b) the marked copy of the electoral roll;
- (c) the un-used ballot papers;
- (d) the cancelled ballot papers;
- (e) the cover containing the Tendered Ballot Papers and the list in form-41;
- (f) the list of challenged votes in form-42;
- (g) paper seal account in form-34; and
- (h) any other papers directed by the Returning Officer to be kept in a sealed packet.

(2) Each such packet prepared under sub-rule (1) shall be sealed with the seal of the Presiding Officer and those agents present who may desire to affix their seal thereon.

76. Transmission of ballot boxes etc. to the Returning Officer.—(1) The Presiding Officer shall then deliver or cause to be delivered to the Returning Officer at such place as the Returning Officer may direct.—

- (a) the ballot boxes as referred to in rule 73;
- (b) the ballot paper account as referred to in rule 74;
- (c) the sealed packets as referred to in rule 75; and
- (d) all other papers used at the poll.

(2) The Returning Officer shall make adequate arrangements for their safe custody until the commencement of the counting of votes.

CHAPTER-VIII

COUNTING OF VOTES AND DECLARATION OF RESULTS

77. Admission to the place of counting.—(1) The Returning Officer shall exclude from the place fixed for the counting of votes under rule 35 a person, except.—

- (a) such Government servants as he may appoint to assist him in the counting;
- (b) every candidate and his counting agents;
- (c) public servants on duty; and
- (d) the State Election Commissioner or any other person authorized by the Commission.

(2) Any person, who during the counting of votes mis-conducts or fails to obey the lawful directions of the Returning Officer may be removed from that place where the votes are being counted.

(3) The number of counting agents of candidates shall not exceed the number of counting tables, fixed for the counting of votes of the ward plus one more for the table of the Returning Officer.

(4) Every appointment of counting agent(s) shall be made in form-45 in duplicate, one copy of which shall be forwarded to the Returning Officer while the other copy shall be made over to the counting agent for production before the Returning Officer at the time of counting.

78. Scrutiny and opening of ballot boxes.—(1) The Returning Officer shall on the date and at the time and place fixed under rule 35 before commencement of the counting, read out the provisions of section 292 of the Act to such persons as may be present.

- (2) He shall then deal with the ballot boxes in the following manner, namely :—
 - (a) all the ballot boxes used at a polling station shall be opened at the same time;
 - (b) before any box is opened at the counting table the candidates or their agents shall be allowed to inspect the paper seal or other seals, as have been fixed thereon and to satisfy themselves that the same are intact;

- (c) the Returning Officer shall satisfy himself that none of the ballot boxes has in fact been tampered with; and
- (d) if the Returning Officer is satisfied that any ballot box has in fact been tampered with, he shall not count the ballot papers of that box and shall follow the procedure laid down in rule 52 in respect of that polling station.

79. Scrutiny and rejection of ballot paper.—(1) The ballot papers taken out of each ballot box shall be arranged in convenient bundles and scrutinized.

- (2) The Returning Officer shall reject a ballot paper if Page.—
 - (a) votes are given on it in favour of more than one candidate; or
 - (b) it bears any mark or writing by which the voter can be identified; or
 - (c) no vote is recorded thereon; or
 - (d) the mark indicating the vote thereon is placed in such a manner as to make it doubtful to which candidate, the vote has been given; or
 - (e) it is spurious ballot paper; or
 - (f) it is so damaged or mutilated that its identity as a genuine ballot paper cannot be established; or
 - (g) it bears a different serial number, or is different from design of the ballot paper authorized for use at the polling station; or
 - (h) it does not bear the mark which it should have born under the provisions of sub-rule (2) of rule 67:

Provided that where the Returning Officer is satisfied that any such defect as is monitored in clauses (g) and (h) has been caused by any mistake or failure on the part of a Presiding Officer or Polling Officer, the ballot paper shall not be rejected merely on the ground of such defect:

Provided further that a ballot paper shall not be rejected merely on the ground that the mark indicating the vote is distinct or made more than once, if the intention that the vote shall be for a particular candidate clearly appears from the way the ballot paper is marked.

- (3) Before rejecting any ballot paper under sub-rule (2) the Returning Officer shall allow each counting agent present reasonable opportunity to inspect the ballot paper but shall not allow him to handle it or any other ballot papers.
- (4) The Returning Officer shall record on every ballot paper which he rejects, the letter 'R' and the ground of rejection either in his own hand or by means of rubber stamp.
- (5) All ballot papers rejected under this rule shall be bundled together.

80. Counting of votes and declaration of results.—(1) Every ballot paper, which is not rejected under rule 79 shall be deemed to be valid and shall be counted after being sorted out candidate-wise:

Provided that no packet containing tendered ballot paper shall be opened out and no such paper shall be counted.

(2) The Returning Officer shall as far as practicable, proceed continuously with the counting and shall, during any interval when the counting has to be suspended, keep the ballot papers, packets and all other papers relating to the election sealed with his own seal and the seals of such candidates or election agents or the counting agents who may be desire to affix their seals and shall take sufficient precautions for their safe custody during such intervals.

(3) The ballot papers taken out of each box shall be mixed-up with other ballot papers taken out of other ballot boxes concerning the same office and after that it shall be sorted out separately for each office. The ballot papers for the member of Municipal Council/Nagar Panchayat shall be retained on the same table. The result of member of Municipal Council/Nagar Panchayat shall be declared on form 46 after preparing the result sheet on form 47 :

Provided that before declaring the result on forms 46 and after the counting of all valid votes of polling station has been completed, the Returning Officer who have made the entries on a result sheet in forms 47 and announce the particulars. After such announcement has been made, a candidate or, in his absence, his election agent or any of his counting agents may apply in writing to the Returning Officer to recount the votes either wholly or in part stating the grounds on which he demands such recount. On such an application being made the Returning Officer shall decide the matter and may allow the application ;in whole or in part or may reject it if it appears to him to be frivolous or unreasonable. Every decision of the Retuning Officer on such application shall be in writing and contain the reasons therefor.

(4) Immediately after declaration of result the Returning Officer shall affix a copy of Return of election in a conspicuous place at his office and send the same to the Commission and the Secretary (Urban Development) to the Government of Himachal Pradesh, as the case may be, for publication in the Official Gazette of the State Government as required under section 27 of the Act.

(5) All valid ballot papers shall thereafter be bundled candidate-wise together and kept alongwith the bundle of rejected ballot papers in a separate packet, which shall be sealed and on which shall be recorded the following particulars, namely :—

- (a) the name of the ward/ Municipal Council/Nagar Panchayat;
- (b) the particulars of the polling station where the ballot papers have been used ; and
- (c) the date of counting.

(6) When counting of votes have been completed and the result has been declared the Returning Officer shall prepare a return in form 43 Part-II and forthwith affix a copy of the same in a conspicuous place in his office. The Returning Officer, after the date of election shall notify the names of elected candidates together with the name of candidate, if any, deemed to have been elected under the provisions or rule 50 and send a copy of the same to the Commission for publication in the Official Gazette of the State Government and one copy of the return prepared in form 44 shall be sent to the Commission, immediately, after declaration of the result.

81. Commencement of counting after fresh poll.—(1) If a fresh poll is held under rule 52, the Returning Officer shall, after completion of that poll, recommence the counting of votes on the date and time and place which has been fixed by the Commission in that behalf and of which notice, has previously been given to the candidates and their agents.

(2) The provisions of rules 78, 79 and 80 shall apply to such further counting.

82. Procedure in case of tie.—If after the counting of votes, tie is found to exist between any two candidates, and the addition of one vote entitles any of those candidates to be declared elected that shall forthwith be decided between those candidates by lot, and the candidate on whom the lot falls shall be considered to have received an additional vote and shall be declared to be duly elected.

83. Custody of papers relating to elections.—The Returning Officer shall retain the packets of the counter foils of used ballot papers, the packets of unused ballot papers, the packets of used ballot papers valid, tendered or rejected and all other papers relating to the elections in safe custody either in his own office or at such other place as he may specify in writing until the expiry of 90 days from the date of publication of the result of election.

84. Production and inspection of election papers.— (1) While the.—

- (a) packets of counterfoils of used ballot papers;
- (b) packets of unused ballot papers;
- (c) packets of used ballot papers; and
- (d) packets of marked copies of the electoral roll, are in the custody of Returning Officer.

shall not be opened and their contents shall not be inspected by, or produced before, any person or authority except under the orders of the competent court or of the officer authorized under section 282 of the Act.

(2) All other papers relating to the election shall be open to public inspection and any person may apply for such an inspection or supply of certified copies thereof on payment of a fee at the same rate as is charged in Himachal Pradesh for the inspection of documents forming part of a record dealt with by a Revenue Officer, or for supply of a copy of an order by Revenue Officer, as the case be, and such copies shall be supplied in accordance with the procedure to be followed for a similar application in respect of case dealt with by a Revenue Officer.

85. Disposal of election papers.—Subject to any direction to the contrary given by the State Government or by the Commission or by a competent court or by an authorized officer under section 282 of the Act, the packets and other papers referred to in rules 83 and 84 shall be retained for a period of 90 days from the date of publication of results in the Official Gazette and shall thereafter be destroyed :

Provided that if an election petition is pending, the packets and other papers referred to in this rule shall not be disposed of unless the petition is finally decided.

86. Casual vacancies in the municipality.—When a vacancy occurs in the municipality by death, resignation or removal of any office bearer, a new office bearer shall be elected in his place in accordance with the provisions of sub-sections (1) and (2) of section 19 of the Act, and such election shall be conducted in the manner as specified in these rules and the programme of election shall be framed as soon as may be convenient after occurrence of the vacancy.

87. Interpretation of rules.—If any question arises regarding the interpretation of these rules, otherwise than in connection with an election petition, which has actually been presented, shall be referred to the Commission, whose decision thereon shall be final.

88. Administration of oath to the elected member.—(1) After the results of elections of members have been declared under rule 80, the Deputy Commissioner or any other officer authorized by him, not below the rank of Sub Divisional Officer (Civil) shall fix a date and time for making an oath or subscribing an allegiance to the Constitution of India to the elected members of the municipality under section 27 of the Act by issuing notice in writing to the newly elected members giving seven days time for the first meeting, provided that such notice shall be delivered to the elected members atleast 48 clear hours before such meeting. This meeting shall be held at the headquarters of the Municipal Council or Nagar Panchayat, as the case may be.

(2) On the date and time fixed under sub-rule (1), the Deputy Commissioner or any other officer authorized by him not below the rank of Sub-Divisional Officer (Civil) shall call each elected member to make an oath or subscribe an affirmation of allegiance to the Constitution of India.

CHAPTER-IX

ELECTION OF PRESIDENT AND VICE-PRESIDENT.

89. Election of President.—(1) Immediately after an oath is made or an allegiance is subscribed to the elected members under rule 88, the Deputy Commissioner or any other officer authorized by him not below the rank of Sub-Divisional Officer (Civil) shall preside over the meeting for the conduct of elections to the officer of President.

(2) Immediately after administering the oath of office in accordance with rule 88, the Presiding Officer shall give time up to one hour to the elected members to nominate candidates for the office of President.

(3) An elected member may be proposed for the office of President by another elected member and seconded by one more elected member in form-50.

(4) An elected member who has been proposed as candidate under sub-rule (3) shall accept the nomination for becoming a candidate for the office of the President.

(5) After the expiry of the time given for filing the nomination, the Presiding Officer shall undertake scrutiny of the nominations and accept the candidature of such candidates who are validly nominated after rejecting invalid nominations.

(6) After the acceptance of the nominations, the Presiding Officer shall give 30 minutes time for withdrawal of candidature.

(7) Quorum for the meeting for the election of President shall be three forth of the total elected members. In case the quorum is not complete, the Deputy Commissioner or the officer presiding over the meeting shall postpone the meeting to a later date not being more than three days from the day of its first meeting, for the postponed meeting, no quorum shall be required.

(8) If only one candidate for the office is left after the time allowed for the Presiding Officer shall declare such a candidate as duly elected;

(9) If more than one candidates are left after the time allowed for withdrawal of candidature is over, poll shall be held; and

(10) Ballot papers to be used at the election of the President shall be in form-48 and the particulars therein shall be in hindi in devnagri script.

90. Method of voting at the election of President.—(1) The procedure of voting at the election of President shall be as under :—

- (a) before issuing the ballot papers to the members, the Presiding Officer shall put his signatures on the back of each ballot paper in token of distinguishing mark;
- (b) the member on receipt of the ballot paper shall make a cross mark (x) against the name of the candidate for whom he intends to vote;
- (c) after marking cross(x), the member shall fold the ballot paper so as to conceal his vote; and,
- (d) the member shall insert the folded ballot paper into the ballot box kept for the purpose in front of the Presiding Officer.

(2) after polling is over, the Presiding Officer shall open the ballot box and shall, in the presence of the members, count the votes.

Explanation.—For determining whether a vote polled is valid or invalid the provisions of rule 79 shall apply.

(3) A candidate obtaining largest number of valid votes shall be declared to be elected to fill the office:

Provided that if, after the counting of votes tie is found to exist between any candidate, the addition of one vote will entitle any of these candidate to be declared elected, that shall forthwith be decided between these candidates by lot, and the candidate on whom the lot falls shall be considered to have received an additional vote and shall be declared to be duly elected.

(4) All ballot papers used for such voting, shall be put in a stout envelope and sealed by the Presiding Officer in full view of the members present there at and the description of the election to which the ballot papers relate shall be inscribed thereon. The Deputy Commissioner shall preserve the envelope, intact either in his office or at such other place as he may specify in writing until the expiry of one year from the date of election subject to any direction to the contrary given by the competent court or Commission or an officer authorized/appointed to hold an enquiry into an election petition under Chapter XVII of the Act.

(5) The Deputy Commissioner shall prepare and forward the return of election in form- 49 to the State Government as well as to the Commission for information and record.

(6) The State Government on receipt of the election return under sub-rule (5) shall notify the election of the President as required under sub-section (1) of section 27 of the Act and forward a copy of the same to the Commission.

91. Election of the Vice-President.—After the election of the President, the Deputy Commissioner or any other officer authorized by him, not below the rank of Sub-Divisional Officer (Civil) shall hold the election to the office of the Vice-President in the same manner as provided for the election of President under rules 89 and 90.

92. No confidence motion against the President and Vice-President.—(1) A motion of no confidence against the President or Vice-President of a municipality may be made through a requisition given in writing addressed to the Deputy Commissioner signed by not less than majority of its total elected members:

Provided that the members who have made such a motion may withdraw the same before the meeting is convened for the purpose:

Provided further that motion of no confidence under this rule shall not be maintainable within one year of the date of his election to such office and any subsequent“ motion of no confidence shall not be maintainable within the interval of one year of the last motion of no-confidence.

(2) The Deputy Commissioner or such other officer not below the rank of Sub-Divisional Officer (Civil) authorized by the Deputy Commissioner shall circulate to each member a copy of the requisition for the use of the members.

(3) The Deputy Commissioner or such other officer not below the rank of Sub-Divisional Officer (Civil) authorized by the Deputy Commissioner shall convene a special meeting by giving a notice of not less than fifteen days for the consideration of the motion referred to in sub-rule (1) and shall preside over at such meeting.

(4) If the no-confidence motion is carried out with the support of majority of elected members present and voting at such special meeting, the quorum of which is not less than one half of its total elected members, the President or Vice-President, as the case may be, shall be deemed to have vacated his office.

93. Fresh election.—If the office of the President or Vice-President is vacated during his tenure on account of no-confidence motion, a fresh election for the remainder of the period shall be held in the manner prescribed in these rules for the election of President or the Vice-President, as the case may be, within a period of one month from the date of vacancy.

CHAPTER-X

ELECTION PETITIONS AND APPEALS

94. Presentation of petition.—(1) The election petition under section 284 shall be presented to the authorised officer, under whose territorial jurisdiction the Municipality is situated.

(2) The petitioner shall attach with the petition equal number of copies of the petition and its enclosures to that of the number of respondents.

(3) The affidavit referred to in the proviso to sub-section (1) of section 285 shall be in form-51 and shall be sworn in before a Magistrate.

95. Security deposit to be made with the petition.—At the time of presentation of an election petition, the petitioner shall deposit a sum of Rs. 2000/- (Rupees two thousand only) as security money in the Government Treasury or Sub-Treasury under the appropriate head of account in the name of Authorized Officer to whom the petition is presented.

96. Withdrawal of petitions.—(1) An election petition may be withdrawn by the petitioner only after the permission of the authorized officer to whom the petition is presented.

(2) When an application for withdrawal is made, a notice thereof fixing a date for the hearing of the application shall be given to all other parties to the petition.

(3) No application for withdrawal shall be allowed, if, in the opinion of the authorised officer to whom the petition is presented or to whom such petition is transferred, as the case may be, such an application has been induced by bargain or consideration which ought not to be allowed.

(4) If the application for withdrawal is allowed, the authorised officer to whom the petition is presented shall pass an order:

Provided that where the application of withdrawal is allowed by the authorised officer, a copy of the order shall be sent to the Director, Urban Development, Himachal Pradesh.

97. Place and procedure of enquiry.—(1) The place of enquiry shall be headquarters of the authorised officer concerned to whom the petition is made or transferred:

Provided that the authorised officer to whom the petition is made or transferred, as the case may be, may, on being satisfied that special circumstances exist rendering it desirable that the enquiry should be held elsewhere, fix some other convenient place for this purpose.

(2) The public shall have free access to the place where enquiry into the election petition may be held.

(3) Notice of the time and place of enquiry shall be given to the parties not less than seven days before the first date of hearing.

98. Communication of orders on petition.—The authorised officer to whom the election petition is made or transferred, as the case may be, shall, after conclusion of the election petition, send a copy of the order to the Commission and to the Director, Urban Development, Himachal Pradesh as soon as possible.

99. Procedure in presentation of appeal.—(1) Any person aggrieved by an order passed by the authorised officer under section 295 or section 296 of the Act, may, within a period of thirty days, file an appeal to the Director, Urban Development Department:

Provided that the Director, Urban Development may entertain the appeal after the expiry of said period of thirty days, if it is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from filing the appeal in time.

(2) In computing the period of limitation for filing of appeal under the Act, the period spent in obtaining a copy of the order shall be excluded.

(3) Every appeal preferred, under sub-rule (1), shall be presented in the form of a memorandum by the appellant or his duly authorized agent and shall be accompanied by a Treasury Challan evidencing the deposit of a sum of Rs.2500/- (Repees two thousand five hundred only) as fee in the Government Treasury or Sub-Treasury under the appropriate head of account in the name of the Director, Urban Development to whom the appeal is presented. The memorandum shall set forth concisely the grounds of objections to the order appealed from and shall be accompanied by a copy of such order.

(4) On receipt of an appeal under sub-rule (1) the Director, Urban Development may, after calling for record from the authorised officer, against whose decision the appeal has been preferred and giving opportunity, to the parties of being heard and after making such further enquiry, if any, as may be necessary, pass such orders as he thinks fit which shall be final.

(5) A copy of the order passed in appeal shall be sent to the Commission and to the State Government.

100. Abatement of appeal.—If during pendency of appeal, the appellant or respondent dies, the appeal shall abate and the Director, Urban Development shall cause notice of such event sent to the State Government.

CHAPTER-XI

MISCELLANEOUS

101. Penalties.— If any person, who is on deputation with the Commission or any public servant put on duty in connection with delimitation of wards, preparation of electoral rolls or conduct of elections under the Act, disobeys any orders issued by an officer appointed under the Act or contravenes the provisions of these rules, shall be punishable under the Central Civil Services (Conduct Rules), 1964 as adopted by the State Government or in accordance with the relevant law and practice for time being in force for such purpose.

102. Repeal and savings.— (1) The Himachal Pradesh Municipal Elections Rules, 1994, the Himachal Pradesh Municipal (Delimitation and Reservation of wards) Rules, 1994 and the Himachal Pradesh Municipal (Reservation and Elections to the office of the President and Vice-President) Rules, 1995, are hereby repealed, provided that.—

- (a) such repeal shall not affect the previous operation of the said rules, notifications and orders or anything done or any action taken thereunder; and
- (b) any proceedings under the said rules, notifications or orders pending at the commencement of these rules shall be continued and disposed of as far as may be, in accordance with the provisions of these rules.

(2) Nothing in these rules shall operate to deprive any person, to whom these rules apply, of any right of appeal which has accrued to him under the rules so repealed under sub-rule (1) in respect of any order passed before the commencement of these rules.

(3) A petition pending at or preferred after the commencement of these rules against an order made before such a commencement shall be considered and order thereon shall be passed in accordance with these rules.

Form-1

(see rule 6 (1))

Notice of publication of the proposals for dividing the municipality into wards and defining the limits of each ward.

Notice is hereby given that the proposals for dividing _____ municipality into wards and defining the limits of each such ward shall be available for inspection in the office of the undersigned and the office of the municipality _____ during the office hours for the next 10 days.

If any resident has any objection(s) or suggestion(s) to make with regard to aforesaid proposal against anything contained in it, he may send the same to the undersigned in form-2 within ten days from the date of publication of this notice and objection(s) or suggestion(s), if any, received within the stipulated period shall be considered before finalizing the proposal.

Deputy Commissioner.

Place _____
Date _____

Form-2
(see rule 6(2))

To

The Deputy Commissioner,

Subject:— Objection(s) or suggestion(s) to the draft delimitation of wards.

Sir,

Please refer to the draft delimitation proposals of wards published on _____ in respect of _____ Municipal area.

That I am a resident of ward No. _____ of _____ Municipal area.

That I have the following objection(s) or suggestion(s) to the draft proposals:—

- (1)
- (2)
- (3)
- (4)

Yours faithfully,

Signature, full name & address.

Place:.....
Date:.....

Form-3
(see rule 19)

NOTICE OF PUBLICATION OF ELECTORAL ROLL

To

The voters of ward No._____ of Municipality of _____ District, Himachal Pradesh.

Notice is hereby given that the electoral roll has been prepared in accordance with the Himachal Pradesh Municipal Election Rules, 2015 and copy thereof is available during office hours for inspection at my office and in the office of the Municipality and in the office of the Tehsildar.

If there be any claim for the inclusion of a name in the electoral roll or any objection(s) to the inclusion of a name or any objection(s) to particulars in any entry, it shall be lodged on or before(date) in forms 4,5, and 6 as may be appropriate.

Every such claim or objection(s) shall be addressed to _____
(full address) Revising Authority and should either be presented in person or through agent or sent by the registered post so as to reach him not later than the aforesaid date.

Electoral Registration Officer,
(Municipal Council/Nagar Panchayat)

Place:

Date:

Form-4

(see rule 22 (1) and 28)

CLAIM APPLICATION FOR INCLUSION OF NAME

To

The Revising Authority/Electoral Registration Officer,
(Municipal Council/Nagar Panchayat).

Sir,

I request that my name be included in the electoral roll for the _____ ward relating to _____ Municipality.

Name (in full) _____

Father's/ Mother's/ Husband's Name _____

Particulars of place of residence are:

House No. _____ Street/Mohalla Village _____
Post office _____ Tehsil.....District.....

I hereby declare that to the best of my knowledge and belief that.—

(i) I am a citizen of India.

(ii) My age on i.e. date notified by the State Election Commission under clause

(a) of rule 17 was _____ years _____ months.

(iii) I am an ordinary resident at the address given above.

(iv) I have not applied for the inclusion of my name in the electoral roll for any other ward of the municipality.

(v) My name has not been included in the electoral roll for any ward of the above mentioned municipality or any other municipality or Gram Sabha constituted under the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994, as the case may be. **OR**

That my name has been included in the electoral roll for the _____ ward under the address mentioned below and I request that the same may be excluded from the electoral roll.

Signature/thumb-impression of claimant.
(full postal address).

I further declare that the facts submitted by me herein above are true and I also know that any person who makes a statement of declaration which is false and which he either knows or believes to be false or does not believe to be true is punishable in accordance with the law in force.

Signature/thumb-impression of claimant.

Place:
Date:

I am a voter included in the electoral roll of the same part in which the claimant has applied for inclusion viz. part No.....; relating to..... my serial No. therein is I support this claim and countersign it.

Signature/thumb-impression of elector supporting claim.
(full postal address).

Form-5
[see rule 22(1)]

OBEJECTION TO INCLUSION OF NAME

To

The Revising Authority,
_____ ward.

Sir,

I object the inclusion of the name ofat serial No. in the electoral rollward relating to..... Municipality for the following reasons:

.....
.....
.....

I hereby declare that the facts mentioned above are true to the best of my knowledge and belief and that my name is included in the electoral roll for this ward as follows:—

Name(in full)

Father/Mother/Husband's name.....

Serial No.

No. and name of the ward.....relating
to.....Municipality.

Signature/thumb-impression of objector.
(full postal address).

.....
.....

I am a voter included in the same electoral roll in which the name objected appears, viz. No. and name of the ward relating to Municipality. My Sr. No. therein is I support this objection and countersign it.

Counter Signature/thumb-impression of the elector
supporting objection.
(full postal address).

.....
.....

Note:— Any person who makes a statement of declaration which is false and which he either knows or believes to be false or does not believe to be true shall be punishable in accordance with the law in force.

Form-6

(see rule 22 (1))

OBEJECTION TO PARTICULARS IN ANY ENTRY

To

The Revising Authority/Electoral Registration Officer,

_____ward.

Municipal Council/Nagar Panchayat _____.

Sir,

I submit that the entry relating to myself which appears at Sr. No. in the roll ward relating tomunicipality is incorrect which may be corrected as follows:—

.....
.....

Signature/thumb-impression of claimant.
(full postal address).

.....
.....

Place:
Date

Form-7
(see rule 22 (4),(5) and rule 24)

REGISTER OF CLAIM FOR INCLUSION OF NAME

.....Municipality.....ward

Sr. No.	Name of claimant	Father's name and address	Date of presentation of claim	Date of decision with note in the presence of the parties	Decision		Signature of revising authority	Signature of official by whom effect was given to the revising authority and date
					Admitted	Rejected		
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Form-8
(see rule 22 (4), (5) and rule 24)

REGISTER OF OBJECTION TO INCLUSION OF NAMES

.....Municipality.....ward

Sr. No.	Person objection to		Father/husband's name and address of the objector	Sr. No. of the objector in the roll	Date of presentation of objection.
	Under name of		With Sr. No. in the roll		
1	2	3	4	5	6

Date of decision with note as to presence of parties	Decision		Signature of revising authority	Signature of official by whom effect was given to the decision of revising authority and date
	Admitted	Rejected		
7	8	9	10	11

FORM-9
(see rule 22 (4), (5) and rule 24)

REGISTER OF OBJECTION TO THE PARTICULARS IN AN ENTRY

.....Municipality.....ward

Sr. No.	Name of the objector	Date of presentation of objection	Particular as existed in the roll	Correct particulars as requested by objector
1	2	3	4	5

Decision		Signature of the revising authority	Signature of official by whom effect was given to the decision of revising authority and date
Admitted	Rejected		
6	7	8	9

FORM-10
[see rule- 23 (1)]

LIST OF CLAIMS

.....Municipality.....ward

Date of receipt	Sr. No.	Name of claimant	Name of Father/husband/mother	Address	Date, time & place of hearing
1	2	3	4	5	6

Signature of Revising Authority

FORM-11
[see rule 23 (1)]

LIST OF OBJECTIONS TO INCLUSION OF NAMES

.....Municipality.....ward

Date of receipt	Sr. No.	Full name of objector	Particulars of name objected to		Objection in brief	Date, time and place of hearing
			Sr. No. of entry	Name in full		
1	2	3	4	5	6	7

Signature of Revising Authority

FORM-12
[(see rule 23 (1)]

LIST OF OBJECTION TO PARTICULARS IN ENTRIES

.....Municipality.....ward

Date of receipt	Sr. No.	Full name of objector	Part No. and Sr. No. of entry	Nature of objection	Date, time and place of hearing
1	2	3	4	5	6

Signature of Revising Authority

FORM-13.
[see rule 23(2)]

NOTICE OF HEARING OF CLAIM

To

.....
.....
.....

(Full name and address of claimant)

Reference No.....

Your claim for the inclusion of your name in the electoral roll will be heard at.....(Place)at.....O'clock on the.....day of.....201 . You are requested to present personally or through your authorized agent at the hearing with such evidence as you may like to adduce.

Place:

Date:

Signature of Revising Authority

Ward

FORM-14
[see rule 23(2)]

NOTICE OF HEARING OF OBJECTION

To

.....

.....

.....

(Full name and address of /objector)

Reference/objection No.....

Your objection to the inclusion of the name of.....will be heard at.....(Place)at.....O'clock..... on the.....day of.....201.

You are directed to be present personally or through your authorized agent at the hearing with such evidence as you may like to adduce.

Place:

Date:

Signature of Revising Authority

Ward

FORM-15
[see rule 23(3)]

NOTICE OF HEARING OF OBJECTION

To

.....

.....

.....

(Full name and address of person against whom objection is received)

Reference/objection No.....

The objection against inclusion of your name at Serial No.....in the Electoral roll forWard relating toMunicipality filed by(Full name and address of objector) will be heard at(Place) atofday of200

You are directed to be present personally or through your authorized agent at the hearing with such evidence as you may like to adduce.

The grounds of objection(in brief) are:—

- (a)
- (b)
- (c)

Place:

Date: Signature of Revising Authority
Ward.....

FORM-16

[see rule 23(2)]

NOTICE OF HEARING OF AN OBJECTION TO PARTICULARS IN THE ELECTORAL ROLL

To

.....
.....
.....

(Full name and address of objector)

Reference/objection No.....

Your objection to certain particulars in the entry relating to you will be heard at(Place) atO'clock on theday of20 ..

You are directed to be present personally or through your authorized agent at the hearing with such evidence as you may like to adduce.

Place:

Date: Signature of Revising Authority
Ward.....

FORM-17

(see rule 25(1))

NOTICE OF FINAL PUBLICATION OF ELECTORAL ROLL

It is hereby notified for public information that electoral roll for ward No.(Ward) of Municipality.....has been prepared in accordance with the Himachal Pradesh Municipal Election Rules, 2015 and a copy of the said electoral roll is hereby published finally.

Date:

Place:

Electoral Registration Officer
(Municipal Council/Nagar Panchayat).

FORM-18

(see rule 27)

APPLICATION FOR INCLUSION OR DELETION OF ENTRY IN ELECTORAL ROLL.

To

The Electoral Registration Officer,

Sir,

I submit that the entry at Serial No.....in the Electoral roll for.....ward/Polling Station relating to Shri./Smt.....son/daughter of Shri/Smt.....requires to be included/deleted as the said person is not entitled/entitled to be registered in the Electoral roll for the following reasons:—

.....
.....

I hereby declare that the facts submitted by me hereinabove are true to the best of my knowledge and belief and I also know that any person who makes a statement of declaration which is false and which he either knows or believes to be false or does not believe to be true is punishable in accordance with the law in force.

I declare that I am a voter of this ward being enrolled at Serial No.....

Place:

Date:

Signature/thumb impression of applicant
(Full postal address).

FORM-19.

(see rule 36)

NOTICE OF ELECTION PROGRAMME.

Notice is hereby given that.—

1. An election is to be held for electing a—

*Member from.....ward(S) of Municipal Council/Nagar Panchayat.

2. Nomination paper may be delivered by a candidate or his proposer to the(Authority) at between 11 A.M. and 3 P.M. from.....to.....(dates).
3. Forms of nomination papers may be obtained at the place and time aforesaid.
4. The nomination papers will be taken up for scrutiny on.....
5. Notice of withdrawal of candidature may be delivered by a candidate or his proposer to the authority specified in paragraph 2 above at his office before 3. P.M. on the.....
6. The symbols to the contesting candidates shall be allotted on.....(dated) after the time of withdrawal is over and list of contesting candidates shall be prepared in form 25.....at.....P.M.
7. In the event of the election being contested the poll will be held on.....between the hours of.....and

Signature of Returning Officer with seal

FORM-20

(see rule 38(2))

NOMINATION PAPER.

Election to the Member from ward No. and Name..... of Municipal Council/Nagar Panchayat-----.

I hereby nominate Sh./Smt.....

.....(Candidate's/father Name with complete address) as a candidate for above election. His name is entered at the serial No.....of electoral roll of polling station No.....of ward No.....of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

My name is entered at Serial No.....of electoral roll of polling station.....of ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

Date:

Signature of proposer.
full name & address of proposer

(to be filled by the candidate).

I.....the above mentioned candidate assent to this nomination and hereby declare:—

- (a) that I have completed.....years of age;
- (b) that I have not been disqualified for contesting of election(s) under any law in force; and
- (c) that I belong tocaste/tribe/other Backward classes as declared Scheduled Caste, Scheduled Tribe or Other Backward Classes in Himachal Pradesh.

Dated:

Signature of candidate.

Note:— A copy of the certificate, issued by the competent authority of the State Government of Himachal Pradesh, is hereby appended in support of claim of belonging to Scheduled Caste/ Scheduled Tribe /Other Backward Classes.

Dated.....

Signature of candidate.

Verification by Executive Magistrate.

The above declaration is solemnly affirmed before me by.....who is personally known to me/who has been identified to my satisfaction by.....

Date:

Place:

Signature with seal.

(Decision of Returning Officer regarding accepting or rejection the nomination paper).

(To be filled by the Returning Officer).

I have examined this nomination paper in accordance with rule 41 of the Himachal Pradesh Municipal Election Rules, 2015 and decided as follow:—

Date:

Place

Returning Officer.

The symbol assigned to the candidate is.....

Date:

Place

Returning Officer.

Receipt of Nomination Paper.

(To be filled in by the Returning Officer or specified authority).

Serial No. of nomination paper.....

This nomination paper was delivered to me at my office on.....(date).....at.....(hours).....
 and shall be taken up for scrutiny on at.....
 (place).....of.....(hours).....

Place:

Date: Returning Officer/Specified Authority.

Important Note:—(i) Returning Officer will examine that alongwith Form_20 (nomination paper), each candidate is supplied with a copy of Annexure-I prescribed by the State Election Commission under the HP Panchayat and Municipalities Elections (Disclosure) Specified Information by the Candidates Regulation, 2004.

- (ii) It is compulsory for every contesting candidate to submit alongwith nomination papers, the aforesaid Annexure-I in affidavit form duly attested by a Magistrate or a Notary Public or an Oath Commissioner.
- (iii) The candidate will also add to extra attested photocopy of the said Annexure alongwith original Affidavit to Returning Officer.

Form-21
(see rule 40)

NOTICE OF NOMINATION

Election to:—

Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

Notice is hereby given that the following nominations in respect of the above election have been received upto 3 P.M. today.....

Sl.No. of Nomination paper.	Name of Candidate.	Name of father/husband.	Age of candidate.	Address .	Particulars of caste/tribe/OBC of candidate belonging to Sch. Caste/Tribe/OBC	Sr.No.of candidate in the electoral roll.	Name of proposer.	Sr.No. of proposer in the electoral roll.
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.

Place:

Date: Returning Officer or Specified Authority.

FORM-22.
[see rule 41 (7)]

LIST OF VALIDLY NOMINATED CANDIDATES.

Election to:—

Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

Sl.No.	Name of candidate.	Name of father/husband.	Address of candidate.
1.	2.	3.	4.

Place:

Date:

Returning Officer

Form 23
[see rule 42(1)]

NOTICE OF WITHDRAWAL.

Election to:

Member from.....ward of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

To

The Returning Officer,

.....
.....

I,.....a candidate nominated at the above election do hereby give notice that I withdraw my candidature.

Place:

Date:

Signature of candidate.

This notice was delivered to me at my office at..... (hours)..... on.....(date) by.....(Name). Returning Officer or specified authority.

RECEIPT FOR NOTICE OF WITHDRAWAL.

(To be handed over to the person delivering the notice).

The notice of withdrawal of candidature by.....a candidate at the election to Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

Candidate.....at.....my office at.....(hours) on.....(date).

Date.....

Returning Officer or
specified authority.**FORM 24****[see rule 42(2)]****NOTICE OF WITHDRAWAL.**

Election to-

Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

Notice is hereby given that the following candidate(s) at the above election withdrawn his/their candidature(s) today:—

Sr. No.	Name of candidate.	Address of candidate.	Remarks.
1	2	3	4
1.			
2.			
3.			
4.			
5. etc.			

Place:

Returning Officer or Specified authority.

FORM-25**(see rule 43)****LIST OF CONTESTING CANDIDATES.**

Election to.—

Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

Sr. No.	Name of candidate.	Address of candidate.	Symbol Allotted.
1	2	3	4

Date:

Place:

Returning Officer.

FORM 26

(see rule 45)

FORM OF APPOINTMENT OF ELECTION AGENT.

I.....a candidate for election of.—

Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat..... to be held on.....hereby appoint Shri/Smt.....S/D/O.....R/O.....as my election agent from this date upto the conclusion of the above election.

Date: Signature of Candidate.

Place:

I accept the above appointment.

Signature of Election Agent.

I hereby declare that at the above election I will not do any thing forbidden by the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994 and the rules made thereunder, which I have read/has been read over to me.

Dated: Signature of Election Agent
Place:

Approved.

Dated: Signature of Returning Officer.
Place:**FORM 27**

[see rule 46(2)]

APPOINTMENT OF POLLING AGENT.

Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

Ia candidate at the above election do hereby appoint
Sh.....S/o Sh/D/o/R/o.....as polling agent to attend polling station
No.....Place fixed for the Poll.....at.....

Place: Signature of candidate.
Date:

I agree to act as such polling agent.

Signature of Polling Agent.

(Declaration of polling agent to be signed before Presiding Officer)

I hereby declare that at the above election I will not do any thing forbidden by the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994 or Rules made thereunder which I have read/has been read over to me.

Place: _____ Signature of Polling Agent.

Date: _____ Presiding Officer.

Place: _____

Date: _____

FORM-28

(see rule 48(2))

REGISTER FOR MAINTENANCE OF DAY-TO-DAY ACCOUNT OF ELECTION EXPENDITURE BY CONTESTING CANDIDATES FOR ELECTION TO WARD.

1. Name of candidate.....
2. *Ward from which contested.....
3. Seat for which contested.....
4. Date of filing nomination.....
5. Date of declaration of result.....

Date of Expdt	Nature of Expdt.	Amount of Expdt..		Date of payment	Name and address of payee.	No of Vouchers in case of amount paid.	No. of bills in case of amount outstanding.	Name and address of the person to whom the amount outstanding is payable.	Remarks.
		paid	Outsta- nding						
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.

Certified that this is true copy of the account kept by me/my election agent.

Signature of contesting candidate.

FORM -29**[see rule 48(5) and(10)]****DETAIL OF ELECTION EXPENSES BY CONTESTING CANDIATES FOR
ELECTION TO WARD -----**

Name of contesting candidate.....

Name of ward/ Municipal Council/Nagar Panchayat.....

Item of Expenditure	Sources from where money procured.	Amount of Expenditure.	Date(s) of payment.	Mode of payment.	Evidence of payment enclosed with the account.	Remarks.
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.

1. Expenditure on security deposit.
2. Expenditure on purchase of copies of electoral rolls.
3. Expenditure on printing of manifesto, and expenditure on printing of posters and hand bills etc.
4. Expenditure on pasting of posters.
5. Expenditure on writing of wall writing and on publication of advertisements.
6. Hiring charges of places for public meeting and hiring charges of pandals etc. for public meetings.
7. Hiring charges of loudspeakers for public meeting.
8. Hiring charges on vehicle and Petrol, Oil and Lubrication(POL) used by the candidate.
9. Hiring charges and Petrol, Oil and Lubrication(POL) on vehicle used by election agent/polling agent.
10. Misc. Expenditure(other than those listed above).

Signature of contesting candidate.

FORM-30.
[see rule 48(10)]**PROFORMA FOR THE SUBMISSION OF ELECTION EXPENDITURE BY
CONTESTING CANDIDATES FOR ELECTION TO WARD.**

1. Name of candidate.....
2. *Ward

3. Seat for which contesting
4. Date of filing nomination.....
5. Date of declaration of result.....

Date of Expdt	Nature of Expdt.	Amount of Expdt..		Date of payment	Name and address of payee.	No of Vouchers in case of amount paid.	No. of bills in case of amount outstan- ding	Name and address of the person to whom the amount outstan- ding is payable	Remarks
		paid	Outstanding						
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

Certified that this is true copy of the account kept by me/my election agent.

Signature of contesting candidate.

FORM-31

[See rule 48(10)]

AFFIDAVIT.

I..... son/wife/daughter of aged.....years.....resident ofdo hereby solemnly affirm and declare as under:—

1. That I was contesting candidate at the general election/bye-election to the ward No...../Municipal Council/Nagar Panchayatthe result of which was declared on.....
2. That 1/my election agent kept a correct account of all expenditure in connection with the above election incurred by me or by my election agent between.....(the date on which I was nominated) and upto the date a day after the declaration of the result thereof, both day inclusive.
3. That the said account was maintained in forms 28 to 30 appended to the Himachal Pradesh Municipal Election Rules, 2015 and a true copy thereof is annexed hereto with the supporting vouchers/bills mentioned in the said account.
4. That the accounts of my election expenditure as annexed hereto included all items of election expenditure incurred or authorized by me or by my election agent and nothing has been concealed or withheld/suppressed therefrom.

5. That the statements in the foregoing paragraphs 1 to 4 are true to my personal knowledge, that nothing is false and nothing material has been concealed therefrom.

Deponent,

Solemnly affirmed/sworn
by at this day of 20..... before
me.

FORM-32

(see rule 48(11))

ACKNOWLEDGEMENT

The detailed account of the election expenses on prescribed proforma in respect of Shri.....(Candidate) from ward result of which was declared on(Date) filed by him on(Dated) has been received by me today the(Date) of(Month).....(Year).

Returning Officer.**FORM-33**

(see rule 50(1))

FOR USE IN ELECTION WHEN SEAT IS UNCONTESTED.

Election to:

Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

In pursuance of the provision contained in rule 50 of the Himachal Pradesh Municipal Election Rules, 2015, I declare that.—

Name.....

Address.....

Has been duly elected as Member from the above ward.

Place:

Signature of Returning Officer.

Date:

FORM 34

[see rule 56(2) and rule 75(1)(g)]

PART-I**RECORD OF PAPER SEAL USED.**

Election to Municipal Council/Nagar Panchayat.....From.....ward.
 Number and name of polling station.....

Serial No. of ballot box used	Serial No. of paper seals used	Remarks
1	2	3

Signature of polling agent.**PART-II****ACCOUNT OF PAPER SEAL**

1. Serial No. of Paper seal supplied to.....total.....	1.
2. No. of Paper seal used.....	2.
3. No. of unused paper seals..... to.....total.....	3.
Serial No. of damaged seals, if any..... to.....total.....	4.

Signature of Presiding Officer.

Place:

Date:

FORM 35.
 [see rule 58(1)]

BALLOT PAPER.

Election of Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

*Ward

Serial Number of Voter.....

Number.....

Signature/thumb impression.

No. and Name of *Ward.....

Name of Candidate	Symbol
1.	
2.	
None of the above	

FORM 36

[see rule 64(1)]

APPLICATION FOR ELECTION DUTY CERTIFICATE

To

The Returning Officer for.....
 Ward No.....Municipal Council/Nagar Panchayat,.....

Sir,

I intend to cast my vote in the ensuing election to Member from Ward No.....of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

I have been posted on election duty within the ward at(no & name of polling station).....but my name is entered at Serial No..... of the Electoral roll for polling station No.....of Ward comprised within Municipality.

I request that an **Election Duty Certificate** (Form -38) may be issued to enable me to vote at the polling station where I may be on duty on the polling day.

It may be sent to me at the following address:—

Name.....

Address.....

.....

Yours faithfully,

(.....).

Date

Place:

FORM-37**[see rule 64(2)]****LETTER OF INTIMATION TO RETURNING OFFICER.**

To

The Returning Officer
 Ward No (with name) Municipal Council/Nagar Panchayat.....

Sir

I intend to cast my vote at the ensuing election to;—

Member from.....(Ward) of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

My name is entered at Sr. No.....of polling station (No. and name) of the Electoral Roll for Ward No.....Municipal Council/Nagar Panchayat.....

I may be issued a postal Ballot Paper for the election of Member at the following address;—

Name.....

Address.....

.....

Yours faithfully,

Date:

Place:

()

FORM 38**[see rules 64 and 65(1)]****ELECTION DUTY CERTIFICATE.**

Certified that.....is an elector in ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....His Electoral roll number being.....for polling station (No. and name) by reason of his being on election duty, he is unable to vote at the polling station in person where as he is entitled to vote and therefore, hereby he is authorized to vote at polling station (No. and name) of the ward where he is on duty on the day of poll.

Signature of Returning Officer.

Place:

Date:

SEAL

FORM-39

(see rule 68(1))

DECLARATION BY THE COMPANION OF BLIND OR INFIRM VOTER

* Election of Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

I(No. and name of Polling Station.....)
son of.....aged.....resident of (Full Address).....
hereby declare that.—

(a) I have not acted as companion of any other voter at this or any other polling station today, the.....day of 20.....; and

(b) I shall not disclose the secrecy of the vote recorded by me on behalf of.....

Name of voter and his serial,
No. in the Electoral roll to be given

Place:

Date:

Signature of companion.**FORM 40**

[see rule 68(2)]

LIST OF BLIND AND INFIRM VOTERS.

* Election of Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

Number and name of polling station.....

Sr. No of Voter.	Full Name of Voter.	Full Name of companion.	Address of companion.	Signature of companion.
1	2	3	4	5

Place:

Date:

Signature of Presiding Officer.

FORM 41

[see rule 70(2) and 75(e)]

LIST OF TENDERED VOTERS

*Election of Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

No. and name of Polling station.....

S.No.	Name of Voter.	Address of Voter.	S.No. of tendered Ballot Paper.	S.No. of Ballot paper issued to the person who has already voted.	Signature or thumb impression of person tendering vote.
1	2	3	4	5	6

Place:

Signature of Presiding Officer.

Dated:

FORM 42.

[see rule 71 and 75(f)]

LIST OF CHALLENGED VOTES.

*Election of Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

No. and name of Polling station.....

S.No. of voter.	Name and address.	Signature or thumb impression of voter.	Name of identifier, if any.	Order of Presiding Officer in each case.
1	2	3	4	5

Signature of Presiding Officer.

Place:

Dated:

FORM -43

[see rule 74 and 80(6)].

BALLOT PAPER ACCOUNT

Election of Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

Number and name of polling station.....

PART-I

		Serial No.	Total No.
(i)	Ballot papers received		
(ii)	Ballot papers not used		
(iii)	Ballot papers issued to voters		
(iv)	Ballot papers cancelled		
(v)	Ballot papers used for tendered votes		

Dated:
Place

Signature of Presiding Officer.

PART-II**RETURN OF COUNTING**

[see rule 80(6)]

Sr. No.	Name Candidate	No. of valid votes polled
1		
2		
3		
4		
etc		
	Total number valid votes polled	
	Rejected Ballot Paper	
Total No. of ballot papers in the ballot box(s)		
Difference, if any		

Signature of Counting Supervisor

Signature of Returning Officer.

Date:

FORM-44**RETURN OF ELECTION**

[see rule 80(6)]

Election to the Municipal Council/Nagar Panchayat..... from Ward No.....

Sr. No.	Name of Candidate	No. of valid votes polled
1		
2		
3		
4		
5		

Total number of votes polled.....

Total number of valid votes polled.....

Total number of rejected votes.....

I declare that(name & address)..... has been duly elected to fill the seat in
Municipal Council/Nagar Panchayat..... Ward No.....

Place:

Date:

Signature of Returning Officer.

FORM 45

[see rule 77(4)]

PART-I**APPOINTMENT OF COUNTING AGENTS**

Election of Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

I,a candidate/of Shri/Smt.....who is a candidate at the
above election do hereby appoints Shri/Smt.....address.....as
a counting agent to attend the counting of votes at.....

Date:

Place:

Signature of Candidate.

I agree to act as such counting agent.

Signature of counting agent.

Date:

Place:

PART-II

Declaration of counting agent to be signed before the Returning Officer.

I hereby declare that at the above Municipal Council/Nagar Panchayat election I shall not do anything forbidden by section 292 and any other relevant sections of the Himachal Pradesh Municipal Act, 1994 and rules made thereunder, which I have read/has been read over to me.

Place:

Signature of Counting Agent.

Date:

Signed before me.

Place:

Returning Officer.

Date:

FORM- 46

[see rule 80(3)]

RESULT OF ELECTED MEMBER.

Election of Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

S.No.	Name of Candidate.	No. of valid votes polled.
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
etc.		
NOTA		

- (a) Total of valid votes polled.....
- (b) Total No. of rejected votes.....
- (c) Total No. of votes polled.....

I, declare that—

Name.....

Address.....

.....

has been duly elected as Member from the above ward No.....of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

Place:

Signature of Returning Officer.

Date:

FORM-47**[see rule-80(3)]****RESULT SHEET OF THE ELECTION OF MEMBERS**

Election of Member from ward No..... of Municipal Council/Nagar Panchayat.....

S.No.	Name of Candidate	No. of valid votes polled
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		
etc.		
NOTA		

- (a) Total No. of valid votes polled.....
- (b) Total No. of rejected votes.....
- (c) Total No. of votes polled (a+b).....
- (d) Total No. of tendered votes.....
- (e) Remarks.....

Place of Counting.....

I declare that :—

Name.....

Address.....

..... has been duly elected as Member from the above ward.

Place:

Signature of Returning Officer.

Date:

FORM-48**[see rule 89(10)]****BALLOT PAPER FOR THE ELECTION OF PRESIDENT/VICE PRESIDENT**

Name of Municipality.....

Sl. No.	Name of candidate	Space for marking
1	2	3
1		
2		
3		
4		

FORM-49**[see rule-90(5)]**

Return of Election of President/Vice President.....
Municipal Council/Nagar Panchayat.

1. Serial number.....
2. Name of candidate.....
3. Total number of votes polled.....
4. Total number of valid votes polled.....
5. Total number of rejected votes.....

I declare that.....(name).....(address).....has
been duly elected as President/Vice-President to above Municipal Council/Nagar Panchayat.

Place.....
Date.....

Deputy Commissioner.

FORM-50
[see rule-89(3)]

NOMINATION PAPER

Election to the office of the President/Vice-President..... Municipal
Council/Nagar Panchayat.

I,..... an elected member from ward No.....of.....
Municipal Council/Nagar Panchayat hereby propose candidature of Shri/Smt.....an
elected member from ward No..... Municipal Council/Nagar Panchayat for the
election to the office of President/Vice-President..

Place: _____ Signature of the Proposer.
Dated: _____

I,.....an elected member from ward No.....of.....
Municipal Council/Nagar Panchayat hereby second the candidature of Shri/Smt..... for
the election to the office of President/Vice-President ofMunicipal
Council/Nagar Panchayat.

Signature of Seconder.

Place:
Dated:

(To be filled by the candidate)

I, the above mentioned candidate hereby declare that I agree to the nomination and I am willing to serve.

Signature of Candidate

Place:

Dated:

(Decision of Presiding Officer accepting or rejecting the nomination paper)

I have examined this nomination paper in accordance with rules and the provisions of the Act and decide as follows:—

Accepted/Rejected.

Presiding Officer.

Place.....

Dated.....

FORM- 51

[See rule 94(3)]

I.....the petitioner in the accompanying election petition calling in question the election of Shri/Smt.....from.....respondent No.....in the said petition make solemn affirmation/oath and states,—

(a) that the statement made in paragraphs.....of the accompanying election petition about the commission of corrupt practices of theand the particulars of such corrupt practices given in paragraphof the Schedule annexed thereto are true to my knowledge.

(b) that the statement made in paragraph.....of the said petition about the commission of the corrupt practices ofand the particulars of such corrupt practices given in paragraphs.....of the said petition and in paragraphs.....of the schedule annexed thereto are true to my knowledge;

(c)

(d)

Etc.

Signature of deponent.

Solemnly affirmed/sworn by Shri/Smt.....at this.....day of.....20.....Before me.

Executive Magistrate.

By order,
MANISHA NANDA,
Addl. Chief Secretary (U.D.)

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला—171009, 8 सितम्बर, 2015

संख्या: पीसीएच—एचए (3) 36 / 96—न0प0 सोलन—22657—63.—इस विभाग की अधिसूचना संख्या पीसीएच—एचए(3)36 / 96—सोलन—4437—44 दिनांक 3 जून, 2015 के अन्तर्गत, जिला सोलन के अनुसूची 'क' में दिए गए क्षेत्रों को, शहरी विकास विभाग द्वारा नगर परिषद बद्दी में सम्मिलित करने के फलस्वरूप, सम्बन्धित क्षेत्र को ग्राम सभा से अपवर्जित (exclude) करने हेतु प्रस्तावना द्वारा सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों से आक्षेप एवं सुझाव आमंत्रित किए गए थे तथा उपायुक्त, जिला सोलन को इस सम्बन्ध में आक्षेप/सुझाव प्राप्त करने और उन पर विचार करने के उपरान्त अन्तिम सिफारिश प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकृत किया गया था,

और क्योंकि उपरोक्त अधिसूचना में निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई भी आक्षेप/सुझाव प्राप्त नहीं हुआ। अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (वर्ष 1994 का संख्यांक 4) धारा 3 की उप—धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला सोलन के संलग्न अनुसूची 'क' में दिए गए क्षेत्र को, सम्बन्धित ग्राम सभा से अपवर्जित (exclude) करने के सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं।

आदेश द्वारा
(ओंकार शर्मा)
सचिव (पंचायती राज)।

अनुसूची—क

नगर परिषद् बद्दी की सीमा में नए सम्मिलित किए गए क्षेत्रों को सम्बन्धित ग्राम सभा से अपवर्जित किए गए,
का व्यौरा

क्रमांक	खाता/खतौनी संख्या	खसरा नम्बर	क्षेत्र (बीघा) में	स्थान का नाम
1	53 / 53	845	01—09	कल्याणपुर हदबस्त नम्बर 201
2		846	02—01	
3		934 / 847	01—08	
4		943 / 855 / 1	03—02	
5		856	01—02	
6		857	03—14	
7		858	12—09	
8		859	02—00	
9		860	05—13	
10		945 / 861	03—07	
11		946 / 862	00—15	

क्रमांक	खाता / खतौनी संख्या	खसरा नम्बर	क्षेत्र (बीघा) में	स्थान का नाम
12	270 / 282	9	1–3	बिल्लांवाल गुजरां–198
13		772 / 10	0–14	
14		11	4–9	
15		512 / 12	3–3	
16		13 से 17	16–02	
17		773 / 18	6–8	
18		19	0–6	
19		21	1–13	
20		22	3–19	
21		777 / 23	5–18	
22		780 / 24	1–1	
23		783 / 25	2–3	
24		497 / 26	3–5	
25		27	0–10	
26		499 / 28	0–5	
27		29 से 31	13–13	
28		34	2–9	
29	115 / 129	271 से 276	11.16	चक्क नम्बर 196
30		393 / 277 से 395 / 277	2.10	
31		278	1–14	
32		279	3–18	
33		299 से 300	3–03	
34		403 / 301 / 1	0–18	
35		404 / 301 / 1	0–18	
36		405 / 302	1–4	
37		406 / 302	2–06	
38		407 / 321	0–17	
39		303 से 310	15–1	
40		312 से 320	22–15	
41		409 / 325	0–18	
42		326 से 335	6–02	
43		362 / 336 से 364 / 336	9–02	
44		337	0–2	

क्रमांक	खाता/खतौनी संख्या	खसरा नम्बर	क्षेत्र (बीघा) में	स्थान का नाम
45	44 / 65	255 से 256	7-13	हरिपुर संधोली हरबस्त नम्बर 206
46		257 / 2 से 258 / 2	4-13	
47		264 से 266	6-14	
		कुल..	203-05	

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला—171009, 2015

संख्या:पीसीएच—एचए (3) 36 / 96—न०प० मण्डी।—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 8 जून, 2015 के अन्तर्गत, जिला मण्डी के विकास खण्ड करसोग के अनुसूची 'क' में दिए गए क्षेत्रों को, शहरी विकास विभाग द्वारा नगर पंचायत करसोग में सम्मिलित/घोषित करने के फलस्वरूप, सम्बन्धित क्षेत्र को ग्राम सभा से अपवर्जित (exclude) करने हेतु प्रस्तावना द्वारा सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों से आक्षेप एवं सुझाव आमंत्रित किए गए थे तथा उपायुक्त, जिला मण्डी को इस सम्बन्ध में आक्षेप/सुझाव प्राप्त करने और उन पर विचार करने के उपरान्त अन्तिम सिफारिश प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकृत किया गया था,

और क्योंकि उपरोक्त अधिसूचना में निर्दिष्ट अवधि के भीतर प्राप्त आक्षेप/सुझाव पर विचार किया गया और उनका विनिश्चय किया गया।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (वर्ष 1994 का संख्यांक 4) धारा 3 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला मण्डी, विकास खण्ड करसोग के संलग्न अनुसूची 'क' में दिए गए क्षेत्र को, सम्बन्धित ग्राम सभा ममेल व करसोग से अपवर्जित (exclude) करने के सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं।

आदेश द्वारा,
(ओंकार शर्मा)
सचिव (पंचायती राज)।

नगर पंचायत करसोग में ग्राम पंचायत ममेल व करसोग के सम्मिलित किए गए क्षेत्र, जो सम्बन्धित ग्राम सभा से अपवर्जित (Exclude) किए गए हैं का ब्यौरा

क्र० सं०	गांव/मुहाल का नाम	खसरा नं०	रकबा (हैक्टेयर में)
1.	करसोग / 416	1 से 1022	72.30
2.	बरल / 418	1 से 36	2.06

3.	भन्डारनू/473	354 से 402, 404 से 444, 452 व 485 से 492 तक	7.80
4.	ममेल /419	1 से 242, 398 से 658	8.50
		कुल रकमा	90.60

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला—171009, 27 अगस्त, 2015

संख्या:पीसीएच—एचए (3) 36/96—2002.—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 3 दिसम्बर, 2014 के अन्तर्गत, जिला सिरमौर के विकास खण्ड नाहन के अनुसूची 'क' में दिए गए क्षेत्रों को, शहरी विकास विभाग द्वारा नगर परिषद् नाहन में सम्मिलित करने के फलस्वरूप, सम्बन्धित क्षेत्र को ग्राम सभा से अपवर्जित (exclude) करने हेतु प्रस्तावना द्वारा सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों से आक्षेप एवं सुझाव आमंत्रित किए गए थे तथा उपायुक्त, जिला सिरमौर को इस सम्बन्ध में आक्षेप/सुझाव प्राप्त करने और उन पर विचार करने के उपरान्त अन्तिम सिफारिश प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकृत किया गया था,

और क्योंकि उपरोक्त अधिसूचना में निर्दिष्ट अवधि के भीतर सम्बन्धित ग्राम सभा क्षेत्र को अपवर्जित करने के सम्बन्ध में कोई आक्षेप/सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (वर्ष 1994 का संख्यांक 4) धारा 3 की उप—धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला सिरमौर, विकास खण्ड नाहन के संलग्न अनुसूची 'क' में दिए गए क्षेत्र को, ग्राम सभा 'सैन की सेर' से अपवर्जित (exclude) करने के सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं।

आदेश द्वारा,
(ओंकार शर्मा)
सचिव (पंचायती राज)।

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला—171009, 8 सितम्बर, 2015

संख्या पीसीएच—एचए (1)2/2014—पुर्नगठन बिलासपुर—22674—79.—इस विभाग की अधिसूचना संख्या पीसीएच—एचए(1)2/2014—15091—105 दिनांक 1 अगस्त 2015 के अन्तर्गत, जिला बिलासपुर में ग्राम सभा क्षेत्रों के पुर्नगठित करने हेतु प्रस्तावना द्वारा सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों से आक्षेप एवं सुझाव आमंत्रित

किए गए थे तथा उपायुक्त, जिला बिलासपुर को इस सम्बन्ध में आक्षेप/सुझाव प्राप्त करने और उन पर विचार करने के उपरान्त अन्तिम सिफारिश प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और क्योंकि उपरोक्त अधिसूचना में निर्दिष्ट अवधि के भीतर प्राप्त आक्षेपों/सुझाव पर विचार किया गया तथा विनिश्चय किया गया।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (वर्ष 1994 का संख्यांक 4) धारा 3 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला बिलासपुर के निम्न अनुसूचि में वर्णित ग्राम सभा क्षेत्र को पुनर्गठित करने के सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं। इन आदेशों के अन्तर्गत ग्राम सभा क्षेत्रों का पुनर्गठन, विद्यमान पंचायतों के निर्वाचित पदाधिकारियों की पदावधि को प्रभावित नहीं करेगा:—

क्र. सं.	ग्राम सभा का नाम जिससे क्षेत्रों/ग्रामों को अपवर्जित किया गया	कोष्ठ संख्या-2 में वर्णित ग्राम सभा के ग्रामों के नाम	कोष्ठ संख्या-2 में वर्णित ग्राम सभा से अपवर्जित हुए ग्रामों के नाम	ग्राम सभा का नाम जिसमें वर्णित ग्राम को सम्मिलित किया गया	कोष्ठ संख्या-5 में वर्णित ग्राम सभा में पुनर्गठन उपरान्त ग्रामों के नाम	विवरण
1	2	3	4	5	6	7
विकास खण्ड घुमारवीं						
1.	हरलोग	1.हरलोग 2.बरड़ी 3.पालटी 4.जुखाण 5.भडोल 6.बलद्वाड 7.नुराहली 8.भंगलेड़ा 9.जुगली 10.निहाण 11.मसवाड़ 12.धरेड़ा	1.डुगली 2.निहाण 3.मसवाड़ 4.धरेड़ा	कोठी	1.डुगली 2.निहाण 3.मसवाड़ 4.धरेड़ा 5. कोठी 6. तियून खास 7. पनयाला 8. बड्डू 9. रोपड़ी 10.सोई	कोष्ठ संख्या-4 में वर्णित ग्राम को छोड़कर कोष्ठ संख्या-3 के शेष ग्राम, ग्राम सभा 'हरलोग' में रहेंगे।
विकास खण्ड झाण्डुता						
2.	हीरापुर	1.हीरापुर 2.कसेह 3.बडोआ	1.बडोआ	ओहर	3 बडोआ 4 भलवाणी 3.पलथी 4. दड्याण 5. ओहर	कोष्ठ संख्या-4 में वर्णित ग्राम को छोड़कर कोष्ठ संख्या-3 के शेष ग्राम, ग्राम सभा 'हीरापुर' में रहेंगे।

आदेश द्वारा,
(ओंकार शर्मा)
सचिव (पंचायती राज)।

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला—171009, 8 सितम्बर, 2015

संख्या: पीसीएच—एचए (1)2 / 2014—सा0 पुनर्बिलासपुर—22668—73.—इस विभाग की अधिसूचना संख्या पीसीएच—एचए(1)2 / 2014—15245—53 दिनांक 1 अगस्त 2015 के अन्तर्गत, जिला बिलासपुर में ग्राम सभा क्षेत्रों के पुनर्गठित करने हेतु प्रस्तावना द्वारा सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों से आक्षेप एवं सुझाव आमंत्रित किए गए थे तथा उपायुक्त, जिला बिलासपुर को इस सम्बन्ध में आक्षेप/ सुझाव प्राप्त करने और उन पर विचार करने के उपरान्त अन्तिम सिफारिश प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकृत किया गया था,

और क्योंकि उपरोक्त अधिसूचना में निर्दिष्ट अवधि के भीतर इस सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप/सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है।

अतः उपायुक्त, जिला बिलासपुर की सिफारिशों के दृष्टिगत, इस विभाग द्वारा जिला बिलासपुर की निम्नलिखित ग्राम सभा क्षेत्रों के पुनर्गठन से सम्बन्धित पूर्व में जारी अधिसूचना को, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (वर्ष 1994 का अधिनियम संख्यांक 4) की धारा 3 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शर्कितयों के अधीन, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, जिला बिलासपुर के निम्न अनुसूचि में वर्णित ग्राम सभा क्षेत्र को पुनर्गठित करने के सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं। यह आदेश के अन्तर्गत ग्राम सभा द्वात्रों का पुनर्गठन, विद्यमान पंचायतों के निर्वाचित पदाधिकारियों की पदावधि को प्रभावित नहीं करेगा:—

क्र.सं.	ग्राम सभा का नाम जिससे क्षेत्रों/ग्रामों को अपवर्जित किया गया	कोष्ठ संख्या—2 में वर्णित ग्राम सभा के ग्रामों के नाम	कोष्ठ संख्या—2 में वर्णित ग्राम सभा से अपवर्जित किए गए ग्रामों के नाम	ग्राम सभा का नाम जिनमें कोष्ठ सं-0—4 में वर्णित ग्रामों को सम्मिलित किया गया	कोष्ठ संख्या—5 में वर्णित ग्राम सभा में पुनर्गठन उपरान्त ग्रामों के नाम	विवरण
1	2	3	4	5	6	7

1. विकास खण्ड घुमारवीं

1.	बरोटा	1.बरोटा 2.चन्जीण 3.गतोड़ 4.करोट	1. गतोड़	घण्डालवीं	1. गतोड़ 2. समलाह 3. वप्पाड 4. बाड़ी चौक 5. कामली 6. कोठी 7. घण्डालवीं 8. बलोटा 9. ठगवाण 10. भरड़वाण	कोष्ठ संख्या—4 में वर्णित ग्राम को छोड़कर कोष्ठ संख्या—3 के शेष ग्राम, ग्राम सभा 'बरोटा' में रहेंगे।
----	-------	--	----------	-----------	---	--

आदेश द्वारा,
(ओंकार शर्मा)
सचिव (पंचायती राज)।

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला—171009, 8 सितम्बर, 2015

संख्या: पसीएच—एचए (1)2/2014—पुर्नगठन सिरमौर—22664—70.—इस विभाग की अधिसूचना संख्या पीसीएच—एचए(1)2/2014—15218—24 दिनांक 1 अगस्त 2015 के अन्तर्गत, जिला सिरमौर में ग्राम सभा क्षेत्रों के पुनर्गठित करने हेतु प्रस्तावना द्वारा सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों से आक्षेप एवं सुझाव आमंत्रित किए गए थे तथा उपायुक्त, जिला सिरमौर को इस सम्बन्ध में आक्षेप/ सुझाव प्राप्त करने और उन पर विचार करने के उपरान्त अन्तिम सिफारिश प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और क्योंकि उपरोक्त अधिसूचना में निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई भी आक्षेपों/सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है।

अतः उपायुक्त, जिला सिरमौर की सिफारिशों के दृष्टिगत, इस विभाग द्वारा जिला सिरमौर की निम्नलिखित ग्राम सभा क्षेत्रों के पुनर्गठन से सम्बन्धित पूर्व में जारी अधिसूचना कों, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (वर्ष 1994 का अधिनियम संख्यांक 4) की धारा 3 की उप—धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, जिला सिरमौर के निम्न अनुसूचि में वर्णित ग्राम सभा क्षेत्र को पुनर्गठित करने के सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं। इन आदेशों के अन्तर्गत ग्राम सभा क्षेत्रों का पुनर्गठन, विद्यमान पंचायतों के निर्वाचित पदाधिकारियों की पदावधि को प्रभावित नहीं करेगा:—

क्र. सं.	ग्राम सभा का नाम जिससे क्षेत्रों/ ग्रामों को अपवर्जित किया गया	कोष्ठ संख्या—2 में वर्णित ग्राम सभा के ग्रामों के नाम	कोष्ठ संख्या—2 में वर्णित ग्राम सभा से अपवर्जित हुए ग्रामों के नाम	ग्राम सभा का नाम जिसमें कोष्ठ सं0—4 में वर्णित ग्राम को सम्मिलित किया गया	कोष्ठ संख्या—5 में वर्णित ग्राम सभा में पुनर्गठन उपरान्त ग्रामों के नाम	विवरण
1	2	3	4	5	6	7

1. विकास खण्ड नाहन

1.	पंजाहल	1.पंजाहल 2.दधोग 3.काथला 4.रेन पिरगड़ी 5.संधु पुड़ला 6.सेर बड़ौन 7.रुनोगा बघरात 8.कटली करलपा 9.शिल्नु कैलारू 10.नन्हा 11.ओन खदरी 12.डोर मन्डोली	1.ओन खदरी 2.डोर मन्डोली	थाना कसोगा	1.ओन खदरी 2.डोर मन्डोली 3.लुहली 4.सतर भादो 5.थाना कसोगा 6.घायली 7.डन्डोर	कोष्ठ संख्या—4 में वर्णित ग्रामों को छोड़कर कोष्ठ संख्या—3 के शेष ग्राम, ग्राम सभा 'पंजाहल' में रहेंगे।
----	--------	---	----------------------------	------------	--	---

1	2	3	4	5	6	7
2.	धगेड़ा	1.कुन 2.बलाका बराप्ल 3.चम्बाशील 4.धगेड़ा 5.खुडु बलाहर 6.रोज बैहन्दली 7.देवरी टिककरी	देवरी टिककरी	थाना कसोगा	1. देवरी टिककरी 2. लुहली 3. सतर भादो 4. थाना कसोगा 5. घायली 6. डन्डोर 7. ओन खदरी 8. डोर मन्डोली (क्रम सं0 6 व 7 प्रस्तावना सं0 1 अनुसार सम्मिलित किए गए हैं।	कोष्ठ संख्या—4 में वर्णित ग्राम को छोड़कर, कोष्ठ संख्या—3 के शेष ग्राम, ग्राम सभा 'धगेड़ा' में रहेंगे।

आदेश द्वारा,
(ओकार शर्मा)
सचिव (पंचायती राज)।

पंचायती राज विभाग

अधिसूचना

शिमला—171009, 8 सितम्बर, 2015

संख्या पसीएच—एचए (1)2/2014—पुर्नगठन शिमला—22649—56.—इस विभाग की अधिसूचना संख्या पीसीएच—एचए(1)2/2014—20057—67 दिनांक 14 अगस्त 2015 के अन्तर्गत, जिला शिमला में ग्राम सभा क्षेत्रों के पुनर्गठित करने हेतु प्रस्तावना द्वारा सम्बन्धित ग्राम सभा सदस्यों से आक्षेप एवं सुझाव आमंत्रित किए गए थे तथा उपायुक्त, जिला शिमला को इस सम्बन्ध में आक्षेप/सुझाव प्राप्त करने और उन पर विचार करने के उपरान्त अन्तिम सिफारिश प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकृत किया गया था।

और क्योंकि उपरोक्त अधिसूचना में निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई भी आक्षेपों/सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है।

अतः उपायुक्त, जिला शिमला की सिफारिशों के दृष्टिगत, इस विभाग द्वारा जिला शिमला की निम्नलिखित ग्राम सभा क्षेत्रों के पुनर्गठन से सम्बन्धित पूर्व में जारी अधिसूचना को, हिमाचल प्रदेश पंचायती

राज अधिनियम, 1994 (वर्ष 1994 का अधिनियम संख्यांक 4) की धारा 3 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, जिला शिमला के निम्न अनुसूचि में वर्णित ग्राम सभा क्षेत्र को पुनर्गठित करने के सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं। इस आदेश के अन्तर्गत ग्राम सभा क्षेत्रों का पुनर्गठन, विद्यमान पंचायतों के निर्वाचित पदाधिकारियों की पदावधि को प्रभावित नहीं करेगा:—

क्र. सं.	ग्राम सभा का नाम जिससे क्षेत्रों/ग्रामों को अपवर्जित किया गया	कोष्ठ संख्या—2 में वर्णित ग्राम सभा के ग्रामों के नाम	कोष्ठ संख्या—2 में वर्णित ग्राम सभा से अपवर्जित हुए ग्रामों के नाम	ग्राम सभा का नाम जिसमें कोष्ठ सं—4 में वर्णित ग्राम को सम्मिलित किया गया	कोष्ठ संख्या—5 में वर्णित ग्राम सभा में पुनर्गठन उपरान्त ग्रामों के नाम	विवरण
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.

विकास खण्ड बसन्तपुर/मशोबरा

1.	ओखरू	1. बहिक्यार 2. जनीया 3. ओखरू 4. कठियाणा 5. मन्दयाह 6. कैरू 7. पञ्जैल जमोगी 8. बंगेरा 9. नेरटी 10. तपाकड़ी 11. डगयाणा 12. माकड़ी	1 तपाकड़ी	हलोग धामी	1. महापुणा 2. धुलण 3. हलोग 4. शील 5. भज्याड़ 6. कुफरी 7. बीणू 8. घाट 9. गेंचडी 10. ओबरू 11. कनौडी 12. अरलोट 13. पनोग 14. कांयती 15. क्यारी बाग 16. कल्याणी 17. धलोट 18. देलग 19. तपाकड़ी	कोष्ठ संख्या—4 में वर्णित ग्राम तपाकड़ी को छोड़कर कोष्ठ संख्या—3 के शेष ग्राम, ग्राम सभा 'ओखरू' में रहेंगे।
----	------	--	-----------	-----------	--	---

आदेश द्वारा
(ऑंकार शर्मा),
सचिव (पंचायती राज)।

**In the Court of Dr. (Maj.) Vishal Sharma, HAS, Sub-Divisional Magistrate
Kalpa at Reckong Peo, Tehsil Kalpa District Kinnaur Himachal Pradesh-172107**

Shri Mithun Singh s/o Shri Karvir R/o Village Reckong Peo, Tehsil Kalpa, District Kinnaur, H. P. . . *Applicant.*

Versus

General Public

Application U/S 13(3) of Birth and Deaths Registration Act, 1969.

Notice for publication in the HP Rajpatra.

The above named applicant has presented an application U/S 13(3) of Birth and Deaths Registration Act, 1969 supported by an affidavit stating that his two children their names and date of birth is as under but due to inadvertence, he could not get the birth registered in the record of Gram Panchayat Kothi. He further requested to issue an order for registration of birth of the same in the records of Gram Panchayat Kothi, Tehsil Kalpa, District Kinnaur H.P.

Therefore, notice is hereby issued to the general public through this publication that if anybody has any objection for the registration of birth of said Children prefer his written or verbal objection before the undersigned within a period of one month i.e. before 30-09-2015 failing which it will be presumed that nobody has any objection for registration of birth of said children and order under the Act, *ibid* will be issued to the Local Registrar of Gram Panchayat Kothi.

Sr. No.	Name	Date of Birth
(1)	Bharti	02-01-1996
(2)	Anchal	08-03-2003

Issued under my hand and seal of the Court today on the 2nd day of September, 2015.

Seal.

Dr. (Maj.) VISHAL SHARMA, HAS,
Sub-Divisional Magistrate,
Kalpa at Reckong Peo, District Kinnaur (H.P.).

In the Court of Marriage Officer-cum-Sub Divisional Magistrate, Urban,
District Mandi (H. P.)

In the matter of :—

1. Shri Anurag Dev Kashyap s/o Shri Dharam Dev, r/o H. No. 75, Duplex Gulmohar City Near DAV School Haibatpur, Road Derabassi, Sas Nagar, Punjab.
2. Smt. Somya Sharma d/o Shri Yog Raj Sharma, r/o Village Upper Bhiuli, near Munish Resort, P.O. Purani Mandi, Tehsil Sadar, District Mandi, H. P. (At present wife of Shri Anurag Dev Kashyap s/o Shri Dharam Dev, r/o H. No. 75, Duplex Gulmohar City Near DAV School Haibatpur, Road Derabassi, Sas Nagar, Punjab) . . . Applicants

Versus

General Public

Subject.—Application for the registration of Marriage under section 15 of Special Marriage Act, 1954.

Shri Anurag Dev Kashyap s/o Shri Dharam Dev, r/o H. No. 75, Duplex Gulmohar City Near DAV School Haibatpur, Road Derabassi, Sas Nagar, Punjab and Smt. Somya Sharma d/o Shri Yog Raj Sharma, r/o Village Upper Bhiuli, near Munish Resort, P.O. Purani Mandi, Tehsil Sadar, District Mandi, H. P. (At present wife of Shri Anurag Dev Kashyap s/o Shri Dharam Dev, r/o H. No. 75, Duplex Gulmohar City Near DAV School Haibatpur, Road Derabassi, Sas Nagar, Punjab) have filed an application along with affidavits in the court of undersigned under section 15 of Special Marriage Act, 1954 that they have solemnized their marriage on 06-02-2010 according to Hindu rites and customs at Vipasa Sadan Mandi, District Mandi, H. P. and they are living together as husband and wife since then. Hence, their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage, can file the objection personally or in writing before this court on or before 02-10-2015 after that no objection will be entertained and marriage will be registered.

Issued today on 2nd day of September, 2015 under my hand and seal of the court.

Seal.

Sd/-

Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,
Mandi (Urban), District Mandi.

In the Court of Marriage Officer-cum-Sub Divisional Magistrate, Urban,
District Mandi (H. P.)

In the matter of :—

1. Shri Anil Kumar s/o Shri Chander Mani, r/o H. No. 385/5/1, Sain Muhalla, Mandi Town, Tehsil Sadar, District Mandi, H. P.
2. Smt. Manu Kumari d/o Shri Chater Singh, r/o Village Dayari, P.O. Tilli, Tehsil Sadar, District Mandi, H. P. (At present wife of Shri Anil Kumar s/o Shri Chander Mani, r/o H. No. 385/5/1, Sain Muhalla, Mandi Town, Tehsil Sadar, District Mandi, H. P.)
.. Applicants

Versus

General Public

Subject.—Application for the registration of Marriage under section 15 of Special Marriage Act, 1954.

Shri Anil Kumar s/o Shri Chander Mani, r/o H. No. 385/5/1, Sain Muhalla, Mandi Town, Tehsil Sadar, District Mandi, H. P. and Smt. Manu Kumari d/o Shri Chater Singh, r/o Village Dayari, P.O. Tilli, Tehsil Sadar, District Mandi, H. P. (At present wife of Shri Anil Kumar s/o Shri Chander Mani, r/o H. No. 385/5/1, Sain Muhalla, Mandi Town, Tehsil Sadar, District Mandi, H. P.) have filed an application along with affidavits in the court of undersigned under section 15 of Special Marriage Act, 1954 that they have solemnized their marriage on 02-07-2014 according to Hindu rites and customs at Sain Muhalla Mandi, H. P. and they are living together as husband and wife since then. Hence, their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage, can file the objection personally or in writing before this court on or before 27-09-2015 after that no objection will be entertained and marriage will be registered.

Issued today on 27 th day of August, 2015 under my hand and seal of the court.

Seal.

Sd/-

Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,
Mandi (Urban), District Mandi.

समक्ष तहसीलदार एवम् सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)
श्री रोशन पुत्र राम सिंह, निवासी गांव पसड, तहसील लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०) . . प्रार्थी

बनाम

आम जनता . . फरीक दोयम

श्री रोशन पुत्र राम सिंह, निवासी गांव पसड, तहसील लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०) ने शपथ पत्र सहित आवेदन किया है कि प्रार्थी के पिता का वास्तविक नाम राम सिंह है परन्तु राजस्व अभिलेख मुहाल बगला, भटेहड, पसड व सुनेहड में सिंह लिखा गया है जो गलत है। अब नाम दरुस्ती हेतु आवेदन किया है।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त नाम दरुस्ती दर्ज करने बारा कोई उजर-एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन तारीख पेशी दिनांक 28-9-2015 को 10.00 बजे इस अदालत में हाजिर हो कर अपना उजर पेश कर सकता है। बसूरत गैरहाजिर एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा कर नाम दरुस्ती दर्ज करने के आदेश पारित कर दिया जाएगा।

यह इश्तहार आज दिनांक 28-8-2015 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

समक्ष तहसीलदार एवम् सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)
श्री अश्वनी कुमार पुत्र सतपाल, निवासी गांव व डाकघर सिमस, तहसील लडभडोल, जिला मण्डी
(हि० प्र०) . . प्रार्थी

बनाम

आम जनता

. . फरीक दोयम

श्री अश्वनी कुमार पुत्र सतपाल, निवासी गांव व डाकघर सिमस, तहसील लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०) ने शपथ पत्र सहित आवेदन किया है कि प्रार्थी के पुत्र हिमांशु शर्मा की वास्तविक जन्म तिथि 25–11–1999 है जो ग्राम पंचायत परिवार रजिस्टर में भी दर्ज है। परन्तु प्रार्थी के पुत्र हिमांशु शर्मा की जन्म तिथि ग्राम पंचायत सिमस के जन्म अभिलेख में दर्ज नहीं है अब जन्म तिथि दर्ज करवाने बारे आवेदन किया है।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त जन्म तिथि दर्ज करने बारा कोई उजर-एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन तारीख पेशी दिनांक 28–9–2015 को 10.00 बजे इस अदालत में हाजिर हो कर अपना उजर पेश कर सकता है। बसूरत गैरहाजिर एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा कर जन्म तिथि दर्ज करने के आदेश पारित कर दिया जाएगा।

यह इश्तहार आज दिनांक 28–8–2015 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

समक्ष तहसीलदार एवम् सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)
श्रीमती रमा देवी पत्नी जोगिन्द्र सिंह, निवासी गांव चैलचतरा, डाकघर व तहसील लडभडोल, जिला
मण्डी (हि० प्र०) . . प्रार्थीन

बनाम

आम जनता

. . फरीक दोयम

श्रीमती रमा देवी पत्नी जोगिन्द्र सिंह, निवासी गांव चैलचतरा, डाकघर व तहसील लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०) ने शपथ पत्र सहित आवेदन किया है कि प्रार्थीन के पुत्र सोनू की वास्तविक जन्म तिथि 18–09–1994 है जो ग्राम पंचायत परिवार रजिस्टर में भी दर्ज है। परन्तु प्रार्थीन के पुत्र सोनू की जन्म तिथि पंचायत दलेड के जन्म अभिलेख में दर्ज नहीं है अब जन्म तिथि दर्ज करवाने बारे आवेदन किया है।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त जन्म तिथि दर्ज करने बारा कोई उजर-एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन तारीख पेशी दिनांक 28–9–2015 को 10.00 बजे इस अदालत में हाजिर हो कर अपना उजर पेश कर सकता है। बसूरत गैरहाजिर एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा कर जन्म तिथि दर्ज करने के आदेश पारित कर दिया जाएगा।

यह इश्तहार आज दिनांक 28–8–2015 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

समक्ष तहसीलदार एवम् सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)
श्रीमती जसोधा देवी पुत्री मसदी राम, निवासी गांव व डाकघर सिमस, तहसील लडभडोल, जिला मण्डी
(हि० प्र०) . . प्रार्थीन

बनाम

आम जनता

. . फरीक दोयम

श्रीमती जसोधा देवी पुत्री मसदी राम, निवासी गांव व डाकघर सिमस, तहसील लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०) ने शपथ पत्र सहित आवेदन किया है कि प्रार्थीन की वास्तविक जन्म तिथि दिनांक 01-01-1952 है परन्तु प्रार्थीन की जन्म तिथि ग्राम पंचायत भडोल के जन्म अभिलेख में दर्ज नहीं है अब जन्म तिथि दर्ज करवाने बारे निवेदन किया है।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त जन्म तिथि दर्ज करने बारा कोई उजर-एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन तारीख पेशी दिनांक 28-9-2015 को 10.00 बजे इस अदालत में हाजिर हो कर अपना उजर पेश कर सकता है। बसूरत गैरहाजिर एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा कर जन्म तिथि दर्ज करने के आदेश पारित कर दिया जाएगा।

यह इश्तहार आज दिनांक 28-8-2015 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

समक्ष तहसीलदार एवम् सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)
श्रीमती रुमा देवी पुत्री मसदी राम, निवासी गांव व डाकघर सिमस, तहसील लडभडोल, जिला मण्डी
(हि० प्र०) . . प्रार्थीन

बनाम

आम जनता

. . फरीक दोयम

श्रीमती रुमा देवी पुत्री मसदी राम, निवासी गांव व डाकघर सिमस, तहसील लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०) ने शपथ पत्र सहित आवेदन किया है कि प्रार्थीन की वास्तविक जन्म तिथि दिनांक 15-02-1955 है परन्तु प्रार्थीन की जन्म तिथि ग्राम पंचायत भडोल के जन्म अभिलेख में दर्ज नहीं है अब जन्म तिथि दर्ज करवाने बारे निवेदन किया है।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त जन्म तिथि दर्ज करने बारा कोई उजर-एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन तारीख पेशी दिनांक 28-9-2015 को 10.00 बजे इस अदालत में हाजिर हो कर अपना उजर पेश कर सकता है। बसूरत गैरहाजिर एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा कर जन्म तिथि दर्ज करने के आदेश पारित कर दिया जाएगा।

यह इश्तहार आज दिनांक 28-8-2015 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/-
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
लडभडोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

**In the Court of Shri Hemis Negi, H.A.S., Sub-Divisional Magistrate, Shimla (Urban),
District Shimla, Himachal Pradesh**

Shri Jatinder Gupta s/o Shri K. R. Gupta, r/o 36, Middle Bazar Shimla-1, Tehsil & District Shimla, H. P. . . *Applicant.*

Versus

General Public . . . *Respondent.*

Application under Section 13(3) of Birth and Death Registration Act, 1969.

Whereas Shri Jatinder Gupta s/o Shri K. R. Gupta, r/o 36, Middle Bazar Shimla-1, Tehsil & District Shimla, H. P. has applied for registration the name and date of birth of his daughter namely Samiksha Gupta (DOB 10-9-1994) in the record of Municipal Corporation Shimla, District Shimla, H. P.

Therefore, this proclamation, the General Public is hereby informed that any person having any objection for entry as to date of Birth mentioned above, may submit his objection in writing in this court on or before 11-10-2015 failing which no objection will be entertained after expiry of date and will be decided accordingly.

Given under my hand and seal of the Court on this 10th day of September, 2015.

Seal.

HEMIS NEGI,
*Sub-Divisional Magistrate,
Shimla (Urban), District Shimla.*

**In the Court of Shri Hemis Negi, H.A.S., Sub-Divisional Magistrate, Shimla (Urban),
District Shimla, Himachal Pradesh**

Shri Pradeep Kumar s/o Shri Chhote Lal, r/o Old Spring Field H.No. 10, Chhotta Shimla, Tehsil & District Shimla, H. P. . . *Applicant.*

Versus

General Public . . . *Respondent.*

Application under Section 13(3) of Birth and Death Registration Act, 1969.

Whereas Shri Pradeep Kumar s/o Shri Chhote Lal, r/o Old Spring Field H.No. 10, Chhotta Shimla, Tehsil & District Shimla, H. P. has applied for registration the name and date of birth of his son namely Ankit Kumar (DOB 4-2-1994) in the record of Municipal Corporation Shimla, District Shimla, H. P.

Therefore, this proclamation, the General Public is hereby informed that any person having any objection for entry as to date of Birth mentioned above, may submit his objection in writing in this court on or before 11-10-2015 failing which no objection will be entertained after expiry of date and will be decided accordingly.

Given under my hand and seal of the Court on this 10th day of September, 2015.

Seal.

HEMIS NEGI,
*Sub-Divisional Magistrate,
Shimla (Urban), District Shimla.*

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री कुमुद मेहता पुत्र श्री अनिल कुमार, निवासी ग्राम सूरजपुर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर
वादी

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी ।

प्रकरण संख्या : 126 / 15

उनवान मुकद्दमा.—प्रार्थना पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री कुमुद मेहता पुत्र श्री अनिल कुमार, निवासी ग्राम सूरजपुर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर ने एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करके निवेदन किया है कि आवेदक किन्हीं कारणों से अपनी स्वयं की जन्म तिथि 15–10–1990 का इन्द्राज निर्धारित अवधि के अन्दर सम्बन्धित ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवा पाया है। इस बारे आवेदक द्वारा एक व्यान हल्फी भी पेश किया गया है तथा इस सम्बन्ध में दो गवाहों के शपथ पत्र भी आवेदक ने अपने प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न किये हैं। आवेदक ने ग्राम पंचायत पुरुवाला कांशीपुर में अपनी उपर्युक्त जन्म तिथि 15–10–1990 को दर्ज करने का अनुरोध किया है।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को श्री कुमुद मेहता की जन्म तिथि ग्राम पंचायत पुरुवाला कांशीपुर, तहसील पांवटा साहिब में दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह तिथि 28–09–2015 को या इससे पूर्व हमारे न्यायालय में हाजिर होकर लिखित अथवा मौखिक एतराज पेश कर सकता है उक्त निश्चित तिथि के बाद कोई भी एतराज मान्य नहीं होगा और समझा जायेगा कि उक्त श्री कुमुद मेहता की जन्म तिथि को सम्बन्धित ग्राम पंचायत पुरुवाला कांशीपुर में दर्ज करने बारे किसी को कोई एतराज नहीं है तथा नियमानुसार जन्म तिथि पंजीकरण के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 25–08–2015 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हिं0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्रीमती इन्द्रजीत कौर पुत्री श्री दीप चन्द, निवासी ग्राम तारुवाला, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर
वादी

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी ।

प्रकरण संख्या : 125 / 15

उनवान मुकद्दमा.—प्रार्थना पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती इन्द्रजीत कौर पुत्री श्री दीप चन्द, निवासी ग्राम तारुवाला, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर ने एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करके निवेदन किया है कि आवेदिका किन्हीं कारणों से अपनी स्वयं की जन्म तिथि 15–8–1993 का इन्द्राज निर्धारित अवधि के अन्दर सम्बन्धित ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवा पाई है। इस बारे आवेदिका द्वारा एक व्यान हल्फी भी पेश किया गया है तथा इस सम्बन्ध में दो गवाहों के शपथ

पत्र भी आवेदिका ने अपने प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न किये हैं। आवेदिका ने ग्राम पंचायत बढ़ीपुर में अपनी उपरवर्णित जन्म तिथि 15–8–1993 को दर्ज करने का अनुरोध किया है।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को श्रीमती इन्द्रजीत कौर की जन्म तिथि ग्राम पंचायत बढ़ीपुर, तहसील पांवटा साहिब में दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह तिथि 30–09–2015 को या इससे पूर्व हमारे न्यायालय में हाजिर होकर लिखित अथवा मौखिक एतराज पेश कर सकता है उक्त निश्चित तिथि के बाद कोई भी एतराज मान्य नहीं होगा और समझा जायेगा कि उक्त श्रीमती इन्द्रजीत कौर की जन्म तिथि को सम्बन्धित ग्राम पंचायत में दर्ज करने बारे किसी को कोई एतराज नहीं है तथा नियमानुसार जन्म तिथि पंजीकरण के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 25–08–2015 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हिं0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, पांवटा साहिब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

श्री बलकार सिंह बैंस पुत्र श्री महिन्द्र सिंह बैंस, निवासी गोंदपुर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर वादी

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी।

प्रकरण संख्या : 122 / 15

उनवान मुकद्दमा.—प्रार्थना पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री बलकार सिंह बैंस पुत्र श्री महिन्द्र सिंह बैंस, निवासी गोंदपुर, तहसील पांवटा साहिब, जिला सिरमौर ने एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करके निवेदन किया है कि आवेदक किन्हीं कारणों से अपने पुत्र गुरप्रीत सिंह बैंस की जन्म तिथि 27–1–1990 का इन्द्राज निर्धारित अवधि के अन्दर सम्बन्धित ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं करवा पाया है। इस बारे आवेदक द्वारा एक व्यान हल्की भी पेश किया गया है तथा इस सम्बन्ध में दो गवाहों के शपथ पत्र भी आवेदक ने अपने प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न किये हैं। आवेदक ने ग्राम पंचायत बढ़ीपुर में अपनी उपरवर्णित पुत्र की जन्म तिथि 27–1–1990 को दर्ज करने का अनुरोध किया है।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को श्री गुरप्रीत सिंह बैंस की जन्म तिथि ग्राम पंचायत बढ़ीपुर, तहसील पांवटा साहिब में दर्ज करने बारे कोई एतराज हो तो वह तिथि 28–09–2015 को या इससे पूर्व हमारे न्यायालय में हाजिर होकर लिखित अथवा मौखिक एतराज पेश कर सकता है उक्त निश्चित तिथि के बाद कोई भी एतराज मान्य नहीं होगा और समझा जायेगा कि उक्त श्री गुरप्रीत सिंह बैंस की जन्म तिथि को सम्बन्धित ग्राम पंचायत में दर्ज करने बारे किसी को कोई एतराज नहीं है तथा नियमानुसार जन्म तिथि पंजीकरण के आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

आज दिनांक 25–08–2015 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
पांवटा साहिब, जिला सिरमौर (हिं0 प्र0)।

**In the court of Shri Narayan Chauhan, Assistant Collector 1st Grade (Tehsildar),
Kasauli, Tehsil Kasauli, District Solan, H. P.**

Case No. : 20/IX of 2015

Date of Institution : 1-8-2015

Date of Decision/
Pending for : 3-10-2015

Shri Keshav Ram son of Shri Mohan Lal, resident of Village Nahri, Pargana Dharthi,
Tehsil Kasauli, District Solan, H. P. . . *Applicant.*

Versus

Shri Deepak Khosla son of Shri Rajinder Pal Khosla, resident of Village Mashobra, Pargana Dharthi, Tehsil Kasauli, District Solan, H. P. presently residing at House No. 218, Sector-XV-A, Noida, U.P. . . *Respondents.*

Proclamation under Section 123 of H.P. Land Revenue Act.

WHEREAS the applicant has moved an application for partition of joint land bearing khata/khatauni No. 89/92 bearing khasara No. 316/141/13 area measuring 1-15 Bighas situated in revenue village Mashobra, Tehsil Kasauli, District Solan, H. P.

AND WHEREAS the summons have been issued to respondent through ordinary process and by post for effective service and it has been proved to the satisfaction of this court that service upon respondent is also required by way of this proclamation.

NOW by this proclamation, the respondents Shri Deepak Khosla is hereby informed to be present in this Court in person or through his legal representative on 3-10-2015 at 10.00 AM failing which the *ex-parte* proceeding shall be taken against him.

Issued under my hand and seal of the court today on 2nd day of September, 2015.

Seal.

Sd/-

(NARAYAN CHAUHAN),
*Assistant Collector 1st Grade (Tehsildar),
Kasauli, Tehsil Kasauli, District Solan, H. P.*

